मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.0	11.4
जमशेदपुर	26.0	10.0
डालटनगंज	26.0	08.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

www.lagatar.in ● शनिवार, 16 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 238 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

इंटरनेशनल

- बीजिंग में हिमपात से रेल दुर्घटना, 515 यात्री घायल
- हमास के खिलाफ लड़ाई में वक्त लगेगा : इजराइल
- यूक्रेन को मदद देने पर यूएस संसद में सहमति नहीं
- हमले में लाइबेरिया के जहाज में आग लगी

नेशनल

- देशभर में कोविड के 312 नए मामले आए सामने
- ईएसआईसी ने अक्टूबर में 17 .28 लाख नए सदस्य जोड़े
- बेलगावी की घटना पर भाजपा ने संसद में किया प्रदर्शन
- पूर्व सीएम चंद्रशेखर राव को अस्पताल से मिली छुट्टी

स्टेट

- विकास बजरंगी को गॉल ब्लॉडर में निकला स्टोन
- सिख दंगों की स्टेटस रिपोर्ट जुटा रही रांची पुलिस
- वंदना दादेल 16 से 28 दिसंबर तक अवकाश पर
- मनी लॉन्ड्रिंग में जय चौधरी को अग्रिम बेल से इंकार

स्पोर्ट्स

- पुरुष हॉकी टीम पांच देशों के टूर्नामेंट में स्पेन से हारी
- अंडर-19 क्रिकेट एशिया कप सेफा में हारा भारत
- भारतीय महिला हॉकी टीम को स्पेन ने 3-2 से हराया
- रोहित की जगह हार्दिक मुंबई इंडियन्स के कप्तान

सुर्खियां

किसने क्या कहा

- धीरज साहू झारखंड के अंबानी और अडाणी की तरह हैं : इरफान अंसारी
- हवाई अड्डों पर यात्रियों के कुशल प्रबंधन के लिए उठाए गए कदम : ज्योतिरादित्य
- मांस-मछली की खुले में बिक्री प्रतिबंध के फैसले पर एमपी सरकार विचार करें : मायावती

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,900
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई तीन तक स्थगित

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को अगले साल तीन जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी. लोकसभा में आचार समिति की रिपोर्ट को मंजूर किए जाने के बाद गत सोमवार को तृणमूल नेता को सदन से निष्कासित कर दिया गया. इसके विरोध में मोइत्रा ने शीर्ष अदालत का रुख किया है. पीठ सर्दियों की छुट्टियों के बाद इसपर सुनवाई करना चाहती है.

पाक में दो आतंकी हमला 5 सुरक्षाकर्मियों की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में शुक्रवार को एक क्षेत्रीय पुलिस मुख्यालय और एक नाके पर हुए आतंकवादी हमले में कम से कम पांच सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी. इन घटनाओं में चार आंतकवादी भी मारे गए. तीन दिन पहले, इसी क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में 23 सैनिकों की मौत हो गयी थी. अधिकारियों के मुताबिक पहला हमला खैबर पख्तूनख्वा के टैंक जिले में पुलिस लाइन पर हुआ. अधिकारियों ने कहा कि चार आतंकवादी भी मारे गए.

तीन जिलों के डीसी को सरकार ने किया शोकॉज

रांची। आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लापरवाही बरतने वाले और खराब प्रदर्शन करने वाले तीन जिलों के डीसी को शोकॉज किया गया है. राज्य सरकार ने पलामू, प.सिंहभूम और चतरा के डीसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. जारी नोटिस में कहा गया है कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पलामू की प्रगति 0.94, वेस्ट सिंहभूम 0.82 और चतरा जिले की प्रगति महज 0.66% है.

कोर्ट परिसर में ताबड़तोड़ फायरिंग, कैदी की हत्या

पटना। दानापुर कोर्ट में पेशी के लिए लाए गए एक कैदी की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गयी. मृतक का नाम छोटे सरकार बताया जा रहा है. कोर्ट परिसर में अचानक फायरिंग के बाद अफरा-तफरी मच गयी. पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. कैदी छोटे सरकार को पांच से छह गोलियां मारी गयीं. नौबतपुर के रहने वाले अभिषेक कुमार उर्फ छोटे सरकार को एक मामले में पेशी के लिए दानापुर कोर्ट लाया गया था. यहां अपराधी पहले से घात लगाए बैठे थे.

प्रिंस हैरी ने फोन हैकिंग मुकदमा जीता

लंदन। प्रिंस हैरी ने 'डेली मिरर' के प्रकाशक के खिलाफ दायर फोन हैकिंग का मुकदमा जीत लिया है और अदालत ने समाचार पत्र को उन्हें क्षतिपूर्ति के रूप में 1,40,000 ब्रिटिश पाउंड देने का आदेश दिया है. हैरी ने 'डेली मिरर' के खिलाफ कई मुकदमे किए हैं, जिनमें यह मुकदमा भी शामिल है. कोर्ट ने पाया कि मिरर समूह के समाचार पत्रों के लिए वर्षों से फोन हैकिंग की जा रही थी.

» जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के लिए 6.50 लाख अभ्यर्थियों ने भरे फॉर्म

- आयोग ने कहा त्रुटियों के कारण रद्द किए गए आवेदन

85000 से अधिक आवेदन रद्द

रजनीश / शुभम किशोर । रांची

झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग(जेएसएससी) ने सीजीएल परीक्षा के 85,023 अभ्यर्थियों के आवेदन को रद्द कर दिया है. इसे लेकर आयोग ने 297 पन्नों की अधिसूचना शुक्रवार (15 दिसंबर 2023) को जारी कर दी है. इतने बड़े पैमाने पर अभ्यर्थियों के आवेदन रद्द करने का कारण आवेदन भरने में हुई विभिन्न त्रुटियों को बताया गया है. बता दें कि इस परीक्षा के लिए लगभग साढ़े साढ़े छह लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था.

जेएसएससी ने आवेदन रद्द करने की वजहें बतायीं: कई अभ्यर्थियों ने क्षेत्रीय भाषा का चयन नहीं किया, कुछ ने आरक्षण कोटि और दिव्यांगता के कॉलम में परिवर्तन किया, लेकिन शुल्क का भुगतान नहीं किया. इसके अलावा कई अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन से आगे की प्रक्रिया पूरी ही नहीं की, जिस कारण उनके आवदेन को रद्द कर दिया गया. बता दें कि आयोग ने पहले 16-17 दिसंबर को होने वाली जेएसएससी सीजीएल परीक्षा बीते 11 दिसंबर को स्थगित कर दी थी. आयोग ने बताया था कि परीक्षा लेने वाली एजेंसी ने असमर्थता जता दी है. इससे परीक्षा स्थगित की जाती है. इसके बाद छात्रों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया. विरोध को देखते हुए आयोग ने अगले ही दिन परीक्षा की नई तिथि 21 जनवरी और 28 जनवरी तय कर दी है. तिथि में बदलाव को लेकर छात्रों का विरोध शुरू हो गया है.

- शेष पेज 13 पर

जेएसएससी कार्यालय का घेराव कर छात्रों ने किया प्रदर्शन

नौकरी दो-नौकरी दो, गद्दी छोड़ दो...

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के कार्यालय का घेराव करने राज्य भर से 1000 से भी अधिक अभ्यर्थी शुक्रवार की सुबह नामकुम पहुंचे. बार-बार परीक्षा स्थगित किए जाने से अभ्यर्थी गुस्से में थे और आयोग व सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे. आयोग से युवाओं के भविष्य के साथ खिलबाड़ बंद करने की गुहार लगा रहे थे. छात्रों का कहना था कि जेपीएससी व जेएसएससी निष्क्रिय हो चुका है. न तो समय पर कोई परीक्षा ही ले पा रहा है और समय पर कभी किसी परीक्षा का रिजल्ट ही जारी हुआ है. यदि परीक्षा होती भी है, तो विवादित हो जाती है. और अंततः में रद्द कर दी जाती है. परीक्षा के इंतजार में हजारों छात्रों की नौकरी की उम्र सीमा समाप्त हो गयी है. आयोग कार्यालय के समक्ष अभ्यर्थी नारेबाजी करते रहे-युवाओं को ठगना बंद करो, नौकरी दो -नौकरी दो, नहीं तो गद्दी छोड़ दो. अभ्यर्थियों के घेराव को लेकर मौके पर काफी पुलिस के जवान तैनात थे. इस बीच आयोग कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन व नारेबाजी कर रहे अभ्यर्थियों की भीड़ में से अचानक एक युवक हाथों में बोतल लिए नारेबाजी करते हुए निकला. उसने बोतल में रखा पेट्रोल अपनी शरीर पर उड़ेल कर आत्मदाह करने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद पुलिस के जवान व दूसरे अभ्यर्थियों ने पकड़ दिया. उसे हिरासत में ले लिया. फिर बांड भरा कर छोड़ा गया.

एक अभ्यर्थी ने शरीर पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की, हिरासत में

डेट बढ़ाने से हो रही परेशानी : अभ्यर्थियों का कहना है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा परीक्षा की तिथि बार-बार आगे बढ़ाये जाने से उन्हें काफी नुकसान हो रहा है. कई अभ्यर्थियों की उम्र सीमा पार कर चुकी है. ऐसे में बार-बार परीक्षा स्थगित करना उचित नहीं है. इससे उनकी परेशानी बढ़ रही है.

एमएस धौनी को बड़ा सम्मान

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को बड़ा सम्मान दिया है. बोर्ड ने एमएस धोनी की 7 नंबर वाली जर्सी को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए रिटायर कर दिया है. यानि कि जर्सी नंबर 7 अब किसी भी अन्य भारतीय क्रिकेटर को नहीं दिया जाएगा. इंटरनेशनल क्रिकेट में अब कोई खिलाड़ी जर्सी नंबर 7 पहनकर भारत के लिए नहीं खेल सकेगा. आम तौर पर एक क्रिकेटर को भारत के लिए डेब्यू करने से पहले अपनी पसंदीदा जर्सी नंबर चुनने की स्वतंत्रता दी जाती है. आईसीसी नियमों के अनुसार, उन्हें खिलाड़ी को कोई भी नंबर चुनने की अनुमति है, लेकिन अब भारत में ऐसा नहीं होगा.

किसी भारतीय क्रिकेटर को नहीं मिलेगी जर्सी नं 7

बीसीसीआई ने 7 नंबर वाली जर्सी को किया रिटायर

सचिन के बाद धौनी को मिला सम्मान

बीसीसीआई ने युवा भारतीय खिलाड़ियों को सूचित किया है कि वे अब नंबर 7 जर्सी के लिए अनुरोध नहीं कर सकते हैं. तेंदुलकर का नंबर 10 साल 2017 में लिस्ट से बाहर हो गया था. बीसीसीआई ने खेल में धौनी के योगदान के लिए धौनी की टी-शर्ट को रिटायर करने का फैसला किया है. कोई भी नया खिलाड़ी नंबर 7 नहीं ले सकता है और नंबर 10 पहले से ही उपलब्ध नंबरों की सूची से बाहर था. यह फैसला धौनी के अगस्त 2020 में संन्यास लेने के साढ़े तीन साल बाद आया है. हालांकि, उन्होंने आखिरी बार इंग्लैंड के मैनचेस्टर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में भारत की जर्सी नंबर 7 पहनकर मैदान पर कदम रखा था.

धौनी के मामले में आईपीएस अधिकारी को सजा सुनाई

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने आईपीएस के अधिकारी जी संपत कुमार को महेंद्र सिंह धौनी द्वारा दायर अदालत की अवमानना के एक मामले में शुक्रवार को 15 दिन के कारावास की सजा सुनाई. हालांकि, न्यायमूर्ति एसएस सुंदर और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने सजा को 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया ताकि संपत कुमार को सजा के खिलाफ अपील दायर करने का मौका मिल सके. धौनी ने उच्चतम न्यायालय व हाईकोर्ट के खिलाफ कथित रूप से अवमानना वाले बयान देने के लिए आईपीएस अधिकारी के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला दर्ज कराया था. धौनी ने आईपीएल सट्टेबाजी में अपना नाम लिए जाने को लेकर 2014 में मानहानि का मुकदमा दायर किया था और 100 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की थी. इसी मामले में कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है.

- 2014 में आईपीएल में सट्टेबाजी में नाम लिए जाने को लेकर धौनी ने किया था केस

विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है. पहले दिन भाजपा ने सदन के बाहर धीरज साहू मामले को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया. धीरज साहू की गिरफ्तारी और कैश कांड की सीबीआई जांच कराने की मांग की. सुबह 11.07 में विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई. स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने प्रारंभिक वक्तव्य दिया. कार्य संचालन नियमावली के तहत सभापति, कार्य मंत्रणा समिति और विशेष आमंत्रित सदस्यों के नामों की घोषणा की. राजभवन के लौटाये गये 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक के साथ आई राज्यपाल की टिप्पणी पढ़ी. इसके बाद सदन में शोक प्रकाश लाया गया. इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

- धीरज साहू मामले को लेकर विपक्ष का सदन के बाहर प्रदर्शन
- सदन में स्पीकर ने पढ़ी राजभवन से लौटे 1932 विधेयक के साथ आई राज्यपाल की टिप्पणी
- राज्यपाल ने सिर्फ फोर्थ ग्रेड की नौकरियों को आरक्षित करने का दिया है सुझाव
- शोक प्रकाश के बाद सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए की स्थगित

एजी से सुझाव लेने के बाद राज्यपाल ने दिया है मंतव्य

1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक के साथ भेजे गये राज्यपाल की टिप्पणी को पढ़ते हुए स्पीकर ने बताया कि राज्यपाल ने 1932 विधेयक के कुछ बिंदुओं पर विधानसभा को पुनर्विचार करने के लिए कहा है. राजभवन ने अपना सुझाव विधेयक में शामिल कानूनी प्रावधानों पर अटॉर्नी जनरल से मंतव्य लेने के बाद दिया है.

विशेष सत्र बुलाकर पारित किया गया था विधेयक

11 नवंबर 2022 को हेमंत सरकार ने विशेष सत्र बुलाकर 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित किया था. इसे (झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक- 2022) नाम से पारित किया गया था. फिर राजभवन ने विधेयक लौटा दिया था.

संसद की सुरक्षा में चूक मुद्दे पर गतिरोध जारी

नयी दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर शुक्रवार को भी विपक्षी सदस्यों ने तत्काल चर्चा कराने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर दोनों सदनों में हंगामा किया. संसद के दोनों ही सदनों की कार्यवाही बाधित हुई और कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका. लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही क्षणों के भीतर दोपहर दो बजे तक और फिर दोबारा शुरू होते ही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी, जबकि राज्यसभा की कार्यवाही भी एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी. हालांकि राज्यसभा में सभापति ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और सदस्यों की ओर से स्थायी समिति की रिपोर्ट पेश की गयीं. यह तीसरा दिन है जब संसद में सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर संसदीय कार्यवाही बाधित हुई. - पेज 15 भी देखें

झारखंड कैबिनेट ने लिये कई अहम निर्णय

जमशेदपुर में बनेगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप

कैबिनेट के फैसले

विशेष संवाददाता। रांची

जमशेदपुर औद्योगिक नगरी बनेगा. इसका विस्तार 15725 एकड़ भूमि पर होगा. सरकार के लिए एक समिति का गठन करेगी. इससे जुड़े प्रस्ताव को शुक्रवार को हेमंत सोरेन कैबिनेट में मंजूरी प्रदान कर दी गयी. इसकी मांग झारखंड गठन के पूर्व से ही लगातार होती रही है. झारखंड का यह दूसरा बड़ा शहर है. वर्तमान में जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा शहरी निकायों से संबंधित कार्य निष्पादित किए जाते हैं. शहरी सुविधा जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति एवं जुस्को द्वारा यूटिलिटी सर्विसेज मुहैया करायी जाती है. मगर यह आवश्यक हो गया था कि अन्य औद्योगिक नगरों की तर्ज पर जमशेदपुर औद्योगिक नगरी के रूप में विकसित हो. इसमें वार्ड संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 7,11, 13,14, 15, 16, 17, 18 और 19 को शामिल किया जाएगा. औद्योगिक नगरी संचालन के लिए जमशेदपुर औद्योगिक नगरी समिति का गठन किया जाएगा. इसमें अध्यक्ष जिला के प्रभारी मंत्री/स्थानीय मंत्री अध्यक्ष होंगे. जबकि स्थानीय उपायुक्त इसके उपाध्यक्ष होंगे. इसके लिए एक प्रशासक और तीन सदस्य होंगे. इसमें टाटा स्टील के कुल 11 लोग शामिल होंगे.

झारखंड आंदोलनकारियों को बड़ा तोहफा : राज्य सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए झारखंड आंदोलनकारियों के परिजनों एवं आश्रितों को बड़ा तोहफा दिया है.

- शेष पेज 13 पर

झारखंड आंदोलनकारियों को बड़ा तोहफा

एक आश्रित को नियुक्ति में अलग से 5% और महिलाओं को 5% आरक्षण देगी सरकार

- झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाले की रिपोर्ट विधानसभा में रखी जाएगी
- जेपीएससी नियमावली में संशोधन की मंजूरी

परीक्षा संचालन में आ रही अड़चनें अब होंगी दूर

जेपीएससी परीक्षा आयोजित करने में आ रही दिक्कतों का समाधान करीब-करीब सरकार ने कर लिया है. सरकार ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में नियामावली में संशोधन करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है. अब जेपीएससी एक साथ 11 वीं और 13 वीं जेपीएससी की परीक्षा कंडक्ट करा सकती है. किए गए संशोधन के अनुसार सिविल सेवा की संयुक्त परीक्षा में बैठने की गणना के लिए कट ऑफ डेट अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तरह अब एक अगस्त होगा. दूसरे संशोधन के अनुसार पीटी रिजल्ट में अगर दिव्यांग, महिला और अन्य क्षेत्रीय आरक्षण के हकदार अभ्यार्थी की संख्या नियमानुसार 15 गुणा नहीं हो पाती है. अब उनके मार्क्स को नीचे करने का प्रावधान किया गया है.

चिंताजनक झारखंड में फसल तीव्रता में आई कमी, सब्जी उत्पादन भी घटा

सब्जी-अनाज की कीमत में 10% तक हो सकती है वृद्धि

रवि भारती। रांची

झारखंड में इस साल अनाज और सब्जी के उत्पादन में कमी आई है. इस साल 10 लाख टन कम अनाज उत्पादन की आशंका जताई जा रही है. वहीं सब्जी के उत्पादन में भी कमी आयी है. सब्जी उत्पादन के मामले में झारखंड राष्ट्रीय औसत से पीछे हो गया है.

इस साल झारखंड में 14 टन प्रति हेक्टेयर सब्जी उत्पादन की संभावना जताई है, जबकि राष्ट्रीय औसत 17 टन प्रति हेक्टेयर है. वहीं साथ बने पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में 14.4 टन और छत्तीसगढ़ में 16 टन प्रति हेक्टेयर सब्जी का उत्पादन होता है.

12.25 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में खेती नहीं

झारखंड में 38 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें 25.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर ही खेती है. 12.25 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में खेती नहीं होती है. प्रदेश में फसल तीव्रता भी राष्ट्रीय मानक से कम है. झारखंड में फसल तीव्रता 120 फीसदी है, जबकि राष्ट्रीय मानक 130 फीसदी है.

इस साल 10 लाख टन कम अनाज उत्पादन की संभावना

अनाज के लिए बिहार, छग पर निर्भर रहना होगा

इस साल फिर अनाज के लिए छत्तीसगढ़, पंजाब और बिहार पर निर्भर रहना होगा. सामान्य स्थिति में प्रदेश में 55 लाख टन अनाज का उत्पादन होता है. इस साल 40 लाख टन अनाज उत्पादन की संभावना जताई जा रही है. प्रति टन अनाज की कीमत लगभग 1000 रुपये आती है. इस हिसाब से 125 करोड़ रुपये का अनाज बाहर से मंगाना पड़ सकता है.

खेतों तक पानी नहीं पहुंचना बड़ी वजह

झारखंड सिंचाई के मामले में भी पड़ोसी राज्यों से पिछड़ रहा है। साथ बने राज्य उत्तराखंड में 45 फीसदी से अधिक कृषि भूमि में सिंचाई होती है। जबकि झारखंड में सिर्फ 25 फीसदी कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध है। पठारी क्षेत्र होने के बावजूद उत्तराखंड में दस वर्षीय फसल चक्र व्यवस्था है। पड़ोसी राज्य बिहार में 43.86 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध है.

उत्पादन कम होने के कारण

- 15 जून से 30 सितंबर तक 75 फीसदी से कम बारिश
- नॉर्मल डिफरेंशियल वेजिटेशन (एनडीवीआई) 0.4 प्रतिशत से होना चाहिए कम
- आद्रता 0.4 फीसदी से होना चाहिये कम

किस भूमि पर किसकी खेती

- ढाई से तीन लाख हेक्टेयर : सब्जी की खेती
- एक से डेढ़ लाख हेक्टेयर : फलों की खेती
- 20 हजार हेक्टेयर : काजू की खेती
- 1000 हेक्टेयर : संतरा की खेती
- 4000 हेक्टेयर : फूलों की खेती
- 26 हजार हेक्टेयर : आर्गेनिक फार्मिंग

6 लाख 21 हजार 465 किसानों का हुआ लैंड वेरीफिकेशन

14.28 लाख किसानों ने फसल राहत योजना के लिए किया आवेदन

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार द्वारा झारखंड राज्य फसल राहत योजना के नाम से एक नई योजना की घोषणा की गई है. यह योजना मुख्य रूप से किसी भी प्राकृतिक आपदा और प्राकृतिक दुर्घटनाओं के कारण फसल क्षति की स्थिति में कृषकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा सके.

राज्य में 45 लाख से अधिक किसान निबंधित होने के वाद भी योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन नहीं करते. विगत रवि फसल के लिए योजना में आवेदन किए गये किसानों को भी वर्तमान समय में योजना से लाभ नहीं मिला है. सहकारिता विभाग के पास सांख्यिकी की रिपोर्ट आने के बाद किसानों को योजना का लाभ मिल सकेगा. सांख्यिकी की रिपोर्ट सहकारिता विभाग के पास मार्च में आती है. इसके बाद ही किसानों को राहत मिलने की उम्मीद की जा सकती है. विभाग के अनुसार हलका, सीआई या अंचलाधिकारी के वेरिफिकेशन में आवेदन में कुछ कमी पाई गई, उनका आवेदन रिजेक्ट हुआ है. 31.43 प्रतिशत किसानों ने ही योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है. बताते चलें कि राज्य के लगभग 28 लाख हेक्टेयर जमीन में से 10 लाख हेक्टेयर जमीन खाली रह गयी. वहीं जिन किसानों ने किसी तरह धान और अन्य खरीफ की फसल लगायी.

6517

किसानों के खरीफ के लिए किए गये आवेदन हुए रिजेक्ट

किस जिले के कितने किसानों ने लिया ऋण माफी का लाभ

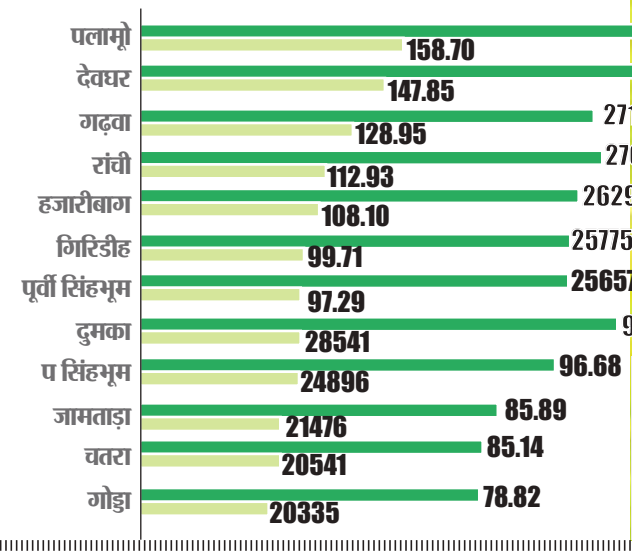

किसानों पर 1700 करोड़ ऋण का बकाया

राज्य सरकार ने अगर एनपीए खाताधारी किसानों का ऋण माफ किया, तो करीब चार लाख किसानों को इसका लाभ मिलेगा. इन पर करीब 1700 करोड़ रुपये ऋण का बकाया है. योजना के तहत किसानों का औसतन करीब 50 हजार रुपये माफ होगा. राज्य सरकार राज्य के एनपीए खाताधारी किसानों को कर्नाटक मॉडल पर ऋण माफ करने की योजना पर बात कर रही है.

ब्रीफ खबरें

उषा मार्टिन के एमडी को हाईकोर्ट से राहत

रांची। मनी लाउंड्रिंग के आरोपी उषा मार्टिन के एमडी राजीव झंवर की अग्रिम जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. इससे पहले 9 अक्टूबर को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट ने राजीव झंवर को राहत नहीं देते हुए उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी. इसके बाद राजीव झंवर ने ईडी कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की.

तत्कालीन इंजीनियर को बेल देने से इंकार

रांची। खूंटी जिला में हुए मनरेगा घोटाला के जरिए अर्जित किए गए पैसों की मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी तत्कालीन इंजीनियर जय किशोर चौधरी को झारखंड हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है. शुक्रवार को ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस सुनने के बाद हाईकोर्ट ने जय किशोर चौधरी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. जय किशोर चौधरी की अग्रिम जमानत अर्जी निचली अदालत खारिज कर चुका है. दरअसल मनरेगा घोटाला मामले में ईडी ने कोर्ट में जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें जय किशोर चौधरी का भी नाम शामिल है.

विधानसभा क्षेत्र में विधि-व्यवस्था का लिया जायजा

रांची। विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है. 15 से 21 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र चलेगा.संसद में हुई घटना को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद है. 1000 से अधिक जवान इसकी सुरक्षा में लगाए गए हैं. आम से लेकर खास तक अभी के जांच के बाद ही विधानसभा में प्रवेश दिया जा रहा है. पूरे परिसर में धारा 144 लगाया गया है. रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा, रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, एसडीओ सदर दीपक दुबे ने विधानसभा के धरना स्थल का मुआयना किया.

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार का तीसरा चरण

मुख्यमंत्री ने 20 दिन में 15 जिलों को दी 4979.22 करोड़ की सौगात

खास बातें

- लाभुकों के बीच 18513 .99 करोड़ की परिसंपत्ति वितरित
- राज्य भर में लगाये गये अबतक 3521 शिविर

सत्य शरण मिश्रा। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के जरिए राज्य के 15 स्थानों में आयोजित कार्यक्रम में जिलों को 4979.22 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी है. इसमें योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास दोनों शामिल हैं. इस दौरान सीएम ने शिविरों में लाभुकों के बीच 18513.99 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का भी वितरण किया है. 24 नवंबर को अपने विधानसभा क्षेत्र बरहेट से सीएम ने इस कार्यक्रम के तीसरे चरण की शुरुआत की थी. उसके बाद पाकुड़, लोहरदगा, सिमडेगा, गढ़वा, पलामू, गिरिडीह, कोडरमा, सरायकेला, पोटका, गोड्डा, देवघर, चास, दुमका और जामताड़ा में उन्होंने सैकड़ों योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया.

644062 आवेदनों पर सरकार ने की कार्रवाई

इस योजना के तहत पूरे राज्य के पंचायतों और नगर निकायों में 3521 शिविर लगाये गये. इन शिविरों में अबतक 3202290 लोगों ने सरकार को आवेदन दिये. इनमें से 644062 आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए उनका निपटारा कर दिया गया, जबकि 2558228 आवेदनों पर कार्रवाई चल रही है. वहीं इन शिविरों में कुल 3746860 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया है, जबकि 382408223 रुपये विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के खाते में डीबीटी के जरिये ट्रांसफर की गई है.

सीएम ने किस जिले को दी कितने की योजनाओं की सौगात

जिला/योजनाएं	राशि
जामताड़ा	
शिलान्यास-उद्घाटन	634 .30 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	182 .12 करोड़
दुमका	
शिलान्यास-उद्घाटन	1035 .10
परिसंपत्ति वितरण	53 .23 करोड़
चास	
शिलान्यास-उद्घाटन	168 .22 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	321 .57
देवघर	
शिलान्यास-उद्घाटन	255 .54 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	7 .97 करोड़
गोड्डा	
शिलान्यास-उद्घाटन	441 .06 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	300 .96 करोड़
पोटका	
शिलान्यास-उद्घाटन	348 .10 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	204 .11 करोड़
खरसावां	
शिलान्यास-उद्घाटन	316 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	244 करोड़
कोडरमा	
शिलान्यास-उद्घाटन	433 .9 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	10 .49 करोड़
गिरिडीह	
शिलान्यास-उद्घाटन	305 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	30 करोड़
पलामू	
शिलान्यास-उद्घाटन	175 .69 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	68 .67 वितरण
गढ़वा	
शिलान्यास-उद्घाटन	211 .36 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	2 .49 करोड़
सिमडेगा	
शिलान्यास-उद्घाटन	155 .78 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	31 .17 करोड़
लोहरदगा	
शिलान्यास-उद्घाटन	133 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	132 करोड़
पाकुड़	
शिलान्यास-उद्घाटन	153 .81 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	126 .94 करोड़
बरहेट	
शिलान्यास-उद्घाटन	212 .91 करोड़
परिसंपत्ति वितरण	298 .27 करोड़

इन योजनाओं के आए सबसे अधिक आवेदन

योजना	कुल आवेदन	आवेदनों का निपटारा
सर्वजन पेंशन योजना	75292	30969
आयुष्मान कार्ड	47658	26676
सीएम पशुधन योजना	74381	10319
राशन कार्ड में सुधार	55128	13735
किशोरी समृद्धि योजना	48737	15949
आधार कार्ड में सुधार	16025	8928
अबुआ आवास योजना	1721041	1721041
आय प्रमाण पत्र	37728	19774
जाति प्रमाण पत्र	54907	25678
जन्म प्रमाण पत्र	21675	6373
धोती-साड़ी-लुंगी वितरण	290049	187048
मनरेगा में नया कार्य	106010	52753
कंबल वितरण	209102	133367

सिख दंगों से जुड़े 167 मामलों की जानकारी जुटा रही रांची पुलिस

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश के बाद रांची पुलिस सिख दंगों से जुड़ी प्राथमिकी की वर्तमान स्थिति की जानकारी जुटाने में लगी है. अदालत ने सोमवार को राज्य सरकार से पूछा था कि सिख दंगों से जुड़े विभिन्न मुकदमों की अद्यतन स्थिति क्या है. वहीं सिख दंगा में पीड़ित कितने परिवारों को मुआवजा दिया गया है. इसके बाद रांची एसएसपी ने रांची सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार को पत्राचार किया है. उन्होंने पूछा है कि सिख दंगे के बाद रांची में दर्ज कुल 167 प्राथमिकी की स्टेटस रिपोर्ट क्या है. दरअसल झारखंड हाईकोर्ट 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने एवं इससे संबंधित क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है. पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने गृह सचिव और डीजीपी को अगली सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हाजिर होने का निर्देश दिया है. इस मामले पर अदालत में 19 दिसंबर को सुनवाई होने वाली है.

CLASSIFIED

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी घोटालेबाज राइस मिल संचालकों पर नहीं होती कार्रवाई

गबन करने वालों पर भी नहीं होती ठोस कार्रवाई

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में हर साल एक दर्जन राइस मिल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई होती है. थानों में राइस मिल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होता है. एफआईआर में चावल की हेराफेरी करने, करोड़ों गमन करने सहित कई गंभीर आरोप होते हैं. संचालकों से करोड़ों की वसूली करनी होती है. मगर पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच के नाम पर राइस मिल संचालकों को राहत दे देती है.

झारखंड में 80 राइस मिल संचालित हो रहे हैं. राज्य सरकार की 14 राइस मिलों का संचालन भी जल्द शुरू हो जाएगा. पिछले पांच साल में 23 राइस मिल संचालकों के खिलाफ प्रदेशभर के विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज हुए. जिनपर तकरीबन 110 करोड़ रुपये से ज्यादा के गबन का आरोप है. मिलरों से राशि वसूली होनी है. झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड द्वारा थानों में एफआईआर दर्ज कराने के साथ-साथ राइस मिल संचालकों से गबन की राशि वसूलने की भी बात कही गई है. मगर पुलिस एफआईआर दर्ज करने के बाद करोड़ों गबन करने वाले राइस मिल संचालकों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करती है. जांच के नाम पर मामले को लंबित रखा जाता है.

वर्षों से राइस मिलों पर करोड़ों बकाया

प्रदेश की 48 राइस मिलों पर सरकार के करोड़ों रुपये बकाया है. इन राइस मिलरों को कई नोटिस भेजे गए. प्राथमिकी कराई गई. मगर राइस मिल संचालकों से राशि की वसूली नहीं हो सकी. संकट मोचन राइस मिल, मेसर्स आदित्या राइस मिल, गणपति राइस मिल, लक्की राइस मिल, कामाख्या राइस मिल, तृप्ति राइस मिल, रश्मि राइस मिल, मां देवड़ी राइस मिल, देवघर मिल, चौधरी राइस मिल पर ज्यादा पैसे बकाया हैं. जामताड़ा, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गिरीडीह, सरायकेला, लोहरदगा सहित अन्य जिलों के कई राइस मिलों ने बकाया राशि सरकार को नहीं लौटाई है.

2023 में दर्ज किए गए मामले

1. 2 जनवरी को हजारीबाग के मुफस्सिल थाना में मेसर्स हजारीबाग राइस मिल संचालक विजय सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ. संचालक पर 24 .33 करोड़ के चावल गायब करने और 76874 .07 क्विंटल चावल की कालाबाजारी करने का आरोप है. एफआईआर दर्ज कराते समय विजय सिंह से 24 .33 करोड़ रुपये वसूली करने की बात कही गई है. इस मामले में अबतक कोई कार्रवाई नहीं हुई. पुलिस एक वर्ष से जांच कर रही है. 2. 25 अगस्त को पलामू जिले के मेदिनीनगर शहर थाना में दो राइस मिल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई, जिसमें बिहार रोहतास (हरनाथपुर) के जय बजरंग एग्रो फार्म प्राइवेट लिमिटेड के रामचंद्र सिंह और सासाराम के मेसर्स सिंघानिया एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के संचालक राजेश प्रसाद आरोपी बनाया गया है. सिंघानिया राइस मिल पर 2 .46 करोड़ और जय बजरंग एग्रो प्राइवेट लिमिटेड को 3 .30 करोड़ रुपये जमा करने थे. मिलर द्वारा राशि जमा नहीं करने पर सर्टिफिकेट केस भी हुआ. कई बार सुनवाई होने के बाद भी दोनों राइस मिल ने पैसा जमा नहीं किया.

2022 में दर्ज किए गए मामले

17 नवंबर को पलामू में 10 राइस मिल के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश हुआ. इसमें अदिति देव मिल प्राइवेट लिमिटेड, गुप्ताजी ब्रदर्स राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड, हनुमानजी मॉडर्न राइस मिल, हरिओम राइस मिल, जय बजरंग एग्रो फार्म प्राइवेट लिमिटेड, पशुपति राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड, श्रीहनुमानजी मॉडर्न राइस मिल नोखा, श्रीभगवानजी मॉडर्न राइस मिल, सिंघानिया एग्रो व ठाकुरजी राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड. इन राइस मिल संचालकों पर आरोप है कि एक साल बाद भी मात्र 61 .49 प्रतिशत ही चावल की आपूर्ति एफसीआई को की. जो चावल उपलब्ध नहीं कराए गए, उनके मूल्य करोड़ों में थे. पैक्स व मिल संचालकों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये की धान की हेराफेरी की गई, मगर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शनिवार, 16 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 238 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ब्रीफ खबरें

हत्या के इरादे से आये दो बदमाश गिरफ्तार

रांची। संजीत मिश्रा नाम के व्यक्ति की हत्या करने से पहले रांची पुलिस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. एसएसपी को मिली गुप्त सूचना पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को अरगोड़ा थाना क्षेत्र के इमली चौक के पास से हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. जिनके पास से एक पिस्तौल और जिंदा गोली भी बरामद किया गया. गिरफ्तार अपराधियों में ठाकुर धर्मेंद्र सिंह और रविन्द्र सिंह शामिल हैं. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इमली चौक के जनता फ्लैट के पास संजीत मिश्रा की हत्या की नीयत से दो अपराधी हथियार के साथ पहुंचे हैं, और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया जा रहा है. इसके बाद पुलिस ने खदेड़ कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया.

वेतन भुगतान के लिए 5 करोड़ 27 लाख आवंटित

रांची। चतरा जिला में स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करने वाले विभिन्न श्रेणी के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को वेतन की भुगतान के लिए 5 करोड़ 27 लाख का आवंटन किया गया है. स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने आवंटन राशि निर्गत किया है. राशि की निकासी और व्ययन पदाधिकारी चतरा जिले के सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद होंगे. जिले के कोषागार से राशि के निकासी की जाएगी. वहीं राशि की नियंत्री पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव खुद होंगे.

टाटानगर स्टेशन से नौ माह की बच्ची की चोरी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के टाटानगर स्टेशन के पास से नौ माह की बच्ची चोरी हो गई. घटना गुरुवार देर रात की है. बच्ची के चोरी होने की सूचना शुक्रवार को बागबेड़ा पुलिस को दी गई. सूचना पाकर पुलिस ने बच्चा चोर की तलाश शुरू कर दी है. पुलिस स्टेशन के आस–पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. बच्ची की मां का कोई ठिकाना नहीं है. वह स्टेशन के आस-पास भीख मांगकर अपना गुजारा करती है. मामले को लेकर थाना में लिखित शिकायत नहीं की गयी है. 3 सितंबर 2022 को स्टेशन के पास भी एक खानाबदोश महिला के 7 माह के बच्चे की चोरी कर ली गई थी.

अभियंता नियुक्ति के लिए 21 तक करें आवेदन

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान(रिम्स) में विभिन्न श्रेणी के अभियंताओं के लिए चार पदों पर होने वाली नियुक्ति के आवेदन की तिथि बढ़ा दी गयी है. एक साल के लिए या सेवा विस्तर होने तक अनुबंध पर चयनित अभियंताओं की सेवा ली जाएगी. इनमें एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (सिविल) के एक पद, जबकि असिस्टेंट इंजीनियर(इलेक्ट्रिकल) के एक पद जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) के एक पद और जूनियर इंजीनियर(सिविल) के एक पद पर 12 दिसंबर तक आवेदन मांगा गया था. आवेदन की अंतिम तिथि 21 दिसंबर है.

डीआरसीएचओ डॉ शशि भूषण खलखो का निधन

रांची। जिले में लंबे समय तक प्रतिरक्षण पदाधिकारी के रूप में

अपनी सेवा देने वाले डॉ शशीभूषण खलखो का शुक्रवार को रिम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया. दो दिन पूर्व पेट में दर्द होने के बाद उन्हें रिम्स में भर्ती कराया था. जांच के बाद उनके गॉलब्लाडर में पथरी मिली थी. उनके निधन की सूचना से सभी लोग स्तब्ध हैं. डॉ शशिभूषण का ट्रांसफर रामगढ़ डीआरसीएचओ के पद पर किया गया था. उनके निधन के बाद सदर अस्पताल में शोक सभा का आयोजन किया गया.

जुर्माना देंगे तीन करोड़, नहीं पहनेंगे हेलमेट...

- यातायात विभाग ने नियम तोड़ने वाले 22,229 वाहनों को पकड़ा
- 2,92,42,850 का जुर्माना वसूला, अभी और बढ़ेगा आंकड़ा

राम मूर्ति पाठक। धनबाद

धनबाद में यातायात नियमों को तोड़ने वालों की कमी नहीं है. विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 2023 के 11 महीने में 22 हजार 2 सौ 29 गाड़ियों को नियमों को तोड़ने के आरोप में पकड़ा गया. इन वाहन चालकों से नवंबर माह तक ही 2 करोड़ 92 लाख 42 हजार 850 रुपये का जुर्माना वसूला गया. दिसंबर माह विभाग और भी सख्ती से सड़क पर पसीना बहा रही है. सरकारी खजाने में और बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि जगह-जगह वाहनों की जांच हो रही है, चालान काटे जा रहे हैं और जुर्माना वसूला जा रहा है.

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था का बुरा हाल है. वाहन चालक हर दिन ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं, मगर नियम टूटने और जुर्माना वसूली के बाद भी इनमे सुधार नहीं है. सबसे अधिक वसूली हेलमेट नहीं पहनने वालों से हुई है. इसके बाद सीट बेल्ट, ट्रिपल लोड जैसे मामलों को लेकर जुर्माना वसूली हुआ. हेलमेट नहीं पहनने हर साल दर्जनों लोगों की जान जाती है. पुलिस के सामने चालक नियम तोड़ते हैं. ऐसे में सिर्फ वाहन चालकों से जुर्माना वसूल करना लक्ष्य न होकर लोगों को नियम का पालन कराना उद्देश्य होना चाहिए.

आंकड़ा जनवरी से लेकर नवंबर तक

जनवरी	गाड़ी- 1261	जुर्माना - 2090600
फरवरी	गाड़ी -2199	जुर्माना- 3405350
मार्च	गाड़ी- 1584	जुर्माना -2485900
अप्रैल	गाड़ी- 1690	जुर्माना- 2704400
मई	गाड़ी -1614	जुर्माना- 2862750
जून	गाड़ी- 2893	जुर्माना- 2860000
जुलाई	गाड़ी -2912	जुर्माना -2812450
अगस्त	गाड़ी- 2027	जुर्माना- 2493850
सितंबर	गाड़ी- 2413	जुर्माना- 2852450
अक्टूबर	गाड़ी- 1452	जुर्माना- 1770550
नवंबर	गाड़ी -2184	जुर्माना- 2904550

कुल गाड़ी 22,229 /कुल जुर्माना 2,92, 42,850

ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन ने लिखा गृह मंत्रालय को पत्र

रेल थाने होंगे बंद आरपीएफ के हवाले कमान

संवाददाता। धनबाद

धनबाद समेत देशभर के 74 रेल मंडलों में आनेवाले समय में सभी रेल थाने बंद हो जाएंगे. विधि-व्यवस्था की कमान आरपीएफ के हवाले होगी. इस संबंध में ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा गया है कि रेलवे में एक ही सुरक्षा एजेंसी रहे, ताकि क्राइम होने पर दोनों एजेंसी के पदाधिकारी एक-दूसरे पर फेंका-फेंकी न करें. किसी ट्रेन में आरपीएफ की एस्कॉर्ट पार्टी रहते हैं और उसमें कोई आपराधिक घटनाएं होती हैं, तो जीआरपी का आरोप रहता है कि जब आरपीएफ के पदाधिकारी व जवान ट्रेन में थे, तो वे क्यों एफआईआर करेंगे, कैसे अपराधियों की पहचान करेंगे. घटना होने के बाद एस्कॉर्ट पार्टी के पदाधिकारी व जवान अनुसंधान में मदद भी नहीं करते हैं. जब तक रेलवे में दो एजेंसी रहेगी, यह दिक्कत होता रहेगा. इसको लेकर रेलवे के यूनियन मंडल, जोनल और केंद्रीय स्तर पर बैठक कर चर्चा कर चुके हैं. कई बार ऐसा होता है कि जीआरपी ही आरोप लगा देते हैं कि आरपीएफ के पदाधिकारियों-जवानों ने ही क्राइम कराया है. अपराधियों से मिले हुए हैं. फेडरेशन की ओर से दिए गए लिखित पत्र पर गृह मंत्रालय स्तर पर मंथन हो रहा है. रेलवे मुख्यालय में उच्च स्तरीय बैठक होगी. अंतिम बैठक पर लिए गए फैसले की विस्तृत रिपोर्ट की फाइल पीएमओ के पास भेजा जाएगा. उसके बाद हरी झंडी मिलते ही देशभर के सभी रेल थाने बंद हो जाएंगे.

धनबाद रेल जिला पुलिस क्षेत्र में हैं 21 रेल थाने

धनबाद रेल जिला पुलिस क्षेत्र में 21 रेल थाने हैं, जिसमें धनबाद समेत गोमो, कोडरमा, चंद्रपुरा, गोमिया, बरकाकाना, डालटनगंज, गढ़वा रोड, जसीडीह, साहिबगंज, पाथरडीह, भागा, जामताड़ा, चितरंजन, बड़हरवा आदि हैं. अधिकारियों व पुलिसकर्मियों की संख्या लगभग पांच सौ के आसपास है, जिसपर हर माह वेतन समेत अन्य मद में पांच करोड़ रुपये खर्च होते हैं. रेल थाना बंद होने और अधिकारियों व कर्मियों के जिला बल शिफ्ट होने से सरकारी फंड में करोड़ों की बचत होगी.

मुख्यालय से हरी झंडी मिलते ही जिला बल में शिफ्ट होंगे जीआरपी

सीआरपीसी-आईपीसी समेत अनुसंधान-सुपरविजन की मिलेगी ट्रेनिंग

सूत्रों के अनुसार रेलवे संपत्ति की चोरी के अलावा यात्रियों, रेलकर्मियों व अधिकारियों के साथ आपराधिक घटनाएं होने पर आरपीएफ को ही एफआईआर कर अनुसंधान करना होगा. सीआरपी-आईपीसी का अधिकार आरपीएफ को ही मिलेगा. बकायदा इसके लिए आरपीएफ के अधिकारियों व जवानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि एफआईआर कर अनुसंधान, सुपरविजन करने व चार्जशीट सौंपने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो. रेलवे संपत्ति, यात्रियों, रेलकर्मियों व अधिकारियों की सुरक्षा का जिम्मा वर्तमान समय में आरपीएफ-जीआरपी दोनों के पास है, लेकिन क्राइम होने पर दोनों सुरक्षा एजेंसी एक-दूसरे पर फेंका-फेंकी करते हैं. इसको लेकर कई बार विवाद हो जाता है और इसका खामियाजा यात्रियों के साथ-साथ रेलवे अधिकारियों को भी भुगतना पड़ता है.

प्रिंस खान के धमकी भरे कॉल फिर शुरू

बड़े कारोबारियों के साथ छोटे व्यवसायी भी टारगेट पर

- सैलून चलाने वाले नाई से भी प्रिंस ने मांगी रंगदारी

संवाददाता। धनबाद

बड़े कारोबारियों के साथ अब छोटे-छोटे कारोबार करने वालों से भी कुख्यात भगोड़े अपराधी प्रिंस खान ने रंगदारी मांगनी शुरू कर दी है. वासेपुर बाई पास रोड के सैलून वाले को प्रिंस खान ने फोन कर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी है. रंगदारी न देने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी भी दी है. वहीं भुक्तभोगी ने अब तक इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की है. एक तरफ धनबाद के लिए गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या की गुत्थी सुलझाना चैलेंज बना हुआ है. दूसरी तरफ प्रिंस खान ने जिले के कारोबारियों से रंगदारी मांगना पूर्व की तरह जारी रखा है. प्रिंस को पकड़ना धनबाद पुलिस के लिए टेड़ी खीर बना हुआ है. दो दिनों में प्रिंस ने आधा दर्जन कारोबारियों को फोन या मैसेज कर रंगदारी मांगी है. दो साल से प्रिंस खान पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है.

बॉस का फोन है, बात करो...

एक तरफ जहां प्रिंस खुद कारोबारियों को रंगदारी के लिए धमकी भरा फोन या मैसेज कर रहा है, अपने गुर्गे मेजर द्वारा फोन और मैसेज करवा रहा है. वहीं दूसरी तरफ वासेपुर के कारोबारियों के पास प्रिंस के आदमी फोन पर उससे बात कराते हैं. मालूम हो कि वासेपुर के एक अगरबत्ती कारोबारी के पास प्रिंस का एक आदमी जाकर कहता है कि बॉस का फोन है, लो बात करो. यह कहकर फोन कारोबारी को देता है. दूसरी तरफ से फोन करने वाला अपना नाम प्रिंस खान बता कर उससे 10 लाख रुपये की रंगदारी की मांग करता है. इसी प्रकार वासेपुर के एक अन्य दुकानदार से भी फोन पर रंगदारी मांगी गई है. वहीं बैंक मोड़ व सरायढेला क्षेत्र के भी कई कारोबारियों से प्रिंस खान द्वारा रंगदारी मांगने की बात सामने आ रही है.

प्रिंस के गुर्गे मेजर ने मांगी 30 लाख की रंगदारी

एक तरफ प्रिंस खान खुद फोन कर रंगदारी के लिए धमकी दे रहा है तो वहीं दूसरी तरफ उसका गुर्गा मेजर भी कारोबारियों को धमकी दे रहा है. सरायढेला क्षेत्र के एक मिठाई दुकानदार से मेजर के नाम पर फोन कर 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है. मिठाई दुकानदार ने भी पुलिस से इसकी शिकायत नहीं कि है. दुकानदार का कहना है कि उसकी दुकान काफी छोटी है, इसके बावजूद उससे रंगदारी की मांग क्यों की गयी. मेजर का फोन आने के बाद से दुकानदार दहशत में है.

जमशेदपुरः आइसक्रीम पार्लर में लगी आग

संवाददाता। जमशेदपुर

मानगो जवाहरनगर रोड नंबर 6 के समीप अल सैफ आइसक्रीम पार्लर में शुक्रवार की अहले सुबह आग लग गयी. सूचना पाकर झारखंड अग्निशमन विभाग की एक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. अल सैफ आइसक्रीम पार्लर में पहले भी कई बार चोरी की घटनाएं घट चुकी हैं, मगर इस बार आग लग जाने से दुकानदार को काफी नुकसान हुआ है. कुछ लोगों ने दुकान से धुआं निकलता देखा, जिसके बाद इसकी जानकारी दुकानदार शकील अहमद को दी. वे भागते हुए मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी. शकील अहमद जब तक कुछ कर पाते तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था. दुकान मालिक शकील ने बताया कि सुबह फोन के माध्यम से आग लगने की जानकारी उन्हें मिली. दुकान पहुंचने पर देखा कि उनकी दुकान में रखा सारा सामान बुरी तरह से जल चुका है. आग कैसे लगी उन्हें इसकी जानकारी नहीं है. अगलगी की इस घटना में दुकानदार को लगभग 40 से 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है.

लाखों के नुकसान का अंदेशा

- अगलगी की इस घटना में दुकानदार को लगभग 40 से 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है

कॉलेज में चमकाया कट्टा, मची अफरा-तफरी

संवाददाता। निरसा/मैथन

- छात्राओं व कर्मियों में डर, तस्वीर सीसीटीवी में कैद

एसएचएमएस इंटर कॉलेज में शुक्रवार को दो युवकों द्वारा कट्टा चमकाये जाने के बाद कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गयी. छात्रों ने हो-हल्ला शुरू किया. छात्रों की भीड़ देख दोनों भाग निकले. उनकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी. दोनों युवक बिना नंबर की पल्सर बाइक से पहुंचे और कॉलेज छात्रों को धमकाने लगे. हो-हल्ला सुनकर छात्रों की भीड़ जुटने लगी. भीड़ देखकर दोनों युवक भाग गए. कॉलेज के प्रभारी प्रो दीपक कुमार सिंह ने मामले की जानकारी चिरकुंडा पुलिस को दी. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी. इधर छात्रों का कहना है कि 12वीं का फॉर्म भराजा रहा था. इसी क्रम में दोनों युवकआए धमकी देने लगे. दोनों युवक पूरे नशे में लग रहे थे. सभी छात्र डर गए और हो-हल्ला शुरू हो गया. इस संबंध में चिरकुंडा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मामले की सूचना पर घटना के संबंध में जांच पड़ताल की जा रही है.

अजय कुमार को कैबिनेट सचिव का अतिरिक्त प्रभार

रांची। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल शनिवार 16 दिसंबर से 28 दिसंबर तक अवकाश पर रहेंगी. ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को कैबिनेट सचिव (मंत्रिमंडल सचिवालय) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. अजय सिंह के पास वित्त विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार है. कार्मिक विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. .

शुभम संदेश विशेष परचम चांद पर, 6 जी की टेस्टिंग कर रहा देश और नेटवर्क से 1 किमी दूर गांव में फोन कॉल और इंटरनेट भविष्य की बात

यह है गंगापुर, मोबाइल कंपनियों की नजरों से है दूर

राम पांडेय/कुमार बलराम। राजगंज (धनबाद)

देश का परचम आज चांद पर लहरा रहा है. दुनिया हमारी तकनीक का लोहा मान रही है, डिजिटल इंडिया का दंभ भरते सरकार नहीं थकती...लेकिन धनबाद मुख्यालय से महज 20-22 किलोमीटर की दूरी पर ऐसा गांव आज भी है, जहां मोबाइल से बात करना आज भी भविष्य की बात है. यहां किसी भी दूरसंचार कंपनी का नेटवर्क नहीं है. आज के दौर में जब भारत 6 जी की टेस्टिंग के अंतिम चरण में पहुंच चुका है. हर तरफ नेटवर्क का जाल बिछा हुआ है. शहर ही नहीं गांव-गांव तक ब्रॉडबैंड का कनेक्शन पहुंचाया जा रहा है. इसके बावजूद आज भी गांव में मोबाइल नेटवर्क की कनेक्टिविटी नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान हैं. सोशल मीडिया के इस दौर में मोबाइल नेटवर्क के अभाव में शासन की ऑनलाइन योजनाओं और सुविधाओं का लाभ भी ग्रामीण नहीं उठा पा रहे. शायद यह कहना गलत नहीं होगा कि आज भी मोबाइल कंपनियों की नजरों से धनबाद के राजगंज के सुदूर ग्रामीण व नक्सल प्रभावित क्षेत्र गंगापुर दूर हैं. यहां के लोगों को फोन में बात करने के लिए करीब एक किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है.

'अगर नेटवर्क रहता तो बच्चों की पढ़ाई अच्छे से हो पाती'

ग्रामीण ज्योति लाल टुडू बताते हैं कि हमसब को किसी को फोन करने के लिए 1.5 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, पूरी बस्ती में एक ही जगह पर नेटवर्क मिलता है, वो भी 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर गांव के पूरा ग्रामीण वहीं जाकर फोन करते हैं, तब जाकर फोन से बातचीत हो पाती है. वहीं संतदेवनी कुमारी बताती है कि नेटवर्क नहीं मिलने से बच्चों की पढ़ाई व सरकार की योजनाओं का लाभ के बारे में पता ही नहीं चलता है. नेटवर्क अगर रहता तो बच्चों की पढ़ाई अच्छे से हो पाती. वहीं गांव के बुजुर्ग ज्योति लाल टुडू बताते हैं कि अगर किसी से फोन में बात करनी होती है तो 1.5 किलो मीटर दूर जाना होता है. बूढ़े हो जाने से दूर जाने में कठिनाई होती है. घर से फोन नही लगता है.

किन-किन सुविधाओं से वंचित हैं ग्रामीण

- **मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी :** सबसे ज्यादा दिक्कत बीमार और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस बुलाने में आती है. ग्रामीणों चेतलाल मरांडी का कहना है कि अगर ऐसे हालात रहे तो डिजिटल इंडिया का सपना कैसे पूरा होगा. क्षेत्र के ग्रामीणों को 2 किलोमीटर दूर मे सारे मोबाइल नेटवर्क कनेक्शन मिलता है, लेकिन गांव में मोबाइल नेटवर्क से परेशानी का सामना करना पड़ता है. कभी नेटवर्क आ जाता है तो कभी बिल्कुल नेटवर्क नहीं मिलता है.
- **नहीं मिलता ओटीपी मैसेज, ग्राहक परेशान :** केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं में मिलने वाली सब्सिडी से लेकर समर्थन मूल्य पर बेची जाने वाली उपज आदि की जानकारी के लिए मोबाइल पर ओटीपी और मैसेज आते हैं. क्षेत्र में नेटवर्क नहीं मिलने से ग्रामीणों को परेशानी होती है. एक ओर जहां सरकार ऑनलाइन प्रक्रिया को बढ़ावा दे रही है, वहीं मोबाइल मे नेटवर्क ही नहीं मिल पा रहा है, तो जानकारी कैसे मिलेगी.
- **परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने में परेशानी :** विभिन्न परीक्षाओं और योजनाओं की प्रक्रिया ऑनलाइन हो चुकी है. गंगापुर के लोगो को नेटवर्क नहीं मिलने से नेट नहीं चलने से कोई भी फॉर्म भरने में दिक्कत का सामना करना पड़ता हैं. ऐसे में ऑनलाइन बैंकिंग, बिजली के बिल जमा करने सहित अन्य जरूरी कार्य नहीं हो पाते हैं.

ब्रीफ खबरें

राजद के पंचायत अध्यक्ष बने शिवलाल यादव

हंटरगंज (चतरा) । प्रखंड के चकला पंचायत में राष्ट्रीय जनता दल की एक बैठक हुई. बैठक में रघु यादव मुकेश, कुमार यादव, शिव लाल यादव, सुनील यादव, सुधा यादव, अनिल यादव, करू यादव, रामसेवक यादव, जोगिंदर यादव, विकास कुमार यादव, विजय यादव, प्रमोद यादव, दीपू कुमार यादव, कंचन कुमार यादव, संजीत यादव, अनिल कुमार यादव, बैजनाथ गंझू, कृष्ण यादव, मेघन यादव, सूरज देव यादव, विजय यादव, उदय गंझू, मुकेश कुमार लट्टू यादव, गोपाल यादव, करीब सैकड़ो लोगों ने उपस्थित हुए. सभी लोग आपस में निर्णय लिए की राजद का पंचायत अध्यक्ष के रूप में शिवलाल को मनोनीत किया.

डाककर्मियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

हंटरगंज (चतरा)। अखिल भारतीय डाक सेवा संघ के द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम से पूर्व सभी डाककर्मी कई मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए. वहीं जीडीपीएस परमानेंट करो तथा जीडीएस रूल रद्द करने की मांग को लेकर रैली निकाली गयी. साथ में प्रत्येक दिन 8 घंटे काम करने की मांग की गई. रैली की शक्ल में पोस्ट ऑफिस से शुरू होकर पूरा बाजार भ्रमण करते हुए पुराना पोस्ट ऑफिस थाना मोड़ के समीप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री एवं दूरसंचार मंत्री का पुतला दहन किया गया तथा नारेबाजी की गई.

कृषि विभाग ने किसानों को दी तकनीकी जानकारी

चतरा । जिले के किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी देने के लिए कृषि विभाग प्रशिक्षण दे रही है. शुक्रवार को सिंगल विंडो सेंटर पत्थलगडा में एकदिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. किसानों को रब्बी फसलों की बुआई और आधुनिक खेती की जानकारी दी गई. कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी एवं तकनीकी रूप से फसलों में लगने वाले रोग के बारे में विस्तृत जानकारी कृषकों को दी गई. जिसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कृषि ऋण माफी योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, ब्लॉक चैन टेक्नोलॉजी से किसान का रजिस्ट्रेशन, केसीसी, जैविक खेती के बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई.

बीडीओ ने की समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

पत्थलगडा (चतरा) । बीडीओ ने प्रखंड कार्यालय सभागार में सरकार आपके द्वारा और विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को लेकर समीक्षा बैठक की. बैठक में सभी विभागों के कर्मी व पदाधिकारी भाग लिए. शुक्रवार को आयोजित एकदिवसीय बैठक में पंचायतवार कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया. बीडीओ मोनी कुमारी ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार में प्राप्त आवेदन की समीक्षा की गई एवं आवेदनों के निष्पादन हेतु लोगों को निर्देश दिया गया. साथ ही प्रखंड में होने वाले विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन को लेकर सभी विभाग के साथ चर्चा की गई.

चतरा के जोगीडीह पंचायत में लगा शिविर

चतरा । जिले के प्रतापपुर प्रखंड के जोगीडीह पंचायत, चतरा प्रखंड के सीमा पंचायत, लावालौंग प्रखंड के कटिया पंचायत, सिमरिया प्रखंड के बानासाड़ी पंचायत, टण्डवा प्रखंड के राहम पंचायत, इटखोरी प्रखंड के परसौनी पंचायत, मयूरहंड प्रखंड के बेलखोरी पंचायत, नगर परिषद चतरा दिवानखाना स्कूल चतरा वार्ड संख्या 12 एवं 16 में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. शिविर में फूलो झानों आशीर्वाद अभियान, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण योजना का लाभ दिया गया.

डीसी के निर्देश पर मेसर्स वनांचल रेस्टोरेंट और मेसर्स होटल ग्रीन पार्क में निरीक्षण किया गया

खाद्य पदाधिकारी ने कई प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी चंद्र प्रकाश गुग्गी ने हजारीबाग शहरी क्षेत्र के कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया. दरअसल शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल, भंडारण व बिक्री की लगातार सूचना मिल रही थी. इसी पर डीसी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी चंद्र प्रकाश गुग्गी ने मेसर्स वनांचल रेस्टोरेंट, मेसर्स होटल ग्रीन पार्क, मेसर्स क्लासिक साल्ट, मेसर्स होटल मीत मिलन, मेसर्स होटल गीतांजलि पैराडाइज, मेसर्स वृंदावनम, मेसर्स मनोकामना रेस्टोरेंट और लॉज का

निरीक्षण किया.

इस मौके पर पनीर का सर्विलांस सैंपलिंग किया गया. इसके अलावा मैसर्स बॉम्बे बेकरी, मैसर्स न्यू फ्रंटियर बेकरी, मैसर्स भारत बेकरी और वेजिटेबल्स मार्केट की अलग-अलग दुकानों से मिलावटी पनीर जब्त कर तत्काल नष्ट किया गया. इस मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने खुले में पिसे हुए मसालों की बिक्री नहीं करने का निर्देश दिया. इस अवसर पर लोगों से भी अपील की गई कि किसी भी उत्पाद को खरीदते समय, विनिर्माण तिथि, समाप्ति तिथि, निर्माता का पता और एफएसएसएआई लोगो और लाइसेंस नंबर जरूर देखें. साथ ही खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने रेस्टोरेंट संचालकों को जल परीक्षण रिपोर्ट, कीट नियंत्रण कार्यक्रम एग्रीमेंट, रसोई की साफ सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है. किसी भी प्रकार के मिलावटखोरी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

दिए निर्देश

- कई दुकानों से मिलावटी पनीर जब्त किया गया
- पदाधिकारी ने पिसे मसालों की बिक्री नहीं करने को कहा
- सुरक्षा मानकों को लेकर अभियान चलाया जा रहा है

गरीबों का सहयोग करना है मकसद : किशोरी राणा

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के कटकमसांडी प्रखंड में नव झारखंड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा ने दर्जनों गांव में गरीब असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया . इस दौरान राणा ने कहा कि हमारे संस्था नव झारखंड फाउंडेशन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कंबल वितरण कर रही है. आगे भी करती रहेगी. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दिए गए कंबल काफी लोगों तक नहीं पहुंच पाता है. जिससे गरीब लोग वंचित रह जाते हैं. बेबस लोगों के बीच कंबल का वितरण करना हमारा मुख्य उद्देश्य है, ताकि लोगों को इस कप कपाती ठंढ से लोगों को राहत मिल सके. उन्होंने कहा कि फाउंडेशन पिछले दस वर्षो से गरीब लोगों के प्रति सजग है और आगे भी रहेगी. साथ में शिवम पाण्डेय, रंजन सिंह, सतीश पाण्डेय आदि ग्रामीणों का भी योगदान रहा.

घर नहीं रहने के कारण बीवी बच्चों को लेकर मायके चली गयी थी

6 साल से शौचालय में रह रहे हैं दारू के सहदेव राम

सुमन सिन्हा । दारू

गरीबी मजबूरी और लाचारी क्या होती है, अगर जानना है तो सहदेव राम से पूछिए जो आवास के अभाव में अपना सिर शौचालय में छुपा रहा है. सुनने में तो अजीब जरूर लग रहा है लेकिन यह सच्चाई है. दरअसल हजारीबाग जिला मुख्यालय से महज 20 किलोमीटर दूर दारू प्रखंड के मेडकुरी पंचायत के जमुवा में सहदेव राम स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने शौचालय में पिछले 6 सालों से रह रहा है. सिस्टम को इस बात का जानकारी भी नहीं. ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को हजारीबाग जिले में सरकार नहीं किया जा रहा है. ना ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अबुआ आवास योजना बनाया है. उसका भी लाभ नहीं मिल रहा है. एक ओर इन दिनों आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाया जा रहा है. ताकि कोई भी वैसा लाभुक नहीं छूटे जो योजना का हकदार है.

वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार विकसित भारत संकल्प यात्रा निकली हुई है. जिसमें केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है. लेकिन यह सिस्टम की ही बेरुखी है कि सहदेव राम शौचालय में रहने को विवश है.

बहुत जल्द उसे आवास दिया जाएगा: बीडीओ

बीडीओ मनीष कुमार ने बताया कि इस मामले की जानकारी उन्हें मिली है. वह कुछ माह पहले ही दारू में बीडीओ का प्रभार संभाले हैं. इस बारे में वह जानकारी प्राप्त कर रहे हैं. वरीय अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा भी किए हैं. बहुत जल्द उसे आवास दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि वह बाहर का रहने वाला है. वर्तमान में दारू प्रखंड के मेडकुरी पंचायत के जमुवा में रह रहा है. इस कारण उसका नाम लिस्ट में नहीं आ पाया है. उसे हर संभव मदद कर आवास की सुविधा दी जाएगी. इसके लिए प्रयास भी किया जा रहा है.

शौचालय में ही उसका रसोई घर भी है साथ ही एक चादर बिछा कर वह यहीं पर अपनी रातें भी गुजारता है. किस्मत, गरीबी और बेबसी का मारा जमुवा निवासी सहदेव राम पिता स्वर्गीय दहन राम अपनी किस्मत को कोसते हुए अपनी बेबसी बताते हैं कि उसका मिट्टी का घर था. जिसमें अपनी बीबी बच्चों के साथ वह मेहनत मजदूरी करके हंसी ख़ुशी रह रहा था. पर मिट्टी का घर जर्जर होने के बाद गिर गया. जिस कारण उसके परिवार को रहने में परेशानी होने लगी. यहां रहने का कोइ और साधन नहीं होने के कारण उसकी पत्नी एवं बच्चों को लेकर अपने मायके ढाढा देवकुली इचाक चली गई. तब से वह इसी शौचालय में रह रहा है.

कहा कि आवास के लिए दारू प्रखंड मुख्यालय के दर्जनों चक्कर लगाए. मुखिया से मिला, ग्रामीणों से मदद मांगा पर उसे मदद नहीं मिला. बीवी बच्चों से दूर होकर उसे बहुत ही अकेलापन महसूस होता है. पर घर नहीं रहने के कारण अब अपनी बीवी बच्चों से दूर है. यदि उसे आवास मिल जाएगा तो उसके बीवी बच्चे उसके पास वापस आ जाएंगे. पूर्व मुखिया कामेश्वर प्रसाद ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने का वादा किया था पर उसका कार्यकाल खत्म हो गया. लेकिन उसे आवास नहीं मिला. वर्तमान मुखिया भोला तुरी ने कहा है कि उनके कार्य में ऐसा नहीं हुआ है. उसका आवास स्वीकृत हो गया है. उसे जल्द से जल्द मिल जायेगा. सहदेव राम शौचालय में अपना स्वयं कमरा और रसोई घर बनाए हुए है. जिसमें टीन का एक टूटा फूटा दरवाजा लगा हुआ है. जिसमें चारों तरफ से हवा आती है.

सुने सरकार

- दारू प्रखंड के जमुवा में है सहदेव राम का घर
- शौचालय में ही उनका रसोई घर भी बना है
- एक चादर बिछा कर वह वहीं पर सो जाते हैं

महुआ शराब भट्ठी को किया ध्वस्त

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड मुख्यालय से 25 किमी दूर भगहर पंचायत में विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से संचालित महुआ शराब भट्ठी पर उत्पाद विभाग द्वारा कार्रवाई की गई.

इस संबंध में जानकारी देते हुए उत्पाद विभाग के एसआई प्रदीप करमाली ने बताया कि सहायक आयुक्त उत्पाद हज़ारीबाग़ के निर्देश पर उत्पाद हज़ारीबाग की टीम (सभी अंचल अवर निरीक्षक उत्पाद), बिहार उत्पाद (गया जिला टीम) एवं वन विभाग चौपारण के साथ संयुक्त रूप से चौपारण थाना (झारखंड) अंतर्गत पंचायत भगहर के ग्राम भंडार और परसातरी में अवैध चुलाई शराब भट्ठी के विरुद्ध छापामारी की गई. उक्त जगहों से करीब दर्जनों अवैध चुलाई शराब भट्ठी, चुलाई शराब बनाने का उपकरण, पानी एकत्र करने वाला सीमेंटेड टंकी (हौदा), महुआ शराब फुलाने में प्रयुक्त प्लास्टिक ड्रम को विनष्ट करते हुए करीब 150 ड्रम में करीब 30 हजार किलो अवैध जावा महुआ को भी घटनास्थल पर विनष्ट किया गया. घटनास्थल से करीब 300 लीटर अवैध महुआ चुलाई शराब बरामद किया गया. इस दौरान अवैध चुलाई शराब कारोबारी घटनास्थल से फरार हो गया. शामिल अभियुक्तों को अभियुक्तों के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया जा रहा है.

हुई कार्रवाई

- भगहर पंचायत में कई जगहों पर कार्रवाई की गई
- इस दौरान 30 हजार किलो जावा महुआ नष्ट किया गया

मदगड़ा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

कान्हाचट्टी । प्रखंड के मदगड़ा पंचायत सचिवालय परिसर में शुक्रवार को चौथे चरण का आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसकी देखरेख प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो ने किया. मौके पर कान्हाचट्टी बीडीओ हुलास महतो सीओ प्रमोद कुमार प्रखंड प्रमुख इंदु देवी मुखिया सुप्रिया कुमारी पंचायत समिति ममता देवी सांसद प्रतिनिधि रंजन साव आदि उपस्तिथ थे. कार्यक्रम की शुरुआत पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने दीपप्रव्वजलित कर किया. सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाये गये थे. जिसमें ग्रामीणों द्वारा कई आवेदन दिए गए. सर्वाधिक 655 आवेदन अबुवा आवास के लिए प्राप्त हुए. वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, ग्रीन व पिला कार्ड व सहित वन विभाग के मामले शामिल थे.

प्रियंका को मिला 5000 रुपये का स्वीकृति पत्र

संवाददाता । रामगढ़

सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य के दूरदराज क्षेत्र में रह रहे लोगों को सरकार के कल्याणकारी योजना से आच्छादित करने के उद्देश्य से आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम चलाया जा रहा है. इस कार्यक्रम अंतर्गत ऑन द स्पॉट आम लोगों की समस्याओं का समाधान करते हुए अन्य योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है. इसी क्रम में पतरातू प्रखंड के लबगा पंचायत में आयोजित शिविर के दौरान प्रियंका कुमारी को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 5000 रुपये का स्वीकृति पत्र दिया गया. मौके पर प्रियंका कुमारी ने कहा कि वर्तमान में मैं जहां रहती हूं वहां मेरे जैसी कई लड़कियों ने पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी

है. कुछ के घर में आर्थिक परेशानियां है तो कुछ के यहां उनके माता-पिता ही अपनी बेटी को आगे पढ़ाने के इच्छुक नहीं हैं. बिना सही शिक्षा प्राप्त किया जीवन में सफल होना संभव नहीं है. सरकार द्वारा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना लाए जाने से न केवल मैं और मेरे जैसी कई लड़कियां अपनी शिक्षा जारी रख सकेंगी, बल्कि आने वाले समय में हम अपने साथ-साथ अपने क्षेत्र के विकास में भी सहभागी बन सकेंगे.

शतचंडी महायज्ञ को लेकर हुई बैठक

संवाददाता । बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत के ग्राम कोनहरा कला में श्री श्री 108 श्री शतचंडी महायज्ञ सह देवी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई. यज्ञ को सफल संपन्न कराने के लिए समिति का गठन किया गया. जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष ईश्वर यादव उर्फ दशरथ यादव, उपाध्यक्ष मुकेश यादव, सचिव पंकज सोनी, उपसचिव राम अवतार यादव, कोषाध्यक्ष मुंशी पासवान उपकोषाध्यक्ष मुकेश सोनी को बनाया गया. वहीं महावीर यादव, श्यामलाल सिंह, जीवन यादव, मनी यादव, छोटी दास, संतोष दास, राजू यादव केदार प्रजापति, राजेन्द्र प्रजापति, कमल राणा, मनोज पासवान, महेंद्र ठाकुर समेत 25 लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया

गया. कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष ईश्वर यादव ने बताया कि 27 मार्च को ध्वजारोहण किया जाएगा. वहीं 9 अप्रैल को कलशयात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ किया जाएगा और 17 अप्रैल को पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन किया जाएगा. साथ ही 18 अप्रैल को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की जाएगी. उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध कथावाचिका बाल विदुषी प्रभु प्रिया जी रामायणी उज्जैन यज्ञाचार्य पंडित गंगाधर शास्त्री वाराणसी यज्ञाधीष बिरेन्द्र शास्त्री अयोध्या के द्वारा यज्ञ को सम्पन्न कराया जाएगा. वहीं अंतरराष्ट्रीय वृन्दावन मथुरा की रासलीला टीम आदर्श बलराम कृष्ण लीला संस्थान के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुति की जाएगी. मौके पर अशोक पाण्डेय, भुनेश्वर यादव, सोनू कुमार, कल्लू प्रजापति, लक्ष्मण यादव, सरयू प्रजापति, जागी यादव, नरेश प्रजापति, राजकुमार यादव, नरेश यादव, प्रमेश्वर यादव, आशीष कुमार, रामेश्वर रविदास, सुरेश रविदास मौजूद थे.

अरुण साहू ने किया शो रूम का उद्घाटन

चौपारण । चौपारण प्रखंड के चतरा मोड़, नावाड़ीह में जीएस मोटर शो रूम खुला. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि तिलेश्वर साहू, सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अरूण साहू ने फीता काटकर किया. इस अवसर पर अरुण साहू ने जीएस मोटर के संचालक पप्पू साव और गेंदो साव को नए शो रूम शुभारंभ पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी. कहा कि इस क्षेत्र में गाड़ियों की खरीद बिक्री के लिए अब लोगों को बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी . वे अब यहीं से अपनी मनपसंद गाड़ियां अच्छी कीमतों पर खरीद सकेंगे. वहीं जीएस मोटर के संचालक पप्पू साहू ने बताया कि हमारे यहां सभी प्रकार के गाड़ी उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं. ग्राहक हमारे यहां 20-25 हजार रुपए क़िस्त देकर अपनी मनपसंदीदा गाड़ी खरीद सकते हैं.

समान अवसर की जरूरत : प्रशांत

संवाददाता। हजारीबाग

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज में शुक्रवार को लैंगिक समानता एवं भेदभाव मुक्त समाज पर एकदिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि दिल्ली से आए प्रशांत शेखर ने कहा कि बेहतर और सुरक्षित भविष्य के लिए लैंगिक समानता एवं भेदभाव मुक्त समाज की स्थापना जरूरी है.

बदलते परिवेश में पैसा ही सबकुछ है. किंतु मानवीय मूल्यों के तहत महिला, पुरुष, युवा, बुजुर्ग से समान व्यवहार करने की आवश्यकता है. सामाजिक, आर्थिक भेदभाव पर प्रतिबंध की जरूरत है. बतौर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ प्रसन्न मिश्र ने कहा कि बिना लैंगिक भेदभाव के प्रति लोगों कोई जागरूक होना चाहिए. वक्त बदल

रहा है और पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक समरसता एवं प्रेम सद्भाव भी जीवन का नितांत अंग बन गया है. बेहतर और सुरक्षित भविष्य के लिए जाति, धर्म एवं महिला के प्रति दुरुस्त विचार रखने की आवश्यकता है. इससे पहले प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार यादव ने दोनों अतिथियों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया. वहीं आईक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ बसुंधरा कुमारी और सहायक प्राध्यापिका कुमारी अंजलि ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों को स्वागत किया. मंच संचालन प्रशिक्षु प्रीति कुमारी ने किया. स्वागत गान से शुरू हुए सेमिनार का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ. सेमिनार में सहायक प्राध्यापक संदीप खलखो, गुलशन कुमार, एसएस मैती, अनिल कुमार, दशरथ कुमार, दिलीप सिंह, संदीप कुमार सिन्हा समेत सभी प्रशिक्षु मौजूद थे.

उपायुक्त ने की एमडीएम स्टीयरिंग कमेटी की बैठक, उपायुक्त ने दिए कई निर्देश

रिपोर्ट को गूगल ड्राइव पर अपलोड कराने का निर्देश

संवाददाता । रामगढ़

उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिलास्तरीय मध्यान्ह भोजन स्टीयरिंग कम मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई. बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिला शिक्षा अधीक्षक के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को वर्तमान में रामगढ़ जिला अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में संचालित मिड डे मिल व इस संबंध में सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के संबंध में जानकारी दी गई.

जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में एमडीएम के लिए सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित

कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ने रियल टाइम मॉनिटरिंग के मद्देनजर बीआरपी, सीआरपी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों व कर्मियों द्वारा एमडीएम से संबंधित निरीक्षण के क्रम में जानकारी के साथ प्रारूप अनुरूप विस्तृत रिपोर्ट को गूगल ड्राइव पर अपलोड करना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया. बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विद्यालयों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से अधिकारियों को विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए पेयजल की व्यवस्था से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

बैठक संपन्न

- स्कूलों में किचन गार्डेन के लिए जगह उपलब्ध कराने कहा
- बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच कराने को कहा

साथ ही उन्होंने विद्यालयों में किचन गार्डन विकसित करने, ऐसे विद्यालय जिसमें किचन गार्डन के लिए जगह उपलब्ध है, उन्हें चिन्हित करने का निर्देश दिया. वहीं उन्होंने नियमित रूप से बच्चों का स्वास्थ्य जांच कराने एवं उन्हें आयरन की गोली खिलाने का भी निर्देश दिया. बैठक के दौरान उपायुक्त ने शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में रसोइयों का आयुष्मान कार्ड बनाने एवं 60 साल से ज्यादा उम्र की रसोइयों का वृद्धा पेंशन शुरू करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को दिया. साथ ही उन्होंने सभी सरकारी विद्यालयों में एक निश्चित समय पर ही बच्चों को एमडीएम देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. वहीं उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को एक महीने के अंदर संयोजिका समिति का पुनर्गठन करने का भी निर्देश दिया. बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सभी बीइओ सहित अन्य उपस्थित थे.

रामगढ़ डीडीसी ने की जिला गंगा समिति की बैठक

संवाददाता । रामगढ़

उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सर्वप्रथम जिला गंगा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी नोडल पदाधिकारी नमामि गंगे योजना सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार सहित समिति के अन्य सदस्यों से ली. नमामि गंगे योजना के तहत गंगा एवं उसकी सहायक नदियों तथा अन्य जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से संचालित भुवन गंगा ऐप के माध्यम से चिन्हित किये गए रामगढ़ जिले के विभिन्न जलस्रोतों में ड्रेनेज व डंप स्थलों की जानकारी डीडीसी ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी से ली. जिस पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने सभी को जानकारी देते हुए बताया कि भुवन गंगा ऐप के तहत दिए गए निर्देशों के आलोक में कार्यों को कर लिया गया है. मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के द्वारा डीडीसी सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को नमामि गंगे योजना के तहत जनवरी माह में आयोजित किये जाने वाले गतिविधियों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई. जिस पर डीडीसी ने नमामि गंगे योजना के उद्देश्य के प्रति जागरूक करने के लिए जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को समिति के सदस्यों के साथ समन्वय कर जनवरी माह के कैलेंडर के अनुसार श्रमदान एवं स्पोर्ट्स एक्टिविटीज का आयोजन करने का निर्देश दिया.

रिम्स ओपीडी

सुबह 9 से दोपहर 1 और शाम 3 से 5 बजे तक

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन	डॉ मनोज कुमार प्रसाद
सर्जरी	डॉ पंकज बोदरा
ऑर्थोपेडिक	डॉ जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरी	डॉ आनंद प्रकाश
गायनी	डॉ नीलम नलिनी
टीबी एवं चेस्ट	डॉ ब्रजेश मिश्रा
रेडिएशन आंकोलॉजी	डॉ रश्मि सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी	डॉ रोहित कुमार झा
नेत्र	डॉ सुनील कुमार
स्किन	डॉ प्रभात कुमार
ईएनटी	डॉ बिनोद कुमार सिन्हा
न्यूरोलॉजी	डॉ रुपेश प्रसाद

ब्रीफ खबरें

धूमधाम से मना यूनियन क्लब का स्थापना दिवस

हजारीबाग। शहर का ख्याति प्राप्त यूनियन क्लब एवं लाइब्रेरी में संस्था की 142वीं स्थापना दिवस धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर क्लब के झंडे को फहराया गया. शाम को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन क्लब के अध्यक्ष अधिवक्ता बिक्रम सेन, उपाध्यक्ष समीर मुखर्जी, सचिव शंकर बनर्जी, महिला सदस्य रूपा चटर्जी एवं हजारीबाग बंगाली समाज के अध्यक्ष प्रो. सुकल्याण मोइत्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया. बिक्रम सेन ने कहा कि संस्था के 142 वर्ष की यात्रा अनवरत है. उन्होंने क्लब दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी.

अवैध क्रशरों को किया गया ध्वस्त

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चोथे, हजारीबाग के आदेशानुसार खनन विभाग ने शुक्रवार को ईचाक थाना के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान मौजा बोंगा में अवैध रूप से 6 क्रशरों को संचालित पाया. अवैध रूप से संचालित यह क्रशर पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्तर्गत अवस्थित है. खनन विभाग की टीम के द्वारा सभी 6 क्रशरों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया.

अनवार का कोडरमा परिसदन में आगमन

कोडरमा। कोडरमा लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर लोकसभा समन्वय समिति के संयोजक एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (अल्पसंख्यक विभाग) अनवार अहमद अंसारी का कोडरमा परिसदन में आगमन हुआ. उन्होंने बैठक कर कहा कि 27 दिसंबर को कोडरमा लोकसभा समन्वय समिति की बैठक की जायेगी. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे, झारखंड कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कोडरमा लोकसभा समन्वय समिति के प्रभारी सह झारखंड सरकार के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख एवं प्रदेश के सम्मानित नेता उपस्थित होंगे.

वंचितों को आत्मनिर्भर बनाना है : मंगलेश

रामगढ़। दुलमी प्रखंड के सिरु पंचायत मे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के कार्यक्रम का शुक्रवार को आयोजन किया गया. मौके मुख्य रूप से दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, प्रभार प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी राजेन्द्र सिंह, प्रखंड पार्षद प्रीति दीवान प्रमुख रेणु देवी, सीओ मदन महली ,जिला कृषि पदाधिकारी, डालसा से दिलीप राजेश्वर तिर्की सहित अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन राज्य सरकार द्वारा आम जनता को उनके पंचायत में आकर पदाधिकारी द्वारा उन्हें योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुंचने के लिए में पंचायत स्तर पर आयोजन किया जा रहा है. जिसका जनता लाभ उठाए और अपने से संबंधित योजना का लाभ ले.

नगर निगम में सफाईकर्मी के नाम पर भर्ती हुए कर्मी निगम के अधिकारी बनकर कर रहे हैं काम

शहर में हर तरफ पसरा है कचरा, नगर निगम मौन

संवाददाता । हजारीबाग

शहर में इन दिनों कई जगहों पर बीच सड़क पर कचरा पसरा है. जिससे आने-जाने वाले लोग काफी परेशान हैं. इधर नगर निगम में सफाईकर्मी के नाम पर भर्ती हुए सफाईकर्मी नगर निगम के अधिकारी बनकर काम कर रहे हैं. यही वजह है कि सफाईकर्मी नगर निगम में कम दिख रहे हैं. जिसकी वजह से प्रत्येक दिन पूरे शहर में काम नहीं हो पा रहा है. शुक्रवार को शहर के सेठ मोहल्ला स्थित बीच सड़क पर कचरा पसरा हुआ था.

इससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी होती रही. जबकि वह मोहल्ला बिजनेस पॉइंट है. वहां

सैकड़ों की संख्या में दुकानदार एवं ग्राहकों का आना होता है. इधर इमली कोठी रोड पर भी कुछ कचरा ऐसा ही देखा गया. वहां भी रोड के किनारे कचरा पसरा हुआ था. लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी. इस संबंध में दुकानदार मुकेश कुमार ने बताया कि नगर निगम की गाड़ी सप्ताह में एक दो बार आती है और कचरा उठाकर जाती है. अगर प्रत्येक दिन कचरा उठाने का काम नगर निगम करती तो सड़क के किनारे कहीं कचरा नहीं मिलता. यह नगर निगम का दायित्व भी बनता है.

लोग परेशान

- सेठ मोहल्ला में सड़क पर कचरा पसरा हुआ था
- निगम की गाड़ी सप्ताह में एक दो बार आती है

वहीं इस संबंध में नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले संतोष कुमार, राजेश कुमार और शिव कुमार ने बताया कि नगर निगम हर एक चीजों पर टैक्स लेती है. चाहे वह मकान हो या सड़क हो. लेकिन सफाई के नाम पर खानापूर्ति करती है. जितना निगम में सफाईकर्मी को रखा गया था उस स्तर पर काम नहीं दिख रहा है. ना ही सफाईकर्मियों की संख्या दिखती है. ऐसे में सफाईकर्मी के नाम पर बहाल होकर नगर निगम का काम करना. यह गलत है. तो फिर नगर निगम में अधिकारी के रूप में काम कर रहे सफाईकर्मी को परमानेंट कर दे या फिर सफाईकर्मी की बहाली कर ले. इधर नगर निगम के भी सफाईकर्मी कुछ मोहल्ले में कचरा उठते दिखे. लेकिन जिस स्तर पर नगर निगम को शहर में सफाई करनी चाहिए थी वह नहीं दिख रहा है. इस संबंध में नगर आयुक्त के सरकारी नंबर 9431370243 पर पक्ष लेने का प्रयास किया गया पर उन्होंने फोन का जवाब नहीं दिया.

फुटपाथ के रास्ते को थाने ने कर लिया है अतिक्रमण

संवाददाता । झुमरीतिलैया (कोडरमा)

तिलैया थाना रांची पटना रोड पर स्थित है. यह तस्वीर जो देख रहे हैं कोई मुहल्ले, कस्बे की गली नही है. यह रांची से पटना जोड़ने वाली मुख्य मार्ग झुमरी तिलैया शहर के तिलैया थाना के समीप का है. जहां पर एनएचएआई सड़क के किनारे फुटपाथ के लिए जगह छोड़ी गई है, ताकि पैदल चलने वाले राहगीरों को कोई परेशानी ना हो.

लेकिन लोगों को पैदल चलने वाली फुटपाथ रास्ते पर कई दशकों से तिलैया थाना द्वारा अतिक्रमण किया हुआ है. सड़क के दोनों किनारे पर दर्जनों दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को खड़ी कर रखी गई है. बता दें कि इस सड़क से प्रतिदिन जिले के कई बड़े अधिकारी आते जाते हैं. लेकिन किसी ने अतिक्रमण पर ध्यान नहीं दिया सड़क के दोनों किनारे खड़ी गाड़ियों से पैदल बाजार आवागमन करने वाले राहगीरों को बहुत परेशानियां झेलनी पड़ती है. अब सवाल यह उठता है कि जब अतिक्रमण मुक्त करने वाले पुलिस ही अतिक्रमण करने लगे तो अतिक्रमण से मुक्त कौन करेगा? इस अतिक्रमण पर आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष दामोदर यादव ने कहा कि यह एक सार्वजनिक रोड है. रोड को अतिक्रमण करना गलत है. पुलिस की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि दुर्घटनाग्रस्त सभी गाड़ियों को किसी सुरक्षित स्थान पर रखा जाय. अगर पुलिस ने ऐसा नहीं किया है तो उच्च अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए. रोड को अतिक्रमण से मुक्त कर देना चाहिए.

स्कूल के सचिव बच्चों का फर्जी नामांकन कर दिखा रहे हैं अपनी उपलब्धि

सरकारी स्कूलों में हो रहा है बच्चों का फर्जी नामांकन

शुभम संदेश
पड़ताल

प्रमोद उपाध्याय । हजारीबाग

हजारीबाग जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारी इन दिनों ऑफिस की कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं हैं. इधर सरकारी स्कूल के सचिव भी कुछ कम नहीं, बल्कि वह भी बच्चों की फर्जी नामांकन कर स्कूल की उपलब्धि विभाग को दिखा रहे हैं. दरअसल यह मामला हजारीबाग जिले का है और शुभम संदेश की पड़ताल में यह खुलासा हुआ है. इसमें शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के मिडिल स्कूल एवं मध्य विद्यालय में भी बखूबी देखा जा सकता है. इसमें स्कूल सचिव के द्वारा अभिभावक को बड़ा-बड़ा प्रलोभन देकर आधार कार्ड लिया जाता है.

फिर वे अपने विद्यालय में नामांकन कर देते हैं. इससे उनकी उपलब्धि भी दिखती है और मुनाफा भी ज्यादा होता है. इधर बच्चों को सरकारी लाभ मिले इसके लिए अभिभावक भी सरकारी स्कूल में नाम लिखवाने के इच्छुक होते हैं. वे अपने बच्चे का नाम सरकारी स्कूल में लिखवाकर निजी स्कूलों में पढ़ाते हैं. ऐसे में सरकार को खूब चूना लग रहा है और छात्रों की मिलने वाली सुविधा

नवाबगंज स्थित राजकीय कन्या मध्य विद्यालय.

हुआ खुलासा

- निजी स्कूलों में पढ़ते हैं बच्चे सरकारी में होता है नामांकन
- अभिभावक को प्रलोभन देकर आधार कार्ड लिया जाता है
- सरकार को छात्रों का सही आंकड़ा नहीं मिल पा रहा है

सरकारी स्कूलों में छात्र की उपस्थिति है कम

हजारीबाग शहर के कई स्कूलों के अलावा इचाक, प्रखंड दारू, झुमरा बरही, पदमा, कटकमसांडी के अलावा कई मिडिल स्कूल में फर्जी नामांकन देखा जा रहा है. इस संबंध जनतंत्र मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि शहर में चल रहे कई सरकारी स्कूलों में छात्र की उपस्थिति कम है. इसी बात को लेकर स्कूल सचिव फर्जी नामांकन करते हैं. उन्हें इस बात का भी डर है कि कहीं सरकार स्कूल को मर्ज ना कर दे.

अभिभावक को नहीं बल्कि सचिव और स्कूल अध्यक्ष का होता है. वह नित दिन की तरह छात्र की उपस्थिति दर्ज करते हैं और विभाग को संख्या

क्या कहते हैं जिला शिक्षा अधीक्षक

इस संबंध में जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता ने बताया कि स्कूल में हो रहे फर्जी नामांकन का मामला संज्ञान में नहीं है. यह जांच का विषय है. उन्होंने यह भी कहा कि दिपुगढा जो प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक स्कूल नहीं जाते हैं तो इसकी शिकायत स्कूल सचिव को करनी होगी. इसके बाद कार्रवाई होगी.

क्या कहते हैं स्कूल सचिव रूबी कुमारी

इस संबंध में नवाबगंज स्थित राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के सचिव रूबी कुमारी ने बताया कि अभी स्कूल में कुल छात्र की संख्या 80 है. कुल दो शिक्षक हैं. इसके वजह से बच्चों को सही शिक्षा दीक्षा नहीं मिल रही है. उन्होंने यह भी कहा कि पहले स्कूल में फर्जी नामांकन 100 था. जो पिछले वर्ष ही फर्जी नामांकन को हटा दिए हैं.

गिनवा देते हैं. इसके बाद उपस्थिति के अनुसार मध्यान्ह भोजन में मिलने वाली राशि को सीधा सचिव और अध्यक्ष डकार जाते हैं. यहां तक कि सरकार की ओर से दी जा रही छात्रों की स्कूल ड्रेस, किताब, कॉपी एवं भोजन के रकम के अलावा छात्रवृत्ति का लाभ स्कूल सचिव लेते हैं.

जयंत सिन्हा ने विकसित भारत संकल्प वाहन को किया रवाना

संवाददाता । हजारीबाग

विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में जाकर भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दे रही है. इसी कड़ी में हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने चुरचू प्रखंड के चरही चौक से विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी को रवाना किया. विकसित भारत संकल्प यात्रा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में एक है. खूंटी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस यात्रा की शुरुआत की थी, जो पूरे देश भर के सभी पंचायत में जाकर भारत सरकार के लिए चलाए जा रहे जनकल्याण योजना के बारे में जानकारी देगी. हजारीबाग के कई इलाकों में विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी घूम रही है. इसी कड़ी

में हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा से एक अन्य गाड़ी को रवाना किया है. कार्यक्रम के दौरान दो महिलाओं को पोषक तत्व की थाली भी जयंत सिन्हा ने उपहार स्वरूप दिया. साथ ही एक बच्चे का मुंह जुठी भी कराया गया. कार्यक्रम के दौरान जयंत सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह चाहत है कि देश के सभी वैसे व्यक्ति जो लाभुक के श्रेणी में हैं, उन्हें योजना का लाभ दिलाना प्रथम दायित्व है. जयंत सिन्हा ने यह भी बताया आम जनों को बेहतर मौका मिला है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सके. इसे लेकर नमो ऐप में फोटो, वीडियो और लाभुक के साथ सेल्फी अपलोड करना है. जिनका फोटो और वीडियो बेहतर होगा वो प्रधानमंत्री से मुलाकात कर पाएंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन-जन तक सरकारी सेवाओं को पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया है.

अर्थशास्त्र विभाग के छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

हजारीबाग। डोकरा कला के विशेष संदर्भ में झारखंड के पारंपरिक आजीविका अवसरों के संरक्षण और संवर्धन और झारक्राफ्ट की भूमिका को लेकर विनोबा भावे विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के सेमेस्टर-I (2023-25) के छात्रों द्वारा अनुसंधान विद्वानों के साथ झारक्राफ्ट की कार्यशाला का शैक्षिक भ्रमण किया गया. छात्रों और अनुसंधान विद्वानों ने क्षेत्र सर्वेक्षण किया. जहां उन्होंने पाया कि श्रमिक अपने परिवार के साथ झारक्राफ्ट की डोकरा कला की उत्पादन इकाई में संलग्न हैं. बताया कि एक कलाकृति बनाने में लगभग 6-7 दिन का समय लगता है.

ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

संवाददाता । कोडरमा

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कोडरमा जिला के सतगावां प्रखंड के ईटाय, चंदवारा प्रखंड के बडकीधमराय, जयनगर प्रखंड के घरौंजा एवं मरकच्चो प्रखंड के डगरनवां पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया. आयोजित शिविर में बीडीओ व स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए. बीडीओ ने शिविर में आने वाले आमजनों से उनकी समस्याएं जानी और एक-एक कर सभी की समस्याओं का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया. वहीं बीडीओ ने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविर में अधिक से अधिक संख्या में आकर अपनी समस्याओं को रखें, आपकी समस्याओं का निदान जल्द किया जाएगा. साथ ही उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लें. इस दौरान स्कूली बच्चियों ने छात्रवृत्ति योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन दिये, इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए योजना से लाभान्वित किया.

सरदार पटेल की पुण्यतिथि मनाई

संवाददाता । कोडरमा

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भागीरथ पासवान की अध्यक्षता में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 72वीं पुण्यतिथि मनाई गई. तत्पश्चात जिलाध्यक्ष पासवान ने उनकी तस्वीर पर माला एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया.

उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि देश के लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले गृहमंत्री थे. उनका निधन 15 दिसंबर 1950 को मुंबई में हुआ था. साथ ही कहा कि हिंदुस्तान को आजादी मिलने के बाद सरदार वल्लभ भाई

पटेल की पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका रही. इनके अलावा सरदार पटेल ही भारतीय सिविल सेवा की निरंतरता को कायम रखने वाले निर्णायक व्यक्ति थे.

वहीं प्रदेश कांग्रेस सचिव नारायण बरनवाल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रमुख हस्तियों में एक माना जाता है. राष्ट्र को एक साथ लाने में उनका बहुत बड़ा योगदान था. जिला परिषद सदस्य सह कांग्रेस नेता लक्ष्मण यादव ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता आंदोलन में पहला और बड़ा योगदान 1918 में खेड़ा संघर्ष में था. उन्होंने 1928 में हुई बारडोली सत्याग्रह में आंदोलन का नेतृत्व भी किया.

नईटाड़ में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

कोडरमा। जयनगर प्रखंड के ग्राम नईटांड़ में गर्म कपड़े का वितरण लक्ष्मण यादव ग्राम नईटांड़ पिता शंकर यादव के द्वारा किया गया. इस कार्यक्रम में लरियाडीह पंचायत के 6 गांव (नईटांड़, गरायांडीह, अनंतडीह, गहराई, लरियाडीह एंव वृंदा) से 50 असहाय, दिव्यांग एवं जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े और मिठाई का वितरण किया गया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं स्वयं पेशे से मजदूर हूं तो मुझे पता है कि ठंड में कितनी परेशानी होती है. इसलिए मैंने सोचा की ठंड में क्यों ना लोगों को गर्म कपड़ा दिया जाय. कहा कि अब मैं भी हर साल ठंड के मौसम में अपने मजदूरी का कुछ अंश बचाकर कपड़े का वितरण करूंगा.

उत्पाद विभाग की टीम ने मारा छापा

संवाददाता । हजारीबाग

सहायक आयुक्त उत्पाद हज़ारीबाग़ के निर्देश पर उत्पाद हज़ारीबाग़ की टीम (सभी अंचल अवर निरीक्षक उत्पाद), बिहार उत्पाद (गया जिला टीम) एवं वन विभाग चौपारण के साथ संयुक्त रूप से चौपारण थाना (झारखंड) अंतर्गत, भंडार, परसातरी में अवैध चुलाई शराब भट्टी के विरुद्ध छापामारी की गई. उक्त जगहों से करीब दर्जनों अवैध चुलाई शराब भट्टी, चुलाई शराब बनाने का उपकरण, पानी एकत्र करने वाला सीमेंटेड टंकी (हौदा), महुआ शराब फुलाने में प्रयुक्त प्लास्टिक ड्रम को विनष्ट करते हुए करीब 150 ड्रम में करीब 30000 केजी अवैध जावा महुआ को भी घटनास्थल पर विनष्ट किया गया.

झारखंड बिहार कि संयुक्त उत्पाद विभाग की टीम ने की छापेमारी .

घटनास्थल से करीब 300 लीटर अवैध महुआ चुलाई शराब बरामद किया गया.

घटनास्थल का स्थलाकृति का फायदा उठाते हुए अवैध चुलाई शराब कारोबारी घटनास्थल से फरार हो गये. इस अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त अभियुक्तों को चिन्हित कर अवैध चुलाई शराब के अभियुक्तों के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया जा रहा है.

आरोग्यम आई केयर का हुआ उद्घाटन, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विवेक कुमार रखेंगे मरीजों की आंखों का ख्याल

बेहतर इलाज के लिए हम कटिबद्ध रहेंगे: डॉ. विवेक

संवाददाता । हजारीबाग

आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आरोग्यम आई केयर का उद्घाटन हुआ. उद्घाटन हजारीबाग के प्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. रंजना शरण, हॉस्पिटल निदेशक सह युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. रजत चक्रवर्ती, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक कुमार, आरोग्यम हॉस्पिटल की एडमिस्ट्रेटर जया सिंह और डॉ. शक्ति तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर किया.

आरोग्यम आई केयर डिपार्टमेंट में रिम्स, रांची के एसआर रहे एवं फाको एंड मेडिकल रेटीना के अनुभवी और विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सक डॉ. विवेक कुमार अपनी

सेवाएं देंगे. यहां आई डिपार्टमेंट में आई टेस्ट सेंटर, ऑपरेशन थिएटर, डॉक्टर रेस्ट रूम, रिफ्रीक्शन रूम को व्यवस्थित रूप से बनाया गया है. जहां प्रतिदिन नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. विवेक कुमार सुबह 10:00 बजे से 2:00 तक और पुनः संध्या 4:00 बजे से 6:00 तक अपनी सेवा प्रदान करेंगे.

उद्घाटन के बाद डॉ. विवेक कुमार ने बताया कि आंखों से संबंधित संपूर्ण बीमारियों और तकलीफों के बेहतर इलाज के लिए हम कटिबद्ध रहेंगे. उन्होंने कहा कि आंखों की समस्या वर्तमान दौर में सामान्य हो गई है. हर उम्र के लोग आंख की समस्या से ग्रसित होकर इसे नज़रअंदाज करके कई प्रकार की बीमारियों को आमंत्रित करते हैं. प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. रंजना शरण

होगा इलाज

- आरोग्यम में आंखों की बीमारी का होगा संपूर्ण इलाज
- यहां आई टेस्ट सेंटर व्यवस्थित रूप से बनाया गया है

और डॉ. रजत चक्रवर्ती ने बताया कि यह आरोग्यम आई केयर यूनिट हजारीबाग और आसपास के लोगों को बड़े शहरों की तर्ज पर आंखों के संपूर्ण इलाज की सुविधा उपलब्ध कराकर बड़ी राहत पहुंचाएगा. आरोग्यम हॉस्पिटल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने बताया कि सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल होने के बावजूद आई डिपार्टमेंट नहीं होने की कमी लगातार खल रही थी. लोगों की यह डिमांड भी थी. जिसे ध्यान में रखते हुए हजारीबागवासियों की जरूरतों का ख्याल और उनकी परेशानी कम करने के उद्देश्य से आई केयर यूनिट की शुरुआत हुई है. निजी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल एचजेडबी आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में नवीनतम चिकित्सा सुविधा के साथ, जहां एक ही कैंपस में कार्डियोलॉजी विथ कैथ लैब, न्यूरो सर्जरी, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, मैक्सीलोफेशियल सर्जरी, पीडियाट्रिक, गायनेकोलॉजी, ऑर्थोपेडिक सर्जरी, इएनटी, यूरोलॉजी, फिजियोथैरेपी आईवीएफ यूनिट एवं एडवांस इमरजेंसी सर्विस 24×7 की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है. वहीं इन सुविधाओं में अब विस्तार के साथ एक सुविधा आई केयर की जुड़ गई.

रक्तदान करने से स्वस्थ रहता है शरीर : निर्मल जैन

संवाददाता । हजारीबाग

सदर प्रखंड के मांडई खुर्द ग्राम स्थित आईटीआई प्रांगण मे एनएसएस के विनोबा भावे यूनिवर्सिटी के यूसेट विभाग के छात्र एवं एवं छात्राओं द्वारा एकदिवसीय रक्तदान जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने किया. मुख्य अतिथि निर्मल जैन ने रक्तदान से होने वाले फायदे के बारे में छात्रों को बताया. रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ रहता है.

शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है. रक्तदान महादान कहलाता है. क्योंकि यह एक ऐसा दान है जिसमें अन्य लोगों की जान तो बचती ही है, वक्त पडने पर ब्लड बैंक से अपनों या अपने लिए रक्त लेकर

जान बचाई जाती है. इसलिए इसे महादान कहते हैं. कहा कि यह भ्रांति है कि रक्तदान करने पर कमजोरी आती है. शिविर में उपस्थित स्वयंसेवक ने रक्तदान करने का संकल्प लिया. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का भी संकल्प लिया. शिविर में डॉ खेमलाल महतो ने छात्रों से कहा कि वे सभी अपने साथ अन्य लोगों को भी लेकर रक्तदान करें. सीए रोहित जैन ने बताया कि अब तक 40 बार रक्तदान कर चुके हैं.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में कार्यालय कर्मी की मौत

रमना। श्री बंशीधर नगर अनुमंडल के कार्यालय कर्मी रमना के टंडवा निवासी शिव कुमार सिंह पिता स्व. शिव मंडिल सिंह (40 वर्ष) की मौत सड़क दुर्घटना में गुरुवार की देर रात्रि हो गई. घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी कृष्ण कुमार कुशवाहा ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया है. शिवकुमार गुरुवार को कार्यालय से काम खत्म करने के बाद अपने घर वापस हो रहे थे. तभी यह हादसा हो गया.

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी करार

धनबाद। शादी की नीयत से नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुराचार करने के आरोप में निरसा पुआलाडीह निवासी आरजू लोहार को अदालत ने दोषी करार दिया है. धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए शनिवार की तारीख निर्धारित की है. पीड़िता की मां की शिकायत पर चिरकुंडा थाने में केस दर्ज की गई थी. केस के मुताबिक 16 अप्रैल 2022 को आरोपी ने उसकी पुत्री को ले गया था.

लाला हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। जमीन कारोबारी लाला खान की हत्या के चर्चित मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई. जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत ने अपर लोक अभियोजक को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. जमीन कारोबारी मोहम्मद असरफ अल हसन उर्फ लाला खान की गोली मारकर हत्या 12 मई 2021 को दोपहर करीब तीन बजे की गई थी. जब्बार मस्जिद के पास दिनदहाड़े अपराधियों ने लाला खान को गोली मारी थी जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी.

बाइक लेकर जा रहे कंटेनर में लगी आग

गिरिडीह। गिरिडीह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिरसिया-सिहोडीह रोड पर आम बागान के समीप बाइक लदे कंटेनर में अचानक आग लग गई. कंटेनर हीरो कंपनी की 32 नई बाइक लेकर दिल्ली से देवघर स्थित शोरूम जा रहा था. आग शार्ट सर्किट से लगी. वाहन से निकलता धुआं देख ड्राइवर ने कंटेनर गाड़ी को आम बगान मैदान में खड़ा कर शोर मचाया. शोर सुन वहां भीड़ जुट गई. स्थानीय लोगों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत पहुंची और आग पर काबू पा लिया.

भवनाथपुर में लूना से टक्कर में एक घायल

भवनाथपुर। टाउनशिप-भवनाथपुर मुख्य पथ स्थित रेलवे साइडिंग के समीप लूना से टक्कर में अरसली उत्तरी निवासी देवकी पासवान घायल हो गया. जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. जानकारी के अनुसार देवकी अपनी लूना से भवनाथपुर जा रहा था कि रेलवे साइडिंग के समीप एक एक कर तीन लूना से टक्कर हो गया. जिसमे देवकी पासवान घायल हो गए.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

पीड़टांड़ (गिरिडीह)। डुमरी-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर पीरटांड़ थाना क्षेत्र के हरलाडीह के समीप शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई. घटना के संबंध में बताया गया कि तेज रफ्तार बाइक असंतुलित होकर पलट गई, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना मिलते ही पीरटांड़ थाना प्रभारी गौरव भगत दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. जांच-पड़ताल के बाद पुलिस शव को थाना ले गई.

छापेमारी कर 20 टन कोयला जब्त

बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक दो प्रबंधन के आदेशानुसार शुक्रवार को सीआईएसएफ की टीम ने ब्लॉक दो के केसर गढ़ स्थित नदखरकी पैच में छापा मारकर अवैध ढंग से जमा किये गए करीब 20 टन कोयला को जब्त किया. इस छापेमारी के दौरान बाघमारा थाना की पुलिस मौके पर मौजूद थी. जब्त कोयले को ब्लॉक दो प्रबंधन के हवाले कर दिया गया है. छापेमारी से ब्लॉक दो क्षेत्र में अवैध रूप से कोयले का धंधा करने वाले धंधेबाजों में हड़कंप मच गया है.

दुकान से मोबाइल चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददता। बेरमो

बरामद सामान: एन्ड्रॉयड मोबाइल 06 पीस, कीपैड मोबाइल 18 पीस, स्पीकर 2 पीस, लाइट 1 पीस, टैब 1 पीस, मिक्सी 1 पीस बरामद हुए हैं.

गोमिया अंचल पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में मोबाइल दुकान से चोरी करने वाले तीन चोरों को एंड्रॉयड मोबाइल और कीपैड के साथ गिरफ्तार किया है. इस संबंध में गोमिया थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर अंचल निरीक्षक ने जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पिछले 01 नवंबर को गोमिया थाना क्षेत्र के तुलबुल सुंडी टोला स्थित सेवा साव के दुकान के उपर का शीट तोड़कर दुकान में रखे मोबाइल को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया था. इस संबंध में गोमिया थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया. पुलिस अधीक्षक बोकारो के आदेशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) के निर्देशानुसार कांड के उद्भेदन के लिए एक एसआईटी टीम का गठन किया गया. अनुसंधान के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर गोमिया थाना क्षेत्र के बेलाटांड़ निवासी पीयूष कुमार पासवान के घर पर छापेमारी किया गया. उसके घर से चोरी के एंड्रॉयड तथा कीपैड मोबाइल एवं अन्य सामानों को जब्त किया गया. पीयूष कुमार से पूछताछ करने पर महुआटांड़ थाना क्षेत्र के गांगपुर गांव निवासी विजय साव को गिरफ्तार किया गया. उसके निशानदेही पर भी चोरी के एंड्रॉयड मोबाइल एवं अन्य सामानों को बरामद किया गया. विजय साव के अपराध स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर इस कांड के एवं अन्य कांडों में चोरी की गई कीपैड मोबाइलों को खरीदने वाला व्यक्ति रमेश प्रसाद गुप्ता को गिरफ्तार किया गया. रमेश प्रसाद रामगढ़ जिला के रजरप्पा बारलौंग, कुंदरुकला का रहने वाला है. इसके घर और दुकान पर छापेमारी करने पर चोरी के कीपैड मोबाइल बरामद कर जब्त किया गया. उन्होंने बताया कि पीयूष कुमार पासवान और विजय साव अपने अन्य सहयोगी के साथ मिलकर आईईएल. थाना बीटीपीएस थाना क्षेत्र के कई दुकान से मोबाइल एवं अन्य सामानों को चोरी की है. जिसमें से कुछ सामानों को बरामद कर जप्त किया गया है.

आओ जानें

वर्ष 2021 में चार्जशीट दाखिल हुए

झारखंड	84.6	मणिपुर	42.2
आंध्रप्रदेश	91.7	मेघालय	40.6
अरुणाचल प्रदेश	78.9	मिजोरम	91.3
असम	46.8	नागालैंड	75.0
बिहार	90.0	ओडिशा	81.1
छत्तीसगढ़	92.4	पंजाब	83.7
गोवा	95.5	राजस्थान	61.7
गुजरात	92.3	सिक्किम	86.7
हरियाणा	73.7	तमिलनाडु	96.6
हिमाचल प्रदेश	85.1	तेलंगाना	93.3
कर्नाटक	91.5	त्रिपुरा	80.5
केरला	93.5	उत्तरप्रदेश	84.6
मध्यप्रदेश	94.1	उत्तराखंड	79.1
महाराष्ट्र	91.9	पश्चिम बंगाल	86.0

कंप्यूटर नहीं जानने वाले भी बजा रहे साइबर थाने में ड्यूटी

पोस्टिंग साइबर एक्सपर्ट पर, थानेदारी जीटी रोड में

रिजवान शम्स। धनबाद

दो कंप्यूटर, चंद कुर्सियां और पुराना भवन है साइबर थाने की कुल कायनात

करोड़ों के मॉडल थाने में लगा पैबंद है साइबर थाना

एक इंस्पेक्टर साहब को पुलिस मुख्यालय ने साइबर एक्सपर्ट मानते हुए धनबाद जिले में पोस्टिंग दी. बताया गया कि जिले को एक साइबर का जानकार दिया जा रहा है. लेकिन साहब यहां आते ही जीटी रोड की थानेदारी में लगकर ट्रकों की गिनती में मशगूल हो गए. इधर, साइबर थाने में कंप्यूटर को भी नहीं जानने वाले लोग पूरी ईमानदारी से ड्यूटी बजा रहे हैं. वहीं एक दूसरे एक्सपर्ट ने साइबर थाने में योगदान तो दिया लेकिन छह महीने में ही तबादले की व्यवस्था जुगाड़ कर ली. ये बताने की जरूरत नहीं है कि वर्तमान परिवेश में साइबर थाने का क्या रोल है. फिलहाल साइबर थानों में पूरे जिले के सभी थानों से अधिक शिकायतें पहुंच रही हैं. खैर यहां एक डीएसपी और आधा दर्जन पुलिस पदाधिकारियों की टीम मौजूद है. कुछ लोग नए हैं और तो पुराने पदाधिकारी हैं. दो आरक्षी और दो कंप्यूटर,चंद कुर्सियां, दो-तीन टेबल....यही तो है अपने धनबाद जिले के साइबर थाने की कुल कायनात.

न है गाड़ी और न मिलता तेल : वैसे तो धनबाद साइबर थाने के दर्द की सूची बहुत लंबी है. लेकिन जो सबसे ज्यादा तकलीफ देती है वो ये बात है कि इनके पास एक भी विभागीय वाहन नहीं है. गश्ती तो करनी नहीं है, लेकिन आरोपियों को पकड़ना तो होगा, ऐसे में वाहन कहां से आएगा, ये सोच हमेशा कायम रहती है. यदि कहीं से गाड़ी की व्यवस्था हो भी गई तो तेल का जुगाड़ अलग से सिरदर्द है. कहते हैं कि धर-पकड़ का काम अब एक दिन का तो है नहीं, हर दिन अपराधियों के पीछे दौड़ना है, टावर लोकेशन जहां का मिला, उधर की दौड़ लगी. कभी बंगाल तक दौड़ लग जाती है. लेकिन रास्ते के तेल खर्च की राशि इनको नहीं मिलती है. ऐसे में यहां के पदाधिकारी मायूस हो जाते हैं. दो आरक्षी साइबर अपराध के बारे में ठीक-ठाक जानकारी रखते हैं तो कुछ ऐसे लोगों की भी यहां पोस्टिंग है, जिन्होंने पूरे जीवन में कंप्यूटर छूआ तक नहीं था.

धनबाद। धनबाद में जहां कई मॉडल थाने हैं, जिनकी लागत करोड़ों में है, वहीं साइबर थाने की खस्ताहाली इन मॉडल थानों की खूबसूरती में पैबंद की तरह है. न ही अपनी जमीन है और न ही अपना भवन, बीसीसीएल की जमीन पर वर्ष 2016 में आपातकालीन तरीके से साइबर सेल का गठन किया गया था, तब तत्काल रूप से बीसीसीएल की मदद से एक भवन को साइबर सेल का कार्यालय बनाया गया था, सालों बाद साइबर थाने का नोटिफिकेशन हुआ लेकिन इमारत और वहां मौजूद सुविधाएं जस की तस रहीं. सिर्फ साइबर सेल की जगह अब साइबर थाने नाम हो गया. आज भी यहां 2016 के ही सामान उपलब्ध हैं.

दो लाख से अधिक के फ्रॉड में पहुंचे साइबर थाने

चूंकि जिले का इकलौता साइबर थाना होने के कारण यहां प्रतिदिन ठगे जाने वाले लोगों की भीड़ लगने लगी. तब वरीय पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि यहां अब दो लाख से उपर की ठगी में ही प्राथमिकी दर्ज की जाएगी, इससे कम की राशि को पीड़ित के लोकल थाने में भिजवाया जाएगा. इस व्यवस्था के लागू होने के बाद यहां भीड़ थोड़ी कम हुई.

दमेलवा जंगल से डंप किए गए दो ट्रैक्टर माईका जब्त

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी वन विभाग की टीम ने शुक्रवार को लोकाय थाना क्षेत्र के दमेलवा जंगल में डंप किए गए दो ट्रैक्टर अवैध माइका को जब्त किया है. बताया जाता है कि रात के अंधेरे में दमेलवा,नारोटांड, असुरहड्डी,डुब्बा के जंगलों से ट्रैक्टरों में अवैध माइका लोड कर तिसरी लाया जा रहा था, जहां से इसे ट्रकों में लोड कर गिरिडीह स्थित माइका फैक्ट्रियों में भेजे जाने की तैयारी थी. अवैध माइका परिवहन की सूचना पर वन विभाग की टीम गुरुवार देर रात लोकाय के जंगलों को खंगालती रही. हालांकि इसकी भनक लगते ही माइका तस्करों ने ट्रैक्टर में लोड माइका को जंगल में ही अनलोड कर ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए. जिसके बाद वन विभाग की टीम ने जंगल में पड़े माइका को जब्त कर तिसरी स्थित बीट कार्यालय ले आई.

पांच दिनों से लापता युवक का शव नदी से बरामद

संवाददता। जमशेदपुर

भीम सिंह भूमिज (फाइल फोटो)

बिष्टुपुर थाना अंतर्गत बेल्डीह ग्राम बस्ती के पास स्वर्णरेखा नदी से शुक्रवार को एक युवक का शव बरामद हुआ. शव की पहचान सोनारी के झाबरी बस्ती निवासी भीम सिंह भूमिज (32) के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार भीम सिंह सर्किट हाउस एरिया स्थित एक ऑफिस में काम करता था. वह सोमवार की सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा. नदी में शव होने की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया. भीम सिंह के छोटे भाई भोपाल सिंह भूमिज ने बताया कि उनका भाई कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था. घर में भी शांत रहता था और किसी से कोई बात नहीं करता था. भाई की किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं थी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा.

अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ छापेमारी, 10 टन कोयला जब्त

संवाददता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

कोयला के अवैध कारोबार के खिलाफ बेंगाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 टन कोयला जब्त किया है. वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में गिरीडीह-महेशमुण्डा पथ के किनारे स्थित भण्डारीडीह मैदान के समीप छापेमारी कर डंप किये गए अवैध कोयला को जब्त किया गया है. कार्रवाई के दौरान मौके पर से 10 साइकिल एवं कोयला लदा एक मोटरसाइकिल जब्त किया गया है. शुक्रवार की सुबह अचानक हुई कार्रवाई से धंधेबाजों में हड़कंप मच गया. पुलिस टीम को देखते ही धंधेबाज मौके पर से फरार हो गए. जिसके बाद पुलिस टीम ने लगभग 10 टन कोयला जब्त किया. इस संबंध में थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि कार्रवाई के दौरान मोटरसाइकिल में अवैध रूप से कोयला ले जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार व्यक्ति बीरबल यादव गांडेय थाना क्षेत्र के दासडीह का रहने वाला है. उन्होंने कहा कि मामले को लेकर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए थाना में एफआईआर दर्ज किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेगा.

करमाटांड़ बस्ती से साइबर अपराधी गिरफ्तार, 2 फरार

संवाददाता। जामताड़ा

जामताड़ा पुलिस ने शुक्रवार की सुबह करमाटांड़ बस्ती में छापेमारी कर साइबर अपराध के आरोपी शम्स तबरेज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया. जबकि उसके दो साथी भागने में सफल रहे. पकड़े गए शम्स तबरेज के पास से छह मोबाइल फोन व छह सिम कार्ड बरामद किए गए हैं. यह जानकारी पुलिस इंस्पेक्टर अजय कुमार पंजिकार ने प्रेसवार्ता में दी. बताया कि वह फेसबुक व वाट्सएप पर यूनियन बैंक के क्रेडिट कार्ड से विशेष लाभ लेने का फर्जी पोस्ट डालकर लोगों को झांसे में लेकर ठगी करता था. उन्होंने बताया कि जामताड़ा एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी मंजरूल होदा, चंद्रशेखर, अजय कुमार पंजिकार के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापेमारी की गई.

साइबर पुलिस ने दो संदिग्ध को पकड़ा

धनवाद। शुक्रवार को साइबर थाने की पुलिस ने दो संदिग्ध अपराधियों को धनसार थाना क्षेत्र के गोल बिल्डिंग इलाके से हिरासत में लिया है. सूत्रों के अनुसार पकड़े गए अपराधी नवादा बिहार के बताए जा रहे हैं. पकड़े गए आरोपियों से साइबर पुलिस पूछताछ कर रही है.

चौथी मंजिल से गिरकर बुजुर्ग की हुई मौत

जमशेदपुर। कदमा थाना अंतर्गत विवेकानंद रोड स्थित अन्नपूर्णा टावर की चौथी मंजिल से गिरकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई. वह छत से कैसे गिरे, पुलिस इसकी जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक कदमा अन्नपूर्णा टावर में 66 वर्षीय पी प्रह्लाद राव अपनी बेटी-दामाद के साथ रहते थे. वह गुरुवार शाम को टहलने के दौरान अपार्टमेंट की छत से नीचे गिर गए. गिरने की आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत ही उन्हें एमजीएम अस्पताल पहुंचाया. जहां इलाज के क्रम में बुजुर्ग की मौत हो गई. प्रह्लाद राव के दामाद जी तारकेश्वर राव ने बताया कि उनके ससुर की दिमागी हालत ठीक नहीं थी. वे रोज की तरह छत पर टहलने गए थे. लेकिन अचानक जमीन पर आ गिरे, जिससे उनकी मृत्यु हो गई.

पी प्रह्लाद राव की फाइल फोटो

डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप

अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

- मृतका किटिया देवी अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के बांकी गांव निवासी सुभाष पासी की पत्नी थी

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह शहर के नगर थाना क्षेत्र के बरमसिया स्थित विश्वनाथ नर्सिंग होम में इलाज के दौरान एक महिला किटिया देवी की मौत हो गयी. परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया. मृतका किटिया देवी अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के बांकी गांव निवासी सुभाष पासी की पत्नी थी. परिजनों ने बताया कि किटिया देवी को शनिवार को नर्सिंग में भर्ती कराया था, जहां उसका पथरी का ऑपरेशन हुआ. इसके बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. घर जाने के बाद महिला को पेट में दर्द की शिकायत पर सोमवार को उसे दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने कहा कि मरीज को डेंगू हो गया है. इसके बाद उसे ब्लड चढ़ाया गया, लेकिन उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ और शुक्रवार की सुबह उसकी मौत हो गयी.

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने इलाज में घोर लापरवाही बरती. मरीज को कंपाउंडर के भरोसे छोड़ दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि मरीज की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन बकाया 11 हजार रुपये जमा करने के बाद ही शव ले जाने की बात कही, जिससे परिजन उग्र हो गए और जमकर हंगामा किया. सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और जांच में जुट गई.

कंप्यूटर ऑपरेटर की संदिग्ध हालत में मौत

धनबाद। सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहार कुल्ली में गुरुवार की देर रात व्यक्ति की मौत हो गई. बताया जाता है कि लगभग 45 वर्षीय हितेश सिंह कंप्यूटर ऑपरेटर का काम करता था. उसका गुरुवार देर रात किराएदार से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया. मृतक की मां ने दोनों के बीच हस्तक्षेप कर विवाद को खत्म कराया. मां हितेश को समझा-बूझाकर घर ले जा रही थी. तभी हितेश अचानक सीढ़ियों से फिसल कर गिर पड़ा. गिरने से रेलिंग के रॉड में उसका सिर टकरा गया, जिससे उसे चोट लग गई. घटना के बाद परिजनों ने आनन-फानन में उसे अशर्फी अस्पताल लेकर गए. जहां से घायल को बेहतर इलाज के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया. जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. हितेष के दो बच्चे और उनकी मां साथ रहते हैं.

सफलता टाटानगर आरपीएफ को मिली सफलता, चोरी के आभूषण बरामद किए गए

ट्रेनों में चोरी करने वाले सांसी गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता। जमशेदपुर

हरियाणा के रहने वाले है सभी : आरपीएफ प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में हरियाणा का रहने वाला टिंकू उर्फ मोटा और बलवंत उर्फ काला शामिल है. जबकि दो अन्य साथी बिट्टू कुमार और अनूप सिंह फरार होने में कामयाब हुए है, जिनकी तलाश की जा रही है.

पूरे देश में चलती ट्रेन से यात्रियों के आंख में धूल झोंककर चोरी करने के मामले में सांसी गैंग के दो सदस्यों को आरपीएफ की फ्लाइंग स्क्वायड की टीम ने गिरफ्तार किया है. शुक्रवार को इसकी जानकारी टाटानगर आरपीएफ प्रभारी संजय कुमार तिवारी ने दी. उन्होंने बताया कि टाटानगर व आसपास के स्टेशनों में ऐसे कई मामले दर्ज हुए हैं जिनमें हरियाणा के इस सांसी गैंग की संलिप्तता सामने आई है. बताया जाता है कि राउरकेला से टाटानगर आ रही इस्पात एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर कर रहे चार लोगों को आरपीएफ ने आदित्यपुर स्टेशन के पास पकड़ने की कोशिश की, तो उनमें से तीन भाग गए जबकि एक पकड़ा गया. बाद में उसके एक अन्य साथी को आदित्यपुर यार्ड के पास से पकड़ लिया गया. इनके दो अन्य साथी भागने में सफल रहे. जांच के दौरान पैड मोबाइल, तीन हजार रुपये नकद, चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार और लगभग 3.50 लाख रुपए के चोरी के गहने बरामद हुए हैं.

मुंगेर से पकड़ाया शातिर चोर, भेजा जेल

मेदिनीनगर। डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर चोपन-गोमो पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने के क्रम में एक महिला यात्री के पर्स से आठ लाख के गहने गायब कर दिए गए. महिला ने इस संबंध में राजकीय रेल थाना पुलिस (जीआरपी) डालटनगंज में मामला दर्ज कराये जाने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिहार के एक शातिर चोर को स्टेशन परिसर से गिरफ्तार किया है. महिला चोर और उसके गैंग के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है. आरोपित चोर को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के गुरहा भरतपुर निवासी बबलू कुमार सिंह की 35 वर्षीय पत्नी नमिता देवी 12 दिसंबर को अपने पति और बच्चों के साथ रामगढ़ जाने के लिए डालटनगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर चोपन-गोमो ट्रेन में चढ़ रही थी. इसी क्रम में उसके पर्स से लाखों के गहनों से भरा डब्बा गायब कर दिया गया. सीसीटीवी फुटेज से जांच करने पर पता चला कि पारो देवी नामक महिला नमिता देवी के पर्स से गहनों को गायब किया है. सीसीटीवी फुटेज में महिला के साथ मौजूद गैंग के अन्य सदस्य भी नजर आए. जांच के क्रम में गैंग के शातिर चोर विपिन कुमार मंडल उर्फ कैला को स्टेशन परिसर से गुरुवार को गिरफ्तार किया गया. बिहार के मुंगेर जिले के बलियारपुर पड़ैया निवासी के रूप में उसकी पहचान हुई. पूछताछ की गयी तो उसने बताया कि उसके गैंग में 6-7 लोग हैं.

पति-सास की प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने खाया जहर

संवाददाता। धनबाद

करमाटांड़ की रहने वाली युवती ने शुक्रवार को जहर खाकर जान देने का प्रयास किया. आनन-फानन में युवती को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया. जहां इलाज के दौरान जानकारी मिली की युवती ने फिनाइल पी ली है. इधर, भर्ती कराने वाले परिजन ने बताया कि ईशा दुबे की शादी बीते 3 दिसंबर को जमशेदपुर के रहने वाले संतोष तिवारी से हुई थी. शादी के दूसरे दिन से ही उसे ससुराल में प्रताड़ित किया जाने लगा. युवती को एक कमरे में बंद कर मोबाइल छीन लिया गया और अपने परिजनों से कभी बातचीत नहीं करने की धमकी दी गई. बीते 11 दिसंबर को युवती अपने माइका पति के साथ पहुंची थी. युवती का आरोप है कि यहां भी उसके पति ने उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती करने का प्रयास किया. इस बीच युवती को अपने दोस्तों से भी मिलने से मना कर दिया गया. आखिरकार युवती ने तंग आकर माइका में ही शुक्रवार को फिनाइल पी लिया. युवती ने अपने एक दोस्त को सोशल मीडिया के जरिए एक सुसाइड नोट भी भेजा था. युवती की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताया जा रहा है. वहीं, जहर पीने की बात सुन युवती का पति अस्पताल से फरार हो गया. शुक्रवार देर शाम तक सरायढेला पुलिस ने युवती का फर्द बयान दर्ज नहीं किया था.

स्पीकर से मिले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पुष्पगुच्छ से हुआ अभिवादन

रांची । झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पीकर रविंद्र नाथ महतो से मुलाकात की. सीएम ने विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष से मिले और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया. इस क्रम में मुख्य सचिव एल ख्यांगते ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया. मंत्रिमंडल समन्वय सचिवालय विभाग की सचिव वंदना दादेल ने भी सीएम से मुलाकात कर उनका स्वागत किया. झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर ने भी सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की.

आईटी, ईडी और सीबीआई में भाजपा अपने नेताओं को नियुक्त करे : मिथिलेश

रांची। धीरज साहू प्रकरण को लेकर सदन के बाहर भाजपा के विरोध प्रदर्शन पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि इनकम टैक्स विभाग ने अब तक मामले में कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा है. उधर भाजपा धीरज साहू की गिरफ्तारी की मांग कर रही है. इनकम टैक्स, ईडी, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियां तो केंद्र की भाजपा सरकार के नियंत्रण में है. ऐसा लग रहा है कि अब तो भाजपा को इन एजेंसियों पर भी भरोसा नहीं है. इसका एक ही रास्ता है. भाजपा दिल्ली से लेकर रांची तक इन केंद्रीय एजेंसियों के डायरेक्टर और अधिकारियों के पद पर अपने नेताओं को नियुक्त कर दे.

धीरज साहू कैश कांड को लेकर सदन के बाहर बीजेपी ने किया जमकर हंगामा

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से संबंधित कंपनी के ठिकानों पर आईटी रेड का मामला गूंजा. धीरज साहू के ठिकानों से 500 करोड़ की बरामदगी को लेकर विपक्ष (भाजपा) ने सदन के बाहर हंगामा किया. वे सवाल उठा रहे थे कि 500 करोड़ किसका. पत्थर चोरी, कोयला चोरी, बालू चोरी या ट्रांसफर पोस्टिंग का. इस दौरान भाजपा के विधायक लगातार सीबीआई जांच की मांग करते नजर आये. हंगामे के दौरान अनंत ओझा, बिरंची नारायण, नीरा यादव, राज सिन्हा, जयप्रकाश भाई पटेल, समरी लाल और ढुल्लू महतो मौजूद रहे.

स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने स्थानीय नीति विधेयक पर राज्यपाल की टिप्पणी पढ़ी

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है. विपक्ष ने सदन के बाहर धीरज साहू प्रकरण को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर यह बता दिया है कि यह सत्र हंगामेदार होगा. सदन की कार्यवाही 11 बजकर 07 मिनट में शुरू हुई. स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के तहत इस सत्र के लिए सभापति, कार्य मंत्रणा समिति और विशेष आमंत्रित सदस्यों के नामों की घोषणा की. इसके बाद स्थानीय नीति विधेयक पर राज्यपाल की और से की गयी टिप्पणी को हुबहू सदन में पढ़ा. उसके बाद उन्होंने पिछले सत्र से इस सत्र के बीच दिवंगत हुए समाजसेवी, राजनेता, खिलाड़ियों और आम लोगों को श्रृद्धांजलि दी. स्पीकर के बाद सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने शोक प्रस्ताव पढ़ा.

विधान सभा सत्र : कांग्रेस विधायकों ने प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगन किये जाने को गलत बताया, बोले

जेएसएससी और सीजीएल की परीक्षाएं स्थगित किया जाना अत्यंत गंभीर विषय

शुभम संदेश टीम । रांची

झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 16 और 17 दिसंबर को होने वाली जेएसएससी सीजीएल परीक्षा-2023 को स्थगित कर दिया था. अब यह परीक्षा नये साल के पहले महीने 21 और 28 जनवरी को ली जायेगी. कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा स्थगित करने को अत्यंत गंभीर विषय बताया. कहा कि हमने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री जी से बात कर आग्रह किया कि इस पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाये. आगे कहा कि गवर्नमेंट सेंटर पर एग्जाम नहीं होते हैं.

सभी परीक्षाएं प्राइवेट सेंटर पर होते हैं. वही सेंटर रेलवे, प्राइवेट कंपनियों, केंद्र और राज्य सरकार का एग्जाम लेती हैं. कहा कि एग्जामिनेशन के डेट निर्धारित कर दी गयी थी. लेकिन सेंटर उपलब्ध नहीं होने के कारण निर्धारित तिथि पर एग्जाम कंडक्ट नहीं हो सका. आगे कहा कि अगर सरकार का अपना सेंटर होगा तो हम इस समस्या से उबर पायेंगे.

शुभम संदेश की कटिंग लेकर सदन पहुंचीं शिल्पी

रांची । वन संरक्षण कानून का मामला शुभम संदेश व लगातार डॉट इन प्रमुखता से प्रकाशित कर रहा है. विधानभा शीतकालीन सत्र के पहले दिन मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की शुभम संदेश अखबार की पेपर कटिंग लेकर सदन पहुंचीं. उन्होंने कहा कि कोई भी वन संरक्षण के मुद्दों पर बात नहीं कर रहा है. झारखंड में जल जंगल जमीन वाली मुद्दों पर बात नहीं हो रही है. उन्होंने इस मुद्दे को सदन के अंदर उठाने की बात कही है .बता दें कि केंद्र सरकार वन संरक्षण कानून में बदलाव ला रही है. इसको लेकर वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक 2023 लाया गया है, जो लोकसभा और राज्यसभा से पारित हो गया है. वहीं सरकार चाहती है कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी लागू हो. इस पर भी गहराई से विचार-विमर्श जारी है.

सत्र खत्म होने के बाद बैठक कर मुद्दे पर होगी चर्चा

इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जेएसएससी का एग्जाम होना था, लेकिन अचानक जेएसएससी ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा कि एजेंसी अभी एग्जाम नहीं ले सकती है इसलिए परीक्षा को स्थगित कर दिया गया. कहा कि परीक्षा स्थगित होने से कही न कही एजेंसी पर भी सवाल उठते हैं. सरकार किसी की भी होरोजगार और युवाओं से जुड़े मुद्दे पर हम गंभीर है. कहा कि सीएम से इस मुद्दे पर बात की तो उन्होंने कहा है कि विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद इस पर बात की जायेगी. जेएसएससी के साथ बैठक कर एक तिथि निर्धारित की जायेगी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने क्या-क्या किया

- झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र की बैठक में शामिल हुए.
- विधानसभा में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में भी शामिल हुए.
- खूंटी में आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए.
- रांची के प्रोजेक्ट भवन मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक में शामिल हुए.

रांची में ही रहे सभी कैबिनेट मंत्री

रांची । हेमंत सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री शुक्रवार को रांची में ही रहे. शुक्रवार सुबह 11 बजे शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने विधानसभा पहुंचे. सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो से मुलाकात की. सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम और श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता खूंटी पहुंचे और खूंटी के कचहरी मैदान में आयोजित आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए. वहीं स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख नेपाल हाउस स्थित अपने विभाग पहुंचे. मंत्रियों ने विधानसभा में आए सवालों पर विभाग के अफसरों से जानकारी ली. शाम चार बजे सभी मंत्री कैबिनेट की बैठक में हिस्सा लेने प्रोजेक्ट भवन पहुंचे.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, विधायकों मंत्रियों के वाहनों की भी हुई जांच

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार को प्रारंभ हुआ, जो 21 दिसंबर तक चलेगा. संसद में हुई घटना के बाद झारखंड विधानसभा में भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है. विधानसभा में आने वाली सभी गाड़ियों की जांच की जा रही है. बिना पास के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है. विधायक और मंत्रियों के भी वाहनों की चेकिंग हो रही है. इस मामले पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत है. सभी ने विधानसभा में अंदर प्रवेश करने से पहले गाड़ियों की जांच को सुरक्षा की दृष्टि से सही बताया. एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) राजेश्वर नाथ आलोक खुद सुरक्षा व्यवस्था का मुआयना कर रहे हैं. बता दें इस सत्र में 1000 से ज्यादा सुरक्षा बल लगाये गये हैं.

सदन की कार्यवाही 18 दिसंबर सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र के पहले दिन स्पीकर ने पिछले सत्र से इस सत्र के बीच दिवंगत हुए समाजसेवी, राजनेता, खिलाड़ियों और आम लोगों को श्रद्धांजलि दी. स्पीकर के बाद सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने भी शोक प्रस्ताव पढ़ा. शोक प्रकाश के बाद सदन की कार्यवाही 18 दिसंबर सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दशम चंद्र है. पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृषभ भाग्य का साथ मिलेगा, पर किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन क्रोध से बचें. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क दिन आनंददायक बीतेगा. पर पेट रोग से बचे. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर ले.

सिंह शिक्षा को ले कर व्यस्तता रहेगी. शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें.

कन्या माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनायें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें.

तुला किसी से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक कार्य और पराक्रम के बल पर अच्छा आय होगा. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर शारीरिक और मानसिक सुख मिलेगा, पर वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ बाहरी खर्चो से मन खिन्न होगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे.

मीन आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी.

'वाऊ सिनेमा' की पहली वर्षगांठ कल, होगा 'ब्लडी इश्क' का मुहूर्त

संवाददाता । संवाददाता

रांचीओटीटी प्लेटफार्म 'बाऊ सिनेमा' की पहली वर्षगांठ 17 दिसम्बर को शाम 6.00 बजे बिरसा चौक, रांची में स्थित 'होटल रासो' में धूमधाम से मनाया जाएगा. इस अवसर पर बॉलीवुड भोजपुरी एक्टर कुणाल सिंह, गायक सह एक्टर आलोक कुमार, अजीत आनंद (सिंगर एवं एक्टर), प्रिया राजपूत (एक्ट्रेट), हीरा लाल यादव (फाईट मास्टर) शामिल हो रहे हैं एवं हैदराबाद से कैमरा मैन भास्कर डोरनाला, शशि नाथ दूबे (निर्माता. एवं निर्देशक) बनारस के डीओपी संदीप गुप्ता भी मौजूद रहेंगे. इसके आलावा रांची से देवेश खान,आनंद जलान, सिराज अहमद, रीना सहाय, वर्षा ऋतु , रमन गुप्ता, रोहित आरके, इन्द्रजीत सिंह, उमे झारखंडी, कुमार गहलौत, विजय प्रभाकर, पंकज पप्पन, पवन रॉय, मोनू राज ,निगार सुल्ताना, गायिका वीणा श्री, कविता होरो, कैलाश जैक्शन, शिवानी जैक्शन के शामिल होने की संभावना है. उद्घोषक राज मौर्या एवं उद्घोषिका संतोष मृदुला कार्यक्रम का संचालन करेंगे. इस कार्यक्रम के दौरान एक हिन्दी फिल्म "ब्लडी इश्क " का मूहूर्त भी किया जाएगा. इस फिल्म की निर्मात्री हैं शबनम राज़. इसके आलावा लेखक निर्देशक प्रभात राज ,पटकथा संवाद पुष्पेन्द्र कुमार अनूप, गीतकार संजीव देव चौधरी एवं प्रभात राज़, अपूर्वा बनर्जी, डीओपी भास्कर डोरनाला एवं कैमरा मैन संदीप गुप्ता शामिल हैं. इस फ़िल्म के मुख्य कलाकारों में संजय मौर्य, प्रिया राजपूत, साना भट्टाचार्या, कुणाल सिंह, देवेश खान, प्रभात राज, सिराज अहमद, एस०एम० मेहदी आदि है.

वर्षगांठ के अवसर पर श्रेणीबद्ध एवार्ड

'वाऊ सिनेमा' लाइफ टाइम एचिवमेन्ट एवार्ड, 'वाऊ सिनेमा' मेम्बर्स एप्रिशियशन एवार्ड 2023, प्रेस मीडिया प्रोत्साहन एवार्ड 2023, स्मारिका 'लेखन प्रोत्साहन' एवार्ड 2023, सिंगर्स प्रोत्साहन 'एवार्ड 2023, 'वाउ सिनेमा' स्पेशल एवार्ड 2023, उद्घोषक प्रोत्साहन एवार्ड 2023, विज्ञापन दाता प्रोत्साहन एवार्ड 2023, मुख्य अतिथि सम्मान एवार्ड 2023, विशेष अतिथि सम्मान एवार्ड 2023 तथा अतिथि प्रोत्साहन मोमेन्टो एवार्ड 2023.

धीरज साहू झारखंड प्रदेश के अडानी-अंबानी हैं : डॉ इरफान अंसारी

रांची। धीरज साहू कैश कांड पर कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि धीरज बाबू वाला कोई मामला ही नहीं है. वह एक कारोबारी हैं और व्यावसायिक मामला अलग है. वह झारखंड के अडानी अंबानी हैं. आगे कहा कि वह मददगार हैं, इसलिए वह दोषी नहीं है. जब उनसे पूछा गया कि क्या 300 करोड़ रखना उचित है. इस पर इरफान अंसारी ने जवाब दिया कि हमलोग को भी समझ में नहीं आ रहा है. आगे कहा कि यह सवाल उनसे इनकम टैक्स वाला न पूछेगा कि बीजेपी वाला पूछेगा. आगे कहा कि बीजेपी वाले खुद को पाक (पवित्र) समझ रहे हैं ? इरफान अंसारी ने कहा कि हमलोग धीरज साहू के साथ खड़े हैं. वह मददगार हैं. इसलिए लोहरदगा में हजारों लोग रो रहे हैं. आगे कहा कि देश जब कंगाली के कगार पर था, तब साहू परिवार ने देश की मदद की. आगे कहा कि बीजेपी के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे इसको उठा रहे हैं. उन्होंने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि सदन में आइये, आपके एक-एक सवाल का जवाब देंगे.

क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट ने आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर को सौंपा ज्ञापन

डिलिस्टिंग महारैली रद्द करने की उठायी मांग

संवाददाता । रांची

ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट ने आरएसएस और वनवासी कल्याण केंद्र द्वारा 24 दिसंबर को रांची के मोरहाबादी में होने वाली डिलिस्टिंग महारैली को रद्द करने की मांग उठायी है.

शुक्रवार को ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के झारखंड प्रदेश महासचिव, प्रवीण कच्छप की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम से मुलाकात कर ज्ञापन सौपा है. प्रतिनिधिमंडल के लोगों ने कहा कि 24-25 दिसम्बर को ईसाई समुदाय का मुख्य क्रिसमस त्योहार है. इस पर्व को लेकर पूरा ईसाई समुदाय खुशियां मना रहा है. इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है.खुशी के त्योहार में बाधा पहुंचने एवं माहौल खराब होने का डर सता रहा है. 24 दिसम्बर को भाजपा नेता कडिया मुंडा द्वारा घोषित उलगुलान आदिवासी डिस्टिलिंग रैली को रोका जाए, ताकि ईसाई समुदाय हर्षोउल्लास के साथ क्रिसमस मना सके. हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदाय के त्योहारों पर सरकार व प्रशासन शांति और उल्लास के साथ त्योहार मनाने के लिए समान रूप से अवसर प्रदान करता आया है. डिलिस्टिंग रैली में ईसाई और मुस्लिम धर्म अपनाने वाले आदिवासियों को जनजाति कोटे से बाहर करने और उनका आरक्षण रद्द करने की मांग की जाएगी. ऐसे में ईसाइयों के सबसे प्रमुख त्योहार के दिन इस तरह की ईसाई विरोधी रैली और हेट स्पीच देना कहां तक न्यायसंगत है. प्रतिनिधिमंडल में शामिल फ्रंट के संयोजक प्रवीण कच्छप, प्रदेश अध्यक्ष कुलभूषण डुंगडुंग, झारखंड प्रदेश सपा अध्यक्ष अजीत बाखला, अलेक्स लकड़ा, समीर हेंब्रम शामिल थे.

शमशेर आलम से मिलते क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के प्रतिनिधि.

गुरु नानक स्कूल में छात्रों की करियर काउंसलिंग

रांची। गुरु नानक स्कूल में 9वीं 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए यूनिवर्सिटी एक्सपोजर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के तहत एसआरएम और चितकारा विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसरों ने छात्रों की करियर काउंसलिंग की. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को बोर्ड परीक्षा के बाद पाठ्यक्रम के चुनाव में होने वाले असमंजस की स्थिति में उनका मार्गदर्शन करना था, ताकि विद्यार्थी अपने करियर के लिए सही निर्णय ले सकें.

पशुधन विकास योजना कृषि मंत्री ने कांके में किया पशु-पक्षी मेला सह प्रदर्शनी का उद्घाटन

एक ट्रेंड किसान 50 किसानों को कर सकता है प्रशिक्षित

संवाददाता । रांची

कृषि मंत्री बादल ने कहा कि लगातार जलवायु परिवर्तन की वजह से राज्य का किसान बीते दो वर्षों से लगातार प्रभावित हो रहा है. खेती किसानी और बाड़ी पर हमारे राज्य के किसानों की आजीविका निर्भर है. ऐसे में मॉनसून की बेरुखी की वजह से कृषि की पैदावार प्रभावित हुई है. इसलिए किसानों को खेती के साथ-साथ बाड़ी पर भी फोकस करने की जरूरत है. वह शुक्रवार को कांके स्थित क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत पशु पक्षी मेला सह प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि हमें वैकल्पिक उपाय तलाशने होंगे. इसके लिए पशुधन से बेहतर विकल्प और कोई नहीं हो सकता है. अगर एक किसान प्रशिक्षित होता है तो वह किसान अपने गांव और क्षेत्र में 50 किसानों को व्यवहारिक तौर पर प्रशिक्षित कर सकता है.

पशुओं के लिए एंबुलेंस सेवा शीघ्र

कृषि मंत्री ने कहा कि जल्द ही विभाग पशुधन के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए मोबाइल वेटनरी एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत करने जा रहा है. उस एंबुलेंस में डॉक्टर, कंपाउंडर, दवा, जांच और सर्जरी की व्यवस्था होगी. इस हेतु टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. इस योजना के तहत हर एम्बूलेंस में तीन विशेषज्ञों की टीम हमेशा मौजूद रहेगी, जो पशुपालकों के घर पर जाकर पशुओं का इलाज करेगी. वहीं पशुधन बीमा का प्रस्ताव भी विभाग तैयार करने जा रहा है, इसके लिए कई राज्यों के मॉडल का अवलोकन किया जा रहा है. जल्द ही राज्य में बेकन फैक्ट्री को फिर से शुरू करने जा रहे हैं.

दूध पर 3 रुपये प्रति किलो की दर से दी जा रही है अतिरिक्त सब्सिडी

विभाग की ओर से किसानों को सशक्त बनाने के लिए दूध पर 3 रुपये प्रति किलो की दर से अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है. इससे कई महिलाओं के खाते में बड़ी रकम दुर्गापूजा के दौरान विभाग द्वारा भेजी गई है. वहीं सरकार पशु शेड निर्माण और गो पालन हेतु 75 और 90 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराने जा रही है. राज्य की जीडीपी में कृषि का योगदान 20 प्रतिशत हो इसके लिये हम प्रयासरत हैं. वीडियो के माध्यम से भी बादल ने खूंटी और रामगढ़ में लाभुकों के बीच पशु का वितरण किया.

पशुधन योजना से राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था हो रही सशक्त : रंजन

राज्य गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पशुधन योजना से राज्य की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था सशक्त होती जा रही है. बंद और सुस्त पड़े फॉर्म को जीवित करने का प्रयास इस बात की गवाही है कि विभाग पूरी निष्ठा के साथ दायित्व निभा रहा है.

रांची के प्रसिद्ध न्यूरो फिजिशियन डॉ. सुधीर रंजन को पितृशोक

रांची। रांची के प्रसिद्ध न्यूरो फिजिशियन डॉ. सुधीर रंजन के पिता जयनारायण प्रसाद का गुरुवार की रात निधन हो गया. वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे. पिछले 10 दिनों से उनकी तबीयत गंभीर बनी हुई थी. उन्होंने रात में करीब एक बजे अंतिम सांस ली. प्रसाद के बड़े पुत्र डॉ. राजीव रंजन ने शुक्रवार को हरमू मुक्तिधाम में मुखाग्नि दी. प्रसाद अपने पीछे दो पुत्र के अलावा तीन पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनकी अंतिम यात्रा में रांची के गणमान्य लोगों के अलावा कई प्रसिद्ध चिकित्सक, उनके रिश्तेदार और आमजन शामिल थे.

झारखंड में बेरोजगारों की स्थिति जटिल होती जा रही है. खासकर उनकी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपना भविष्य संवारने में लगे हैं. कब होगी परीक्षा, कब मिलेगी नौकरी यह चिंता उन्हें खाए जा रही है. भविष्य को लेकर उनके सपने अब टूटने लगे हैं. कई बार जेएसएससी की झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त परीक्षा का फार्म वे भर चुके हैं. तैयारी भी की, पर ऐन वक्त पर परीक्षा स्थगित हो गई. ऐसा एक बार नहीं बल्कि कई बार हुआ. अब तो इस परीक्षा की नई तिथि भी जारी हो गई है. उसके मुताबिक परीक्षा 21 और 28 जनवरी 2024 को होगी. पर अभ्यर्थी अभी भी संशय में हैं कि उक्त तिथि को परीक्षा होगी या नहीं.बार बार परीक्षा के स्थगित होने से अभ्यर्थियों के मन में हताशा और निराशा घर करने लगी है. राज्य सरकार को कोसते हुए युवा कहते हैं कि यह सरकार हम युवाओं के लिए संवेदनशील नहीं है. हमारे भविष्य की इन्हें फिक्र होती तो कोई व्यवस्था जरुर हो जाती. परीक्षा आयोजन में इतना विलंब हो रहा है कि इसके लिए बहुतों की उम्र सीमा ही खत्म हो रही है. अपने भविष्य को लेकर कई तो दूसरे राज्यों में पलायन भी कर गए हैं. कुछ मन बना रहे हैं कि अब तो बाहर जाना तय है. अभ्यर्थियों की यह मानसिक स्थिति सरकार के लिए भी ठीक नहीं है. सरकार की लापरवाही की वजह से ही आयोग भी मनमानी कर रहा है. सरकार के स्तर पर इसमें सुधार करने की जरुरत है ताकि युवाओं का भविष्य धूल में न मिल जाए. राज्य के विभिन्न जिलों में शुभम संदेश की टीम ने इस मामले में जानकारी हासिल की है. पेश है रिपोर्ट...

समय पर परीक्षा नहीं होने से अभ्यर्थी हो रहे डिप्रेशन के शिकार

अब मरने लगे हैं आंखों में पल रहे सपने

- जटिल होती जा रही है झारखंड में बेरोजगारों की स्थिति
- जेएसएससी की झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त परीक्षा कई बार टली, अभ्यर्थियों में आक्रोश
- जनवरी में नई तिथि घोषित की गई है, पर अभ्यर्थी संशय की स्थिति में हैं कि इस बार भी परीक्षा होगी या नहीं
- कई दूसरे राज्यों में पलायन कर गए, कुछ पलायन करने के मूड में

चाईबासा

जेएसएससी की परीक्षा बार बार स्थगित होना ठीक नहीं : कार्तिक

पीजी विभाग के पूर्व छात्र प्रतिनिधि कार्तिक महतो ने कहा कि जेएसएससी की परीक्षा स्थागित होना सही नहीं है. झारखंड में शिक्षा को लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं दिख रही है. रोजगार की भारी कमी से यहां के अभ्यर्थी जूझ रहे है. अब लंबे समय से जेएसएससी की तैयारी करने में जुटे विद्यार्थियों को अब निराश हाथ लगी है. विद्यार्थियों के हित में सरकार को निर्णय लेने की जरूरत है.

सरकार को अब गंभीरता विचार करने की जरूरत : सनातन पिंगुवा

पीजी विभाग के छात्र संघ के पूर्व सचिव सनातन पिंगुवा ने कहा कि सरकार को अब विचार करने की जरूरत है. जबतक सरकार शिक्षा के हित में कोई कठोर निर्णय नहीं लेगी तबतक राज्य का विकास होना संभव नहीं है. शिक्षा के स्तर को अब बढ़ाने की जरूरत है. यहां जेपीएससी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर सरकार गंभीर दिखाई नहीं देती है.

दिन रात एक कर विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी करते हैं : पिपुन बारिक

टाटा कॉलेज के पूर्व छात्र पिपुन बारिक ने कहा कि जेपीएससी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर गंभीर नहीं है. दिन रात एक कर विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी करते है. लेकिन अचानक परीक्षा की तिथि स्थागित कर दी जाती है. इससे काफी निराश होती है. विद्यार्थियों के हित को लेकर सरकार को अब सोचने की जरूरत है.

धनबाद

आयोग की गलती का खामियाजा भुगत रहे अभ्यर्थी : तारिक अनवर

कतरास कॉलेज के हिस्ट्री ऑनर्स के छात्र तारिक अनवर ने बताया कि जिस प्रकार से बार-बार परीक्षाओं की तिथि बढ़ाई जा रही है. इससे तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति प्रभावित होती है. पढ़ाई के साथ वे जेपीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं. लेकिन वर्तमान स्थिति देखते हुए उन्हें भविष्य को लेकर चिंता हो रही है.

जनवरी में भी परीक्षा होगी इस पर भी संशय है : देवेंद्र पासवान

बीबीएमकेयू पीजी विभाग के विद्यार्थी देवेंद्र पासवान ने बताया कि बीते कई वर्षों से अभ्यर्थी वेकैंसी का इंतजार कर रहे थे. फॉर्म निकला तो तिथि फाइनल नहीं हो रही थी. तिथि फाइनल हुई तो उसे भी दिसंबर से बढ़ाकर जनवरी कर दिया गया. अब तो ऐसा लग रहा है जनवरी में भी विभाग सही समय पर परीक्षा ले लेगा इस पर भी संशय है. सरकार व विभाग अभ्यर्थियों की मनः स्थिति समझे और उनकी समस्या का जल्द-से-जल्द निवारण करें.

अभ्यर्थियों को धोखा दे रही सरकार : विष्णु विश्वकर्मा

कतरास कॉलेज कतरासगढ़ हिस्ट्री ऑनर्स सेमेस्टर फोर के विष्णु विश्वकर्मा ने बताया कि झारखंड में सरकार 23 वर्षों में 10 जेपीएससी की परीक्षा नहीं करवा पाई है. एसएससी सीजीएल की परीक्षा का भी यही हाल है. सरकार केवल विद्यार्थियों को धोखा देने का काम कर रही है. इससे बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ रही है. सरकार विद्यार्थियों की समस्या को समझे और त्वरित निर्णय लें. नहीं तो समस्या और भी बढ़ जाएगी.

परीक्षा तिथि बदलने से विद्यार्थियों को हुई परेशानी : रवि पासवान

विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्व विद्यालय के छात्र रवि पासवान ने कहा कि बीते पांच वर्षों में झारखंड सरकार ने हजारों युवाओं को रोजगार देने का काम किया है. लेकिन हाल के दिनों में जेपीएससी और सीजीएल की परीक्षा की तिथि में परिवर्तन होने से अभ्यर्थियों को थोड़ी परेशानी हुई है. लेकिन सरकार को विभाग पर लगाम लगाने की जरूरत है ताकि अभ्यर्थियों को ज्यादा परेशान नहीं होना पड़े. इसका ख्याल आगे भी रखा जाना चाहिए.

गिरिडीह

ठगने का काम कर रही है सरकार : पप्पू बर्नवाल

धनवार प्रखंड के छात्र पप्पू बर्नवाल ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार युवाओं को ठगने का काम कर रही है . प्रतियोगी परीक्षाओं को बार-बार रद्द होने से विद्यार्थी काफी निराश है . विद्यार्थी पिछले चार वर्षों से फार्म भरने और पढ़ाई के नाम पर अभिभावक का पैसा खर्च किया है . अब परीक्षा के लिए पैसा देने से अभिभावक भी इंकार कर रहे हैं.

सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रही : चिंटू सिंह

गांडेय प्रखंड के छात्र चिंटू सिंह ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रही है . ऊपर से परीक्षाओं की तिथि बार बार रद्द होने से छात्रों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है . सरकार द्वारा परीक्षा का विज्ञापन निकालने के बाद इसे स्थगित करने से छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी और नुकसान का सामना करना पड़ रहा है. सरकार इस पर ध्यान दे कि समय पर परीक्षा आयोजित की जा सके. ताकि युवकों को रोजगार से जोड़ा जा सके.

परीक्षा आयोजन में राज्य सरकार फैल : रितेश कुमार

जुमुआ प्रखंड के रितेश कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं में राज्य सरकार अब तक विफल साबित हुई है. विद्यार्थी लगातार परीक्षा के लिए फार्म भर रहे हैं और तैयारी भी कर रहे हैं, लेकिन एक्जाम नादिक आते ही कैंसिल हो जा रहा है. इससे प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थी परेशान है. परीक्षा के इंतजार में कई परीक्षार्थियों का उम्र भी समाप्त हो रहा है. उन्होंने राज्य के सीएम हेमंत सोरेन से निर्धारित तिथि पर परीक्षा लेने की मांग की है .

परीक्षाओं को लेकर सरकार गंभीर नहीं : ऋषभ सिन्हा

छात्र ऋभ सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर गंभीर नहीं हैं. हेमंत सोरेन की सरकार लोक लुभावन वादे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन सत्तासीन होते ही सभी वादों को भुला बैठी है. राज्य गठन के बाद पहली बार हेमंत सोरेन की सरकार ने परीक्षार्थियों को निराश किया है. उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से राज्य के युवाओं की समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करने की मांग की है. सरकार इस दिशा में जल्द कार्रवाई करे.

घाटशिला

यह परीक्षा पंचवर्षीय योजना की तरह लग रही है, पता नहीं कब होगी : सुनीता कुमारी

जेएसएससी की तैयारी कर रहे घाटशिला प्रखंड निवासी सुनीता कुमारी ने कहा कि सरकार छात्रों को जेएससी की परीक्षा तिथि निर्धारित कर रोजगार संबंधी अन्य जरुरी मुद्दे जैसे झारखंड पुलिस, दरोगा सहित तमाम रिक्तियों को दबाना चाह रही है. सरकार ने अपनी असफलता को छिपाने के लिए जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा की तिथि तय की है. प्रतियोगिता परीक्षाएं पंचवर्षीय योजना की तरह होने लगी है. फॉर्म भरने के बाद भी नियुक्तियां कब मिलेगी. इसको लेकर कुछ भी साफ नहीं रहता. जेपीएसी और सीजीएल की परीक्षा का आयोजन भी समय पर नहीं हो रहा है. प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं में काफी निराश है.

सरकार युवाओं को ठग तो नहीं रही है,हताशा बढ़ रही है : निर्मल कुमार

घाटशिला के सक्सेस ट्यूटोरियल क्लासेस के छात्र निर्मल कुमार ने बताया कि सरकार युवाओं को ठगने का काम कर रही है. प्रतियोगी परीक्षाओं को बार-बार रद्द किया जाना युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा है. साथ ही साथ दुर्भाग्यपूर्ण है छात्र-छात्राओं की उम्मीद पर पानी फिर रहा है. वह पढ़ लिखकर भविष्य में नौकरी हासिल करना चाहते हैं. लेकिन ऐसा नहीं होता दिख रहा है. इस परीक्षा को लेकर काफी उम्मीदें विद्यार्थियों में है. पर समय पर परीक्षा नहीं होने से वे अवसाद से घिर रहे हैं. सरकार को चाहिए कि परीक्षाएं निर्धारित समय पर आयोजित कराएं.

अब तो विद्यार्थी भुगत रहे हैं सरकार और सिस्टम का खामियाजा : जय सिंह

जेएसएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे जय सिंह ने कहा कि सरकार विद्यार्थियों को रोजगार देने के वादे को लेकर सत्ता में आई थी. लेकिन सरकार के सत्ता में बैठते ही वह अपने वादे को भूल गई है और अपने मनमानी करने में लगी है. सरकार का टर्म अब पूरा होने वाला है. पर सरकार की क्रियाकलापों में विद्यार्थी ठगा सा महसूस कर रहे हैं. सरकार और सिस्टम का खामियाजा यहां के विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है. ऐसे में युवाओं का पलायन कैसे रुकेगा. जितनी जल्द हो सके सरकार इस दिशा में पहल करे. पिछले कई सालों से राज्य में बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ रही है. सरकार इसका जल्द समाधान करे.

रांची

हम काफी परेशान हैं : कविश कुमार

अभ्यर्थी कविश कुमार ने कहा कि अब हम परेशान हो चुके हैं. जेएससीसी केवल तिथि जारी करता है,परीक्षा नहीं लेता है. आज हम काफी परेशान होकर यहां आए हैं. हमारा भी मन नहीं करता कि पढ़ाई लिखाई छोड़कर धरना प्रदर्शन करें. बार बार परीक्षा की तिथि बढ़ाना ठीक नहीं है.

लगता है परीक्षा फिर स्थगित होगी :सगोरिका

अभ्यर्थी सगोरिका मुर्मू ने कहा कि अचानक तिथि स्थगित कर फिर नई परीक्षा तिथि घोषित करना समझ से परे है. 21 तारीख को दो और परीक्षाएं हैं. संभव नहीं लग रहा कि यह परीक्षा होगी. सरकार इसी कारण को देखकर परीक्षा फिर से स्थापित कर देगी . आखिर कब तक हम तैयारी करते रहेंगे.

हम प्रदर्शन के लिए मजबूर हैं : भास्कर

अभ्यर्थी भास्कर ने कहा कि हम कक्षाओं में रहते हैं. लाइब्रेरी में पढ़ते हैं. हमें कोई शौक नहीं है कि धरना- प्रदर्शन और आंदोलन करें. लेकिन लग रहा है कि हमें ही सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया गया है. अब परीक्षा कब होगी पता नहीं. देखिए आगे क्या होता है.

हम आंदोलन नहीं करना चाहते : सतीश

अभ्यर्थी सतीश कुमार महतो ने कहा कि हम पढ़े या लड़े. हम विद्यार्थी हैं. हम आंदोलन नहीं करना चाहते. हमें किसी प्रकार के झंडा में नहीं फंसना है. बस हमें पढ़ाई करनी है, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करनी है और परीक्षा देनी है. लेकिन आयोग के रवैये को देख कर हमें सड़क पर उतरना पड़ रहा है.

बताए परीक्षा क्यों नहीं हो रही : महेश

अभ्यर्थी महेश कुमार ने कहा कि हम पूरी मेहनत से पढ़ाई करते हैं, पर परीक्षा की तिथि बदल जाने से काफी निराश हाथ लगती है. परीक्षा क्यों नहीं हो रही है यह समझ से परे है. हमारी मांग है कि जेएससीसी के चेयरपर्सन इसका जवाब दें. क्या कारण है कि बार बार परीक्षा को स्थगित करनी पड़ रही है.

परीक्षा क्यों नहीं होती है : विशाल कुमार

अभ्यर्थी विशाल कुमार यादव ने कहा कि एसएससी में परीक्षा फॉर्म तो 2015 से ही भरा जा रहा है. परीक्षा की तिथि भी निकाली जाती है, पर परीक्षा नहीं होती है. बार बार परीक्षा की तिथि स्थगित होने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए, नहीं तो हमारा आंदोलन जारी रहेगा.

जेएसएससी कार्यालय पर छात्रों का रोषपूर्ण प्रदर्शन

एक ने आत्मदाह की कोशिश की, पुलिस ने हिरासत में लिया

रांची।जेएससीसी की परीक्षा की तिथि बार बार स्थगित होने के विरोध में शुक्रवार को छात्रों ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय का घेराव कर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया. आयोग के रवैये से छात्र इतने मर्माहत थे कि एक छात्र ने अपनी पीड़ा से तंग आकर आत्मदाह करने की कोशिश की. जिसे पुलिस हिरासत में ले लिया.छात्रों में काफी आक्रोश था.आत्मदाह करने वाले छात्र को पुलिस ने रोका और उसे हिरासत में ले लिया. दरअसल 16 और 17 दिसंबर को जेएसएससी सीजीएल परीक्षा होनी थी. लेकिन परीक्षा से लगभग एक सप्ताह पहले परीक्षा की तिथि एक दिन आगे बढ़ा दी गई . फिर एक दिन बाद परीक्षा की तिथि की घोषणा की गई . इसी बीच छात्रों ने जेएसएससी कार्यालय का घेराव का निर्णय लिया. मालूम हो कि 2015 से सीजीएल की परीक्षा नहीं हुई है . सीजीएल के लिए अब तक 5 बार फार्म भरा चुके हैं . हर बार परीक्षा की तिथि को टाला गया या तो अन्य कारणों से परीक्षा स्थगित कर दी गई .

कब तक इंतजार करते रहेंगे : किशुन

अभ्यर्थी किशुन साव ने कहा कि एक मूवी की डायलॉग के डायलाग तारीख पर तारीख की तरह यह परीक्षा लग रही है.आयोग हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है. आखिर हम लोग कब तक परीक्षा का इंतजार करते रहेंगे.

क्या होगा समझ में नहीं आ रहा : राहुल

राहुल रंजन ने कहा कि हमारा क्या होगा यह समझ में नहीं आ रहा है. हमारा भविष्य मझधार में लटका हुआ है. कब परीक्षा ली जाएगी समझ में नहीं आ रहा है. मजबूर होकर हमें सड़क पर उतरना पड़ रहा है. सरकार को इसका जवाबा देना चाहिए.

तो फार्म क्यों भरवाया जाता है : संतोष कुमार

अभ्यर्थी संतोष कुमार ने कहा कि मैं पिछले 4 साल से तैयारी कर रहा हूं,लेकिन इतने दिनों में जेएससीसी द्वारा एक भी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं की गई. जब परिक्षा लेना ही नहीं होता तो बच्चों से फार्म क्यों भरवाया जाता है.

हम पढ़ लिख कर सड़कों पर : पियूष

अभ्यर्थी पियूष शर्मा ने कहा कि हम मन लगाकर सालों से पढ़ाई करते है, इस उम्मिद में कि हमें अच्छी और नौकरी मिल स. लेकिन जेएससीसी ने पिछले कई सालों से कोई भी नियुक्तियां नहीं निकाली है. हम पढ़ लिख कर सड़कों पर मारे मारे घूम रहे हैं.

संभव हो परीक्षा रद्द होगी : रश्मी भेंगरा

अभ्यर्थी रश्मी भेगरा ने कहा कि जेएससीसी ने कई बार परीक्षा का डेट निकाला लेकिन परिक्षा नहीं ली. इस बार भी परिक्षा की तारीख अचानक आगे बढ़ा दि गई. और इस बार भी संभावना यही है कि परीक्षा रद्द कर दी जाएगी.

भविष्य के साथ खेल रही है : सुमन

अभ्यर्थी सुमन कुमारी ने कहा कि घर वाले अब शादी करने के लिए दबाव बना रहे है. मै पिछले 6 सालो से तैयारी कर रही हूं. लेकिन जेएससीसी द्वारा आजतक एक भी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है. जेएससीसी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है.

अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे : शक्ति कुमार

शक्ति कुमार ने कहा कि अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे. आखिर हम क्या करें. हमारा भविष्य बर्बाद हो रहा है, सरकार और आयोग को सोचना चाहिए कि आखिर कब तक इस तरह से चलेगा. सरकार को गंभीरता से विचार कर पहल करनी चाहिए.

चांडिल

कथनी और करनी में काफी अंतर : शंकर हांसदा

छात्र शंकर हांसदा ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की कथनी और करनी में काफी अंतर है. परीक्षा की तिथि प्रकाशित करने के बाद एक भी परीक्षा ऐसा नहीं है तो हो सका है. हर बार किसी ना किसी कारण से तय परीक्षा की तिथि को रद्द करना पड़ता है. अब परीक्षा के लिए नई तिथि को भी परीक्षा होगी इसकी कोई गारंटी नहीं है. यहां वगैर कोर्ट गए नौकरी नहीं मिल रही है. झारखंड बनने के बाद ना जेएससी का सही ढंग से संचालन हो सका है और ना जेपीएससी का. दोनों ही महत्वपूर्ण संस्थान हमेशा विवादों में ही रहता है, जो राज्य के शिक्षित युवाओं के हित में नहीं है.

उम्र सीमा भी समाप्त हो चुकी है, क्या करें : शंभू टुडू

परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र शंभू टुडू ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग का रवैया छात्र-बेरोजगारों के हित में नहीं है. परीक्षार्थी दो से तीन बार तक फार्म भर चुके हैं, लेकिन एक बार भी परीक्षा नहीं ली गई. ऐसे में कई छात्रों का उम्र सीमा भी समाप्त हो चुकी है. कैलेंडर जारी नहीं हो रहा है. आखिर सरकार व आयोग की मंशा क्या है. सरकार और राजनीतिक दलों के नेता छात्र-युवाओं को अब वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है. ऐसे में समय पर परीक्षा नहीं होने से छात्र-बेरोजगारों के बीच असंतोष का माहौल बनता जा रहा है. ऐसे में युवाओं का आक्रोश कभी भी भड़क सकता है.

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ : जगन्नाथ टोप्पो

जेएससीएस के तहत होने वाली सीजीएल परीक्षा के लिए दो बार फार्म भर चुके छात्र जगन्नाथ टोप्पो ने कहा कि आयोग छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है. बार-बार परीक्षा स्थगित होने से छात्रों का भविष्य दांव पर लग रहा है. एक तो आयोग कभी भी परीक्षा को लेकर कैलेंडर जारी नहीं करता है. किसी तरह परीक्षा की तिथि प्रकाशित करती है तो उसे भी किसी कारणवश स्थगित करनी पड़ती है. आखिर आयोग के काबिल पदाधिकारियों की क्या तैयारी रहती है. परीक्षा की तैयारी करते करते छात्र बूढ़े हो चले हैं. ऐसे में छात्रों का पढ़ाई में किया गया मेहतन बेकार चला जा रहा है.

समय पर परीक्षा नहीं होने से निराशा : चांद कुंभकार

चांडिल के छात्र चांद कुंभकार ने कहा कि सरकार झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं को दिन प्रति दिन रहस्मय बनाती जा रही है. ताकि छात्र इस परीक्षा को भूल जाए. छात्र को झुठा दिलासा देकर बेरोजगारी की तरफ धकेला जा रहा है. परीक्षा की तैयारी कर रहे सभी छात्रों को समय पर परीक्षा नहीं होने ने निराशा हो रही है. फॉर्म भरकर भी परीक्षा नहीं दे पा रहे हैं, परीक्षा की तिथि घोषित करने के बाद उसे स्थगित कर दिया जा रहा है. इसके बाद तिथि पर तिथि तय की जा रही है. सरकार बनने से पहले कहा गया था कि रोजगार देंगे, लेकिन रोजगार की छोड़ दें सरकार परीक्षा भी नहीं ले पा रही है.

तैयारी करने में मन नहीं लगता : अश्विनी सिंह

परीक्षा की तैयारी कर रहे अश्विनी सिंह सरदार ने कहा कि वे आदिवासी समाज से है और सरकारी नौकरी के लिए बीते वर्षों से परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं. कई बार परीक्षा के लिए फार्म भरा लेकिन एक बार भी परीक्षा नहीं सके. इसका एकमात्र कारण समय पर एकबार भी परीक्षा का नहीं होना है. परीक्षा के तैयारी के दौरान वे मॉक टेस्ट भी देते हैं. परीक्षा की तिथि घोषित होने पर वे अपनी तैयारी बढ़ा देते हैं और अधिक मॉक टेस्ट देते हैं. लेकिन जब पता चलता है कि परीक्षा की तिथि स्थगित हो गया तो तैयारी करने में मन नहीं लगता है. बार-बार परीक्षा स्थगित होने से आयोग पर से विश्वास उठता जा रहा है.

लातेहार

बढ़ती जा रही है शिक्षित बेरोजगारों की संख्या: प्रिंस

लातेहार शहर के रेलवे स्टेशन निवासी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रिंस कुमार कहते हैं कि सरकार राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ाने का काम कर रही है. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के सामने आज विकट परिस्थिति हो गई है. समय पर परीक्षाओं के नहीं होने के कारण अभ्यर्थियों को उम्र सीमा निकलती जा रही है. एक तो राज्य में सरकारी कर्मचारी कमी है तो दूसरी ओर निर्धारित समय पर परीक्षाएं नहीं हो रही है. सरकार को इसे संज्ञान लेकर सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को नियमित कराना चाहिए, वर्षों से परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं छात्रों को उनके मेहनत का फल मिलना चाहिए.

परीक्षाओं का कैलेंडर जारी होना चाहिए: आर्दश कुमार

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं छात्र आदर्श कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार को परीक्षाओं का एक कैलेंडर जारी करना चाहिए, जैसा की केंद्र की परीक्षाओं में की जाती है. राज्य सरकार द्वारा कैलेंडर जारी किए जाने से छात्रों को सुविधा होगी. छात्र एक लक्ष्य निर्धारित कर परीक्षा में अपना ध्यान दे पाएंगे. आज प्रदेश में शिक्षित बेरोजगारी के फौज खड़ी हो गई है. परीक्षाएं नहीं होने कारण युवक बेरोजगार हो रह रहे हैं. कई तो दूसरे राज्यों की ओर रुख भी कर लिया है.वहीं कई बाहर जाने का मन बना लिया है. सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचने की जरुरत है.

परीक्षा स्थगित होने से आक्रोश है: अनु कुमारी

लातेहार की छात्रा अनु कुमारी ने कहा कि लगातार परीक्षाएं कैंसिल होने से छात्रों में आक्रोश है. यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है. सरकार को निर्धारित समय पर परीक्षाएं लेनी चाहिए, एक परीक्षाएं होती नहीं है उस पर अगर डेट फाइनल होता भी है तो उसे स्थगित कर दिया जाता है, इस कारण छात्रों को बहुत परेशानी हो रही है. समय पर परीक्षा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, राज्य में रोजगार की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. पिछले कई साल से रोजगार की तलाश में युवा बाहर का रुख कर रहे हैं. सरकार को इसके समाधान के लिए कदम उठाना चाहिए.

तिथि में बार बार बदलाव ठीक नहीं : मुकेश कुमार

बरवाडीह के मुकेश कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य कर्मचारी आयोग द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में बार-बार बदलाव किया जा रहा है. इससे छात्रों में असमंजस की स्थिति है. पिछले चार साल से परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. झारखंड में रोजगार की हालात काफी खराब है. परीक्षाएं होती हैं तो समय पर रिजल्ट नहीं आता है. कई बार परीक्षाएं विवादों में फंस जाती है, इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ता है. इसलिए सरकार ऐसी कोशिश करे कि समय पर परीक्षा आयोजित हो तथा रिजल्ट भी समय पर निकले.

युवाओं का संयम टूटता जा रहा है: अविनाश उरांव

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा छात्र अविनाश उरांव ने कहा कि चयन परीक्षायें नहीं होने से छात्रों का संयम टूटता जा रहा है. एक ओर युवाओं में नाराजगी है तो दूसरी ओर आक्रोश है. परीक्षाओं के इंतजार में छात्रों की उम्र निकलती जा रही है. तैयारी कर रहे छात्र इससे काफी गुस्से में हैं. सरकार एवं आयोग की लचर नीतियों के कारण छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है. मुख्यमंत्री को इस पर पहल करनी चाहिए और न सिर्फ परीक्षा समय पर ले बल्कि परीक्षाफल भी समय पर प्रकाशित करना चाहिए,इससे युवाओं को शीघ्र रोजगार मिल पाएगा. रोजगार की लेकर यहां स्थिति बहुत खराब है.

बेरमो

परीक्षाओं में हो रही देरी से बढ़ रही है निराशा : राकेश रजक

बेरमो के जारंगडीह उत्तरी पंचायत के 12 नम्बर कॉलोनी निवासी छात्र राकेश रजक ने कहा कि झारखंड में जेएससीसी की परीक्षा बहुत दिनों से नहीं हुई है. बार बार परीक्षा स्थगित होने से छात्र-छात्राओं में निराशा का भाव उत्पन्न होता है, प्रतियोगिता की तैयारी कर छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं. दिन रात छात्र मेहनत कर रहे हैं. परीक्षा नहीं होने के कारण विद्यार्थी मानसिक तनाव में रहते हैं. छात्र छात्राओं की चिंता से उनके अभिभावकों की भी परेशानी बढ़ती जा रही है.

विज्ञापन निकाले और छात्रों को नौकरी दे : इंदू कुमारी

इंदू कुमारी, गोमिया की छात्रा है. बीएड करने के बाद पीजी की पढ़ाई कर रही है. सरकार से अपेक्षा है कि जल्द से जल्द शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया शुरू करे. दिवंगत शिक्षा मंत्री शिक्षकों की बहाली की घोषणा कई बार की थी, लेकिन बहाली की प्रक्रिया शुरु नहीं हो सकी. अब सरकार के पास घोषणा करने के लिए कुछ नहीं बचा है. अब तो सरकार को चाहिए कि सीधे नौकरी का विज्ञापन निकाले और छात्रों को अवसर दे, तभी समस्याओं का समाधान हो पाएगा.

निलंबन और लोकतंत्र

अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र के मूलमंत्रों में एक है, लेकिन पिछले कुछ समय से दोनों सदनों से सांसदों के निलंबन की बढ़ती घटनाओं को व्यापक संदर्भ में देखने की जरूरत है. लोकतंत्र में 'परसेप्शन'यानी धारणा का विशेष महत्व होता है. पिछले कुछ समय से देश भर में यह धारणा जोर पकड़ रही है कि बोलने वालों को प्रताड़ित करने के बहाने तलाश ही लिए जाते हैं. लोकसभा से जिस तरह राहुल गांधी का (बाद में कोर्ट की दखल से वापसी) और उसके बाद महुआ मोइत्रा का निष्कासन हुआ, उसके भले ही अलग-अलग कारण रहे हों, लेकिन यह बात तेजी से प्रचारित हुआ कि एक खास कारपारेट घराने के खिलाफ बोलने के कारण ऐसा हुआ. लोकसभा से 14 विपक्षी संसदों के पूरे सत्र से निलंबन की घटना ने एक बार फिर इस बहस को तेज कर दिया है कि विपक्ष के विरोध, सवाल पूछने और सरकार को जवाब देने के लिए दबाव बनाने की प्रतिक्रिया उनके निलंबन का कारण है. सत्तापक्ष भले ही सदन के संचालन को बाधित करने के लिए इस कार्रवाई को न्यायसंगत ठहराता हो, लेकिन परसेप्शन के खेल में उसे नुकसान ही होता है. भारतीय संसद से निलंबन कोई नयी बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ सालों में जिस तरह निलंबन एक सामान्य प्रक्रिया बन गयी है, उससे अपने आप बहुत कुछ अभिव्यक्त होता है. लोकसभा में एक ऐसे सदस्य के निलंबन का एलान भी हुआ, जो सदन में मौजूद ही नहीं थे. बाद में भूल सुधार तो हुआ, लेकिन विपक्ष के आरोप को इससे संबल मिल गया. निलंबन और निष्कासन के संदर्भ में एक तुलना कांग्रेस कार्यकाल बनाम बीजेपी कार्यकाल से की जा सकती है. आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक साल 2004 से लेकर 2023 तक यानी करीब बीस सालों में कुल 184 बार सांसदों को निलंबित किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय में 43 बार और पीएम मोदी के समय में अब तक 141 बार सांसदों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है. इससे यह समझा जा सकता है कि कुल निलंबन का करीब 23 प्रतिशत कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में और 73 प्रतिशत बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में हुआ. राज्यसभा में तो पिछले दो ही सत्रों में तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन को दो बार निलंबित किया गया. दोनों ही बार पूरे सत्र के लिए डेरेक तीखे सवाल पूछे जाने के लिए मशहूर हैं. यहां एक बात गौर करने वाली है कि मनमोहन सरकार के दस साल के कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के एक भी सांसद को लोकसभा से निलंबित नहीं किया गया. वहीं नरेंद्र मोदी सरकार में लोकसभा से जिन सांसदों का निलंबन हुआ, उसमें करीब आधे सांसद कांग्रेस के थे. आंकड़ों की बात करें तो इस दौरान नौ मौकों पर कांग्रेस के 35 सांसदों को 43 बार निलंबित किया गया. कुछ ऐसे सांसद हैं, जिन्हें एक बार से ज्यादा निलंबन झेलना पड़ा है. संसदीय राजनीति में सदन की गरिमा महत्वपूर्ण है. इसे सभी पक्षों को याद रखने की जरूरत है.

> भारतीय संसद से निलंबन कोई नयी बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ सालों में जिस तरह निलंबन एक सामान्य प्रक्रिया बन गयी है, उससे अपने आप बहुत कुछ अभिव्यक्त होता है.

सुभाषित

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयान्नब्रूयात् सत्यंप्रियम्।
प्रियं च नानृतम् ब्रूयादेषः धर्मः सनातनः।।

सत्य कहो किन्तु सभी को प्रिय लगने वाला सत्य ही कहो. अप्रिय सत्य किसी व्यक्ति या समाज केलिए लाभकारी नहीं हो सकता. उस सत्य को मत कहो जो सर्वजन के लिए हानिप्रद है, इसी प्रकार से उस झूठ को भी मत कहो जो सर्वजन को प्रिय हो, यही सनातन धर्म है.

अजब भाई देस, गजब भाई राजा

कुछ दिनों बाद 2023 यादों में ही रहेगा केवल. 2024 दमकने वाला है. ठीक ऐसे ही 03 दिसंबर को आये पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद उनके मुख्यालयों में बतौर मुख्यमंत्री नये चेहरे दमकने को तत्पर हैं. छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा ने क्रमशः 10, 11 और 12 तारीख को जिन तीन लोगों को दमकाया, उनके नाम चौंका गये. राजस्थान के भजन लाल शर्मा ने अधिक चौंकाया. वे पहली बार एमएलए चुने गये हैं और चुनाव जीतते ही मुख्यमंत्री बना दिये गये.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

पांच साल पहले झारखंड से बतौर कांग्रेस प्रत्याशी तीसरी मर्तबा राज्यसभा सदस्य चुने गये धीरज साहू के परिवार के ठिकानों पर आठ दिनों से चल रही आईटी की कार्रवाई में 354 करोड़ कैश के अलावा सोना, जेवरात आदि की बरामदगी/जब्ती की गूंज दिल्ली तक रही. 14 दिसंबर को जब ये पंक्तियां लिखी जा रही थीं, तो 2016 के इन्हीं दिनों की याद आ गई. वे अचानक की गई नोटबंदी के दिन थे. 29-30 नवंबर 2016 को अहमदाबाद में आईटी रेड में एक छोटे-मोटे रीयल एस्टेट कारोबारी महेश शाह के हवाले से 13,860 करोड़ कैश की बरामदगी/जब्ती हुई थी. महेश महोदय गिरफ्तार किये गये थे. उन दिनों खबरिया जगत में कहा गया था कि इतनी बड़ी रकम अकेले महेश शाह की नहीं हो सकती. आगे का अहवाल मालूम नहीं. धीरज साहु को कम से कम झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के लोग जानते हैं कि वे रईस परिवार के हैं. उनका परिवार शराब उत्पादन और व्यवसाय से दशकों से जुड़ा हुआ है. इसके अलावा यह परिवार स्कूल, अस्पताल और होटल व्यवसाय में भी है. हर दिन खासी आमदनी अलग बात है लेकिन 354 करोड़ कैश अलग-अलग ठिकानों पर कैसे पड़ा हुआ था, यह तो वह परिवार ही बता सकता है. फिलहाल, धीरज साहु भाजपा के निशाने पर हैं. कांग्रेस ने उनको जवाबतलब किया है. जैसा कि खबरों में कहा गया, अधिकांश रकम की बरामदगी इस परिवार के ओडिशा स्थित दफ्तरों पर हुई. कहीं ऐसा न हो कि चुनावी साल में नवीन बाबू भी लपेट लिए जाएं.

कुछ दिनों बाद 2023 यादों में ही रहेगा केवल. 2024 दमकने वाला है. ठीक ऐसे ही 03 दिसंबर को आये पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद उनके मुख्यालयों में बतौर मुख्यमंत्री नये चेहरे दमकने को तत्पर हैं. छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा ने क्रमशः 10, 11 और 12 तारीख को जिन तीन लोगों को दमकाया, उनके नाम चौंका गये. राजस्थान के भजन लाल शर्मा ने अधिक चौंकाया. वे पहली बार एमएलए चुने गये हैं और चुनाव जीतते ही मुख्यमंत्री बना दिये गये. किस्मत हो तो भजन लाल जैसी. इनको हरियाणा वाले भजन लाल न समझ बैठें कृपया. वे बिश्नोई थे और हरियाणा का तीन बार मुख्यमंत्री रहने का रिकार्ड उनके नाम दर्ज हैं. उनके गुजरे तकरीबन 12 साल बीत गये.

बहरहाल, चाल, चरित्र और चेहरा तथा अनुशासन वाली पार्टी भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री तय करने में इतना वक्त ले लिया और तीनों ही राज्यों में दो-दो उपमुख्यमंत्री भी तय कर दिये. जब पर्ची कल्चर विकसित हो गया हो तो किसी को कुछ न ही कहना बेहतर. 03 दिसंबर को ही तेलंगाना के आये चुनाव परिणाम को अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता, लेकिन वहां कांग्रेस ने 07 दिसंबर को अनुमुला रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री तय कर उनके साथ एक डिप्टी सीएम लगा दिया था. सीएम के साथ डिप्टी सीएम बैठाने का प्रचलन हो सकता है कि एक या दो और बड़े चेहरे विकसित करने की मंशा हो. यह भी संभव है कि संबंधित दलों में सबकुछ ठीकठाक ही हो, लेकिन सबकुछ चौचक नहीं हो. यह अपने एमएलएज के तुष्टीकरण का भी जरिया हो सकता है. राजनीति में कुछ भी हो सकता है. पांचवें और सबसे छोटे किंतु सीमांत राज्य मिजोरम की भी चर्चा जरूरी है, जहां बहुमत के साथ उभरी एक तरह से नई-नवेली पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट के नेता पूर्व आईपीएस अधिकारी लालदुहोमा ने 07 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद संभाल लिया था. इन चुनावों को साढ़े तीन महीने बाद अप्रैल-मई 2024 में होनेवाले लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है. 2018 में हुए इन पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा कुछ भी हासिल न कर पाई थी, लेकिन कांग्रेस के टूटने/तोड़ने से मार्च 2020 में उसने मध्यप्रदेश की सत्ता हासिल कर ली थी. इस बार तो खुलेआम उसको तीन हिंदी प्रदेशों की सत्ता मिल गई. सो, वह बाग-बाग है. होना भी चाहिए.

जिस दिन एमपी में मोहन यादव की लॉटरी लगी और उनको मुख्यमंत्री घोषित किया गया, उसी दिन 11 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने चार साल पुराने जम्मू-कश्मीर मामले में विशेष दर्जा वाले अनुच्छेद-370 हटाने को सही करार देकर भाजपा की बांछें खिला दीं. अलग बात है कि उसी दिन जानी-मानी टीएमसी नेत्री महुआ मोइत्रा ने उनके साथ हुई कथित नाइंसाफी के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई. कैश फॉर क्वैरी मामले में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पर मुहर लगाते हुए 08 दिसंबर को स्पीकर द्वारा उनकी सांसदी निरस्त कर दी गई थी. यह दिसंबर देश के लिए बहुत ही इवेंटफुल लग रहा है. झारखंड में आईटी की कार्रवाई के अलावा ईडी की गतिविधियां भी कई मायने में इवेंट ही हैं. ईडी के रांची कार्यालय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन जारी कर 12 दिसंबर को उपस्थित होने को कहा था. हेमंत ने 12 दिसंबर को पत्र भिजवाकर ईडी से पूछ दिया कि मुझको आरोपी की तरह तलब किया जा रहा है, या सहयोग के लिए, पहले यह बताएं. जैसी कि खबरें मिल रही हैं, उनको जमीन मामले में 14 अगस्त से बीते चार महीने में छठी बार ईडी ने समन किया, लेकिन वे कोई न कोई कारण बताकर अबतक उसके दफ्तर नहीं गये. अब, एक छोटी सी अटकलबाजी. बाबूलाल मरांडी को झारखंड का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बने छह महीने से अधिक बीत गये. अभी तक प्रदेश कमेटी नहीं बनाई गई. अब संभवतः अगले साल मध्य जनवरी के बाद ही 'बाबूलाल कैबिनेट' दमके. कारण तो आपकी भी अटकलों में होगा ही.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

जड़ता और उड़ान

बहुत समय पहले की बात है, एक राजा को उपहार में किसी ने बाज के दो बच्चे भेंट किये. वे बड़ी ही अच्छी नस्ल के थे और राजा ने कभी इससे पहले इतने शानदार बाज नहीं देखे थे. राजा ने उनकी देखभाल के लिए एक अनुभवी आदमी को नियुक्त कर दिया. जब कुछ महीने बीत गए तो राजा ने बाजों को देखने का मन बनाया और उस जगह पहुंच गए जहां उन्हें पाला जा रहा था. राजा ने देखा कि दोनों बाज काफी बड़े हो चुके थे और अब पहले से भी शानदार लग रहे हैं. राजा ने बाजों की देखभाल कर रहे आदमी से कहा, ' मैं इनकी उड़ान देखना चाहता हूं , तुम इन्हें उड़ने का इशारा करो.' आदमी ने ऐसा ही किया. इशारा मिलते ही दोनों बाज उड़ान भरने लगे, पर जहां एक बाज आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा था, वहीँ दूसरा, कुछ ऊपर जाकर वापस उसी डाल पर आकर बैठ गया, जिससे वह उड़ा था . राजा को दोनों ही बाज प्रिय थे और वह दूसरे बाज को भी उसी तरह उड़ना देखना चाहते थे. अगले दिन पूरे राज्य में ऐलान करा दिया गया कि जो व्यक्ति इस बाज को ऊंचा उड़ाने में कामयाब होगा, उसे ढेरों इनाम दिया जाएगा. फिर क्या था , एक से एक विद्वान् आये और बाज को उड़ाने का प्रयास करने लगे, पर हफ़्तों बीत जाने के बाद भी बाज का वही हाल था, वह थोडा-सा उड़ता और वापस डाल पर आकर बैठ जाता. फिर एक दिन कुछ अनोखा हुआ, राजा ने देखा कि उसके दोनों बाज आसमान में उड़ रहे हैं. उन्हें अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ और उन्होंने तुरंत उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा, जिसने ये कारनामा कर दिखाया था. वह व्यक्ति एक किसान था. अगले दिन वह दरबार में हाजिर हुआ . उसे इनाम में स्वर्ण मुद्राएं भेंट करने के बाद राजा ने कहा ,' मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ , बस तुम इतना बताओ कि जो काम बड़े-बड़े विद्वान नहीं कर पाये, उसे तुमने कैसे कर दिखाया. 'मालिक ! मैंने तो बस वह डाल काट दी, जिस पर बैठने का वह आदी हो चुका था और जब वह डाल ही नहीं रही तो वह भी अपने साथी के साथ ऊपर उड़ने लगा.' दोस्तों, हम सभी ऊंचा उड़ने के लिए ही बने हैं. लेकिन कई बार हम जो कर रहे होते है उसके इतने आदि हो जाते हैं कि अपनी ऊँची उड़ान भरने की, कुछ बड़ा करने की काबिलियत को भूल जाते हैं .

निराशा से बाहर निकल आत्ममंथन की जरूरत

• राजनीति

हेमंत पाल

तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी सदमे में है. पार्टी की सबसे बुरी हार मध्य प्रदेश में हुई, जहां उसकी सत्ता में वापसी को लेकर कोई शंका नहीं थी. ताजपोशी की पूरी तैयारी हो चुकी थी कि अचानक भाजपा की सुनामी आ गई. जितनी सीटें भाजपा को मिलीं, वह अनपेक्षित-सा आंकड़ा है. कांग्रेस को परेशानी इसलिए है कि उसे प्रतिद्वंद्वी की ऐसी जीत की उम्मीद कतई नहीं थी. उसे अनुमान था कि मुकाबला कांटाजोड़ जरूर है, पर कांग्रेस बाजी मारकर सरकार बनाने लायक बहुमत पा लेगी. लेकिन, जो हुआ उसने प्रदेश नेतृत्व को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया. अब हार के कारण तलाशने के लिए मंथन हो रहा है. देखा जाए तो इसका कोई मतलब नहीं रह गया, जो होना था वह हो चुका. अब आने वाले पांच साल तक भाजपा ही मध्य प्रदेश की सत्ता में रहेगी और कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में! कमलनाथ पिछले 6 साल से मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. पार्टी की तरफ से वे ही मुख्यमंत्री का चेहरा भी थे. लेकिन, चुनाव नतीजों ने भाजपा को अव्वल साबित कर दिया. उसे 163 सीटें मिलीं और कांग्रेस मात्र 66 सीट पर सिमटकर रह गई. इस चुनाव में भाजपा को पिछले चुनाव के मुकाबले 57 सीटों का फ़ायदा हुआ. इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, सागर, दमोह और खंडवा जैसे शहरी क्षेत्रों में जिस तरह कांग्रेस की हार हुई, वह सबसे ज्यादा चिंता की बात है. इन शहरों में पार्टी का पूरी तरह सफाया हो गया. जहां तक हार के कारणों का सवाल है, तो कमलनाथ का सॉफ्ट हिंदुत्व का चुनावी प्रयोग पूरी तरह असफल रहा. कांग्रेस पर भाजपा ने हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया, जिसका जवाब देने के लिए कमलनाथ ने धार्मिक आयोजनों पर ध्यान दिया. हनुमान जयंती पर पार्टी दफ्तर में ही पूजा-पाठ करवाया गया. पार्टी में 'धार्मिक और उत्सव प्रकोष्ठ' के गठन के साथ धार्मिक कार्यक्रम करवाए गए. लेकिन, इससे हिंदुओं में पकड़ नहीं बनी, उल्टा मुस्लिम वोटर नाराज हो गए. यदि कांग्रेस की हार के कारणों की चीरफाड़ की जाए, तो कई ऐसे कारण सामने आएंगे, जो भाजपा की जीत को सही साबित करते हैं. कांग्रेस की हार के कारणों में उम्रदराज कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की बड़ी भूमिका रही. कमलनाथ भले 6 साल से प्रदेश अध्यक्ष हों, पर वे जन नेता नहीं हैं. वे रणनीति बना सकते हैं, पर उसे अमल कैसे किया जाए, ये वे नहीं जानते. उनमें एक कमजोरी संपर्क की भी है. पार्टी के कार्यकर्ता तो छोड़ विधायकों तक को उनसे मिलने से पहले कई औपचारिकताएं निभानी पड़ती हैं. यही कारण है कि उन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के बजाय कार्पोरेट कंपनी का मैनेजर ज्यादा कहा जाता है. निश्चित रूप से चुनाव में उनकी ये आदत पार्टी के लिए मुश्किल बनी है. ये उनकी संगठनात्मक खामी ही मानी जाएगी कि वे कांग्रेस को उस हालत में ले आए, जहां से उसके आगे बढ़ने की सारी संभावना ही ख़त्म हो गई. यही स्थिति दिग्विजय सिंह की भी है, वे पार्टी कार्यकर्ताओं पर गुर्राते ज्यादा दिखाई दिए. इन दोनों नेताओं की वजह से पार्टी में नई लीडरशिप को आगे आने का मौका नहीं मिला. इस बार ज्यादातर युवा नेता चुनाव हार गए, जिसके बाद भविष्य की संभावना भी ख़त्म हो गई. कांग्रेस और भाजपा की चुनावी रणनीति में मूल अंतर चुनाव लड़ने का है. भाजपा जहां उम्मीदवारों की घोषणा से मतदान तक उनके साथ खड़ी रहती है. कांग्रेस टिकट देकर उन्हें अकेला छोड़ देती है. ये हर बार देखा गया और इस बार भी इसमें कोई सुधार नहीं देखा गया. उम्मीदवारों की घोषणा के बाद पार्टी के संगठन ने चुनाव लड़ने में कहीं उनका साथ नहीं दिया. यहां तक कि जहां पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ विद्रोह हुआ, वहां भी संगठन ने ध्यान नहीं दिया. नतीजा यह हुआ कि जहां कांग्रेस की जीत लगभग तय मानी जा रही थी, वहां भी उसकी लुटिया डूब गई. ये सीधे-सीधे कांग्रेस संगठन की खामी ही मानी जाएगी कि वो पार्टी को एकजुट नहीं कर सकी. प्रदेश में कांग्रेस के दो ही नेता हैं दिग्विजय सिंह और कमलनाथ. लेकिन, इन दोनों की रणनीति और सारी चुनावी तैयारी भाजपा के सामने धरी रह गई. इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि दोनों की उम्र अब चुनावी राजनीति करने की नहीं रही. लेकिन, दोनों ही इसे स्वीकारने को तैयार नहीं. उनकी इस ज़िद की वजह से प्रदेश का युवा नेतृत्व उभर नहीं सका. अभी कांग्रेस के खाते में लोकसभा की 29 में से सिर्फ एक सीट है. केंद्रीय नेतृत्व भी असहाय है, कि वो कुछ नहीं कर सकता. विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने कांग्रेस की जो गत हुई, इसमें बहुत ज्यादा सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती.

> देखा जाए तो इसका कोई मतलब नहीं रह गया, जो होना था वह हो चुका. अब आने वाले पांच साल तक भाजपा ही मध्य प्रदेश की सत्ता में रहेगी और कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में! कमलनाथ पिछले 6 साल से मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. पार्टी की तरफ से वे ही मुख्यमंत्री का चेहरा भी थे. लेकिन, चुनाव नतीजों ने भाजपा को अव्वल साबित कर दिया.

फिलस्तीन विवाद के स्थायी समाधान का रास्ता

• देशांतर

डॉ. प्रेम सिंह

करीब एक शताब्दी पुराने फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष को लेकर पक्ष-पोषण और विश्लेषण का काम पिछले 75 सालों में बहुत हो चुका है. अब उसके स्थायी समाधान की जरूरत है. यह तभी संभव होगा, जब आधुनिक विश्व-इतिहास की इस शायद जटिलतम समस्या से संबद्ध सभी पक्ष गंभीरता, निष्ठा और परस्पर विश्वास के साथ समाधान की दिशा में प्रयास करें. पिछले दो महीने से जारी फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष के अभी तक के सर्वाधिक खूनी अध्याय से सबक लेकर अगर समाधान की सच्ची प्रेरणा से इस दिशा में काम होगा तो निकट भविष्य में स्थायी समाधान की आशा की जा सकती है. कहने की जरूरत नहीं कि सच्ची प्रेरणा घृणा-जनित अथवा/और निहित स्वार्थ-जनित उत्तेजनाओं की कैद से मुक्ति पाकर ही आगे का रास्ता बना सकती है. हालांकि, यह अच्छी तरह जान लेना चाहिए कि बाजार और हथियार की संयुक्त चालक-शक्ति से दौड़ने वाली आधुनिक सभ्यता की रगों में प्रवाहित उत्तेजनाओं से मुक्ति पाना आसान नहीं है. आधुनिक सभ्यता को मानव-उत्तेजनाओं के अटूट सिलसिले के रूप में भी पढ़ा जा सकता है, जहां सच्ची प्रेरणाएं उत्तेजनाओं का शिकार होने के लिए वैसे ही अभिशप्त होती हैं, जैसे सीधी या बदले की हिंसा में शिशुओं की हत्याएं की जाती हैं. इजराइल और उसके समर्थक देश/बुद्धिजीवी तथा फिलिस्तीन और उसके समर्थक देश/बुद्धिजीवी सभी कमोबेश उत्तेजना रूपी "बुरी आत्मा" की गिरफ्त में बने हुए हैं. नागरिक समाज का एक बड़ा हिस्सा भी, जो सीधे सत्ता-प्रतिष्ठानों से नहीं जुड़ा है, उत्तेजना की अधीनता की दशा में दिखाई देता है. संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की सच्ची इच्छा से प्रेरित लोगों की स्थिति महाभारतकार जैसी है -"मैं दोनों हाथ ऊपर उठा कर पुकार-पुकार कर कह रहा हूं, पर मेरी बात कोई नहीं सुनता !" फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष हिंसा पर आधारित आधुनिक सभ्यता की गोद में पला-बढ़ा है. लिहाजा, इसका अहिंसक/शांतिपूर्ण स्थायी समाधान पाना आसान नहीं है. फिर भी सच्ची प्रेरणा से उस दिशा में लगातार प्रयास होगा, तो रास्ता बन सकता है. इस प्रयास में आधुनिक सभ्यता की कड़ी टीका करने वाले मोहनदास कर्मचंद गांधी से मदद ली जा सकती है, जिसने इस हिंसक सभ्यता के बीचों-बीच खड़े होकर कहा था -"मेरा कोई शत्रु नहीं है" और जिसने अन्याय के प्रतिकार की अहिंसक कार्य-प्रणाली दुनिया को दी है. फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष के मौजूदा चरण पर लिखने वाले कुछ लेखकों ने गांधी को उद्धृत किया है. ऐसे लेखों में गांधी के मुख्यतः "द ज्यूज" ('हरिजन',26 नवंबर 1938), "दि जेविश क्वेश्चन" ('हरिजन', 27 मई 1939), "ज्यूज एण्ड फिलिस्तीन" ('हरिजन', 21 जुलाई 1946) लेखों के आधार पर फिलिस्तीन-इजराइल समस्या की गांधी की समझ तथा यहूदियों और अरबों के बारे में उनकी धारणा का संदर्भ दिया गया है. इस संदर्भ में गांधी के दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह आंदोलन में उनके घनिष्ठ सहयोगी रहे हरमन कॉलनबाख, सोंजा श्लेसिन और एचजेएच पोलक आदि यहूदियों का जिक्र भी आया है.फिलिस्तीन–इजराइल समस्या पर गांधी के विचारों और पक्ष (स्टैन्ड) पर कुछ विद्वानों ने विशेष अध्ययन किया है. कुछ ने गांधीवाद की रोशनी में फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष के समाधान की संभावनाओं पर भी विचार किया है. जवाहरलाल विश्वविद्यालय में आधुनिक मध्य-पूर्व के शिक्षक पीआर कुमारस्वामी ने इस विषय में गांधी के विचारों और पक्ष को प्रश्नांकित किया है.फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष के मौजूदा दौर पर लिखे अपने लेख "ऑन पेलेस्टाइन एण्ड इजराइल, गांधीज डबल स्पीक ऑन नॉन-वॉयलेन्स" (फिलिस्तीन-इजराइल मामले में अहिंसा पर गांधी का दोहरा रवैया) ('दि इंडियन एक्सप्रेसस', 24 अक्तूबर 2013) में उन्होंने गांधी की अहिंसा के प्रति निष्ठा पर तीखा हमला बोला है. ऐसा लगता है यह लेख फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष के समाधान की गांधीवादी संभावना के खिलाफ पेशबंदी की मंशा से लिखा गया है. गांधी-विशेषज्ञों को यह स्पष्ट करना है कि क्या गांधी ने फिलिस्तीन-इजराइल मामले में अरबों की हिंसा पर चुप्पी साधते हुए केवल यहूदियों को अहिंसा का उपदेश दिया है? क्या वे मुस्लिम-यहूदी विवाद में "महात्मा" के आसन से स्खलित हुए हैं? फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष पर गांधी के विचार "खिलाफत", धार्मिक पहचान के आधार पर भारत के "विभाजन की आशंका" और "उपनिवेशवाद" के तात्कालिक संदर्भों से प्रभावित रहे हो सकते हैं.

> इजराइल और उसके समर्थक देश/बुद्धिजीवी तथा फिलिस्तीन और उसके समर्थक देश/बुद्धिजीवी सभी कमोबेश उत्तेजना रूपी "बुरी आत्मा" की गिरफ्त में बने हुए हैं. नागरिक समाज का एक बड़ा हिस्सा भी, जो सीधे सत्ता–प्रतिष्ठानों से नहीं जुड़ा है, उत्तेजना की अधीनता की दशा में दिखाई देता है.

मीडिया में अन्यत्र

प्रासंगिकता बनाए रखने का सवाल

वर्ष 1995 में जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र 'कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज' (सीओपी) आयोजित की गई थी, उसके बाद से इसके चरित्र में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है. नौकरशाहों और प्रौद्योगिकीविदों (टेक्नोक्रेटों) से भरी बंद दरवाजे वाली बैठकों से हटकर वे एक 'कार्निवल' में बदल गई हैं. निश्चित रूप से 'बाबूगिरी' में बढ़ोतरी हुई है और संयुक्त राष्ट्र जलवायु सचिवालय विभिन्न सहायक निकायों, 'कार्य समूहों' और विस्तृत व जटिल एजेंडा आइटमों की भरमार के साथ तेजी से बढ़ रहा है. लेकिन इसके साथ-साथ कार्यकर्ता समूहों, स्वदेशी समूहों, बड़े एवं छोटे व्यवसायों, परामर्शदाताओं, व्यापारियों और एक विशाल मीडिया की मौजूदगी में भी इजाफा हुआ है. एक तरफ यह निष्कर्ष निकालना उचित है कि यह एक स्वागतयोग्य प्रगति है और वहीं दूसरी तरफ इस प्रगति के पीछे सदियों के औद्योगीकरण के चलते होने वाले मानवजनित जलवायु परिवर्तन के संपूर्ण मानवता के लिए एक संभावित खतरा बन जाने के प्रति बढ़ती जागरूकता की वजह है. जलवायु परिवर्तन की हकीकत से इनकार करने वाले, जो एक दशक पहले तक सत्ता के गलियारों में मुखर और महत्वपूर्ण थे, अब 'फ्लैट अर्थर्स' के साथ-साथ 'डार्कनेट' की अंधियारे में धकेल दिए गए हैं और उनकी जगह उन नवधनाढ्य व जीवाश्म ईंधन युग के अहम सौदागरों ने ली है जो नवीकरणीय ऊर्जा के मसीहाई समर्थन में मौका देखते हैं. आज ऐसा कोई देश नहीं है जो सार्वजनिक रूप से इस वैज्ञानिक मूल्यांकन कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन को काफी हद तक नियंत्रित किया जाना चाहिए - में अपने विश्वास की पुष्टि नहीं करेगा और फिर भी इन देशों ने कभी भी जीएचजी का प्रमुख स्रोत माने जाने वाले जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में कटौती की दिशा में तत्काल कदम उठाने की भावना को प्रेरित नहीं किया है. सीओपी को दुबई की आम सहमति में सामने रखे गए इस तथ्य को स्वीकार करने में लगभग तीन दशक लग गए कि राजनीतिक अवसरवादिता और दूसरे रणनीतिक पैंतरों ने दुर्भाग्य से जलवायु विज्ञान को भी हथियार बना दिया है. इस प्रकार, अधिकांश मानव-उत्सर्जित कार्बन के लिए जिम्मेदार देश विकासशील देशों से उत्सर्जन पर लगाम लगाने के लिए बहस करते समय तापमान और बढ़ते उत्सर्जन के साथ उनके रिश्ते को रिकॉर्ड करने की ओर इशारा करते हैं. (द हिंदू)

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फल/फलक

गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन. मतलब कर्म करना ही तेरा अधिकार है, फल की इच्छा मत करो. यही बात संन्यासी फिल्म के लिए गीत लिख कर गीतकार एमजी हस्मत ने भी कही है-करम किये जा फल की इच्छा मत कर ऐ इंसान, जैसे करम करेगा, वैसे फल देगा भगवान. ये है गीता का ज्ञान. फल तो ऐसा शब्द है कि इससे हर कोई परिचित है. इसके सामान्य अर्थ से लेकर लक्षार्थ और व्यंग्यार्थ तक आम बोलचाल की भाषा में सहज ही महसूस कर लिया जाता है. फिर भी इस शब्द पर कुछ विशेष जानकारी की आवश्यकता महसूस हो रही है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार फल संस्कृत मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. मोटा-मोटी तौर पर फल पेड़-पौधों से प्राप्त गूदेदार बीज कोश को कहते हैं. जैसे अनार, अमरूद, आम आदि. गीता के ज्ञान के आलोक में फल को कर्म से जोड़ा जाता है. आशय यह कि अच्छा या बुरा फल कर्म पर ही निर्भर करता है. कर्म अच्छे होंगे तो फल भी अच्छा होगा. कर्म बुरे होंगे तो फल भी बुरा ही होगा. आपने सुना होगा-बुरे कर्म का बुरा नतीजा, क्या भाई चाचा, हां भतीजा. मतलब यह कि फल के पर्यायवाची शब्द परिणाम और नतीजा भी हैं. परीक्षा लिखी और उसका परिणाम आ गया तो उसे परीक्षाफल कहते हैं. आपने कोई काम किया है और उसका परिणाम सामने आ गया तो उसे कर्मफल कहते हैं. गणित में जोड़, घटाव, गुणा या भाग जैसी क्रियाओं का अंतिम परिणाम भी फल ही कहलाता है. लाभ तो फल है ही. तलवार की धार या तीर, बर्छी के अगले भाग को भी फल कहते हैं. हिंदी में फलक शब्द दो भाषाओं संस्कृत और अरबी से आये हैं. संस्कृत मूल वाले फलक का अर्थ है लकड़ी का तख्ता, पटल, पट्टी, पुस्तक का पृष्ठ, तीर की नोंक. वहीं अरबी भाषा के फलक के पर्यायवाची शब्द हैं आकाश, आसमान, गगन, नभ.

गधों राजनीति नहीं कर सकते!

• तीर-तुक्का

डा. सुरेन्द्र वर्मा

यह तो सरासर ग़लत है. कृपया गधों के साथ राजनीति न करें. गधा एक बहुत ही उपयोगी जीव है. उसकी उपयोगिता को देखकर मेहरबानी करके गधों में फूट न डालें. फूट डालो और राज करो यह मन्त्र केवल हमारी, इंसानों की, दुनिया में कारगर हो सकता है. गधों में नहीं. आप गधों में फूट डाल ही नहीं सकते. गुजरात के गधों और उत्तरप्रदेश के गधों के बीच भी नहीं. उनमें बड़ी एकता है. गधे किसी भी प्रदेश के हों उनमें कोई अंतर पड़ ही नहीं सकता. है ही नहीं. सब गधे ही हैं. खालिस, निखालिस, गधे ही हैं. गधे हर जगह होते हैं. काबुल तक में सिर्फ घोड़े नहीं होते. गधे वहां भी होते हैं. एक जैसे. इस बात को ध्यान में रखना बड़ा ज़रूरी हैं कि गधे सिर्फ 'गधे' ही नहीं होते. उनके सच्चे-सीधे स्वभाव को मूर्खता बताना सिर्फ आदमी की मूर्खता का द्योतक है. वक्त पड़ने पर वे दुलत्ती भी मार सकते हैं. इंसानों के साथ रहते हुए भी गधों की मानसिकता में कभी कोई अंतर नहीं आया, भले ही इंसानों ने गधों से बहुत कुछ क्यों न सीख लिया हो. दुलत्ती मारना आखिर आदमी ने गधों से ही तो सीखा है. जब आदमी सामनेवाले का सामना नहीं कर पाता, दुलत्ती झाड़ता है. चुनाव-काले दुलत्तियों का जलवा देखने लायक होता है पक्षी ज़रा सा चहचहाया नहीं, कि विपक्षी ने दे मारी दुलत्ती! इस प्रकार दुलत्तियों का एक सिलसिला चल निकलता है. दुलत्ती दर दुलत्ती. खेल चालू हो जाता है. मरहूम कृष्ण चंदर एक मशहूर लेखक रहे हैं. हम उनके साहित्य को बड़े अदब से पढ़ते हैं. वे गधों से इतने मुतअस्सिर हुए कि उन्होंने एक गधे की आत्मकथा ही लिख डाली. व्यंग्यकार शरद जोशी भी पीछे रहने वाले नहीं थे. उन्होंने एक अदद नाटक, 'एक था गधा', लिख मारा. गधा सिर्फ गधा नहीं होता. अच्छे अच्छे साहित्यकारों के लिए वह प्रेरणा का स्रोत रहा है. आज भी न जाने कितने व्यंग्यकार गधों पर छोटे-मोटे आलेख लिखकर गधों की उपयोगिता के गुण गा रहे हैं. जय हो. हर क्षेत्र के लोगों ने गधों की सेवा ली है. लेकिन आदमी बड़ा अहसान-फरामोश है. अगर धोबी के पास एक अदद गधा न हो तो उसका काम नहीं चल सकता. फिर भी गधा बेचारा धोबी का गधा ही कहलाता है – घर का न घाट का. जब कि असलियत यह है कि घर और घाट, दोनों ही जगहों का भार गधा ही उठाए है. गधा आर्थिक क्षेत्र में भी 'सार्थक' प्रमाणित हुआ है. खबर आई थी कि किस तरह गधों ने एक दीवाला- पिटी-नगरपालिका की इज्ज़त बचाई. कर्मचारियों को उनका वेतन देने के लिए गधों का मेला लगाकर पैसे कमाए गए, जिससे कर्मचारियों को कई माह बाद उनका वेतन मिल पाया. गधे दलबदल नहीं करते. इस दलदल में वे कभी नहीं पड़े.

दुनिया भर के कलाकारों को राजकपूर का एक ट्रिब्यूट

मेरा नाम जोकर

(18 दिसंबर को रिलीज हुई थी मेरा नाम जोकर)

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

किसी भी सिनेमा की उम्र बाक्स आफिस की सफलता से नहीं आंकी जा सकती वह एक ही चीज से आंकी जाती है, इमोशन. कोई फिल्म हमारे इमोशन को किस हद तक कुरेद कर अंदर तक पेवश्त हो सकती है, उसी पर उसकी कालजियता निर्भर करती है. 1970 आनंद, आन मिलो सजना, सच्चा झूठा जैसी फिल्मों के साथ राजेश खन्ना का था, यह वह समय था जब मिट्टी भी उनके छू भर देने से सोना हो जाया करती थी. देव आनंद की 'जानी मेरा नाम' साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म थी. मनोज कुमार की 'पूरब और पश्चिम' अपने चिर परिचित राष्ट्रवाद के साथ दर्शकों को आकर्षित कर रही थी, जुबली कुमार माने जाने वाले राजेन्द्र कुमार की 'गंवार' भी उस समय बाक्स आफिस पर दर्शकों की भीड़ जुटाने में सफल थी. लेकिन 1970 की कोई फिल्म आज, या कहें आज के 100 साल बाद भी हिंदी सिनेमा के इतिहास में याद की जाती रहेगी, तो वह होगी- 'मेरा नाम जोकर'. राज कपूर की 'मेरा नाम जोकर', जिसे रिलीज के पहले ही हफ्ते में फ्लाप करार दे दिया गया था.

हरेक संवाद में, हरेक गीत में राजकपूर की मौजूदगी

'मेरा नाम जोकर' राजकपूर की बायोपिक नहीं थी, लेकिन बायोपिक से कहीं बढ कर थी. इसके हरेक शाट में, हरेक संवाद में, हरेक गीत में कहीं न कहीं राजकपूर उपस्थित दिखते थे. 'जाने कहां गए वो दिन' जैसे गीत हों या 'आदमी में दिल होता है, दिल में आदमी' जैसे संवादों में लगता राजकपूर स्वयं ध्वनित हो रहे. आश्चर्य नहीं कि अपने जन्मदिन 14 दिसंबर से 4 दिन बाद की तारीख उन्होंने मेरा नाम जोकर के रिलीज के लिए चुनी, 18 दिसंबर. इस फिल्म का आधार 1965 में राजकपूर वैजयंतीमाला के साथ बन रही फिल्म 'बहुरुपिया' में देखा जा सकता है. इस फिल्म के कुछ गाने रिकार्ड भी हुए, और शूट भी हुए, लेकिन फिल्म पूरी नहीं हो सकी. राजकपूर ने जोकर की उस संक्षिप्त सी कहानी को लेखक ख्वाजा अहमद अब्बास के साथ मिल कर मानवीय स्वभाव और भावनाओं की महागाथा के रुप में रच दिया. ज्यों-ज्यों इसकी कहानी आकार लेते जा रही थी, राजकपूर इस फिल्म से एकाकार हुए जा रहे थे, फिल्म बडी और बडी होती जा रही थी, यहां तक कि फाइनेंसरों ने हाथ खींच लिए, लेकिन राजकपूर किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं थे. इस फिल्म को पूरा करने में राजकपूर ने अपनी सारी संपत्ति गिरवी रख दी. आश्चर्य नहीं कि आज 'मेरा नाम जोकर' में किसी भी स्तर पर कोई भी कमी ढूंढ पाना आसान नहीं.

4 घंटे 43 मिनट की थी मूल जोकर फिल्म

इसके पहले 1964 में आयी संगम दो इंटरवल के साथ आने वाली पहली हिंदी फिल्म थी, मेरा नाम जोकर उससे भी लंबी थी, 4 घंटे 43 मिनट की. लेकिन दो ही हप्ते में वितरकों और सिनेमा मालिकों के दवाब पर इसे 4 घंटे 9 मिनट की बनायी गई. बाद में यह फिल्म 3 घंटे के भी संस्करण में आयी. लेकिन मूल फिल्म जिस तरह किसी महागाथा के रूप जीवन के हरेक पल को व्याख्यायित करती है, वह विल्क्षण आस्वाद संक्षिप्त संस्करण में संभव ही नहीं. कहानी कहने को किसी राजू की है, जिसके जीवन की महात्वाकांक्षा सबको खुश रखने की है, हंसाने की है, जोकर बनने की है. लेकिन एक ईमानदार व्यक्ति की यह छोटी सी इच्छा कितनी बड़ी लगने लगती है, कथा तो यही है, लेकिन राजू के जीवन में आए छोटे छोटे पलों के इमोशन इसे महागाथा का रूप देती है, जहां जीवन पर ठहर कर संवेदना से विचार करने की एक समझ मिलती है. यह एक ऐसी गाथा है, जिसे देखते हुए आप हंसते हैं, लेकिन आपका मन रोता है.

वास्तव में 'मेरा नाम जोकर' को दुनिया भर के कलाकारों को राजकपूर के एक ट्रिब्यूट के रुप में देखा जाना चाहिए, जिसमें राजकपूर खुद भी शामिल रहे हैं. राजू जब कहता है 'दिल बडा होना, बडी खतरनाक बात है', तो शायद वह सभी कलाकारों को संबोधित होता है, जिनका मूलमंत्र है..शो मस्ट गो आन.

जो फिसली जुबां तो...

बॉलीवुड सेलेब्स के कुछ बयान ने भी इस साल खूब बवाल काटे. ऐसे ही दो खास बयान थे आलिया और दीपिका के. एक नजर इन पर भी

आलिया की लिपस्टिक

आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि रणबीर कपूर को उनका लिपस्टिक लगाना नहीं पसंद है. अगर वो लगा भी लेती हैं तो रणबीर उसे हटवा देते हैं. बस आलिया के इसी कमेंट पर काफी हंगामा हुआ था. लोगों ने रणबीर कपूर को काफी ट्रोल किया था और उन्हें रेड फ्लैग, टॉक्सिक जैसे टैग दिए थे.

चीटर दीपिका!

कॉफी विद करण 8 के पहले एपिसोड में साथ आए रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी खुलासे किए थे. शो में दीपिका ने कहा था कि रणवीर सिंह के साथ होते हुए भी वो कई लड़कों से मिलती थीं इसके बाद लोगों ने दीपिका को काफी ट्रोल किया था और उन पर चिटर जैसा इल्जाम लगाया था.

जो है नाम वाला, वही तो बदनाम है...

गुजरता साल बॉलीवुड के लिए बेहद खास रहा. कोरोना और बाईकॉट ट्रेंड झेल चुकी इंडस्ट्री को इस साल कई ऐसी फिल्में मिलीं जिनसे टिकट काउंटर पर रौनक रही. दूसरे शब्दों में कहें तो वर्ष 2023 ने बॉलीवुड में जान फूंक दी. वहीं इस साल कई फिल्में ऐसी आईं जो किसी न किसी वजह से विवाद में फंसी रही. ऐसी फिल्मों में से कुछ जबरदस्त तरीके से हिट भी रहीं. आइए, आज ऐसी ही पांच फिल्मों की करें चर्चा...

एनिमल

इस फिल्म को लेकर विवाद सड़क से संसद नजर आया. फिल्म में रणबीर कपूर को काफी हिंसक दिखाया गया है. एनिमल में मेरिटल रेप और एक्ट्रा मैरिटल अफेयर जैसी चीजों को जमकर दिखाया गया है. बोल्ड सीन्स की भी भरमार है. एक्शन और हिंसा सीन पर भी जमकर सावल उठ रहे हैं. फिल्म में बताई गई अल्फा मेल की ये थ्योरी भी लोगों को पसंद नहीं आ रही है. बावजूद इसके फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चांदी काट रही.

आदिपुरुष

आदिपुरुष फिल्म आदिपुरुष का जब ट्रेलर आया था तो लोग भड़क गए थे. इस ट्रेलर में रावण से लेकर सीता और हनुमान तक के लुक्स को लेकर विवाद हुआ था. राम बने प्रभास से लोगों को काफी उम्मीदें थीं लेकिन 600 करोड़ में बनी इस फिल्म ने राम भक्तों को खासा निराश किया. न तो फिल्म में प्रभास भगवान राम की तरह सौम्य नजर आए. न डायलॉग्स में वो मर्यादा रही जो भगवान राम और हनुमान के नाम पर होनी चाहिए जिसके चलते फिल्म विवादों में घिरी रही. चलती फिल्म में इसके डायलॉग को बदलना पड़ा.

पठान

पठान फिल्म का एक गाना बेशर्म रंग रिलीज के समय से ही विवादों में घिरा रहा. दरअसल बेरशम रंग में दीपिका ने भगवा रंग की बिकिनी पहन कर बेहद बोल्ड अंदाज में नजर आई थी. इसपर जमकर विवाद हुआ और कई सारे पोस्ट जलाए गए, नारे लगे. बंपर विरोध के बाद भी फिल्म सुपरहिट रही और जमकर कमाई की थी.

द केरल स्टोरी

सुदीप्तो सेन और विपुल शाह की फिल्म द केरल स्टोरी साल के बीच में आई थी और फिल्म के टीजर, पोस्टर और ट्रेलर से शुरू हुआ विवाद फिल्म के रिलीज होने तक चलता रहा. कई सारे लोगों ने इसे समुदाय विशेष के लिए महज एक प्रोपोगेंडा बताया. साथ ही कई राजनेतिक पार्टी ने इसका जमकर विरोध किया और मुस्लिम संस्था जमीयत उलमा-ए-हिंद ने फिल्म की कहानी को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए और सीबीएफसी से फिल्म को रद्द करने कमाग की थी, हालांकि इतने विवादों के बीच भी फिल्म पर्दे पर आई और जब आई तो इसने जमकर पैसे बटोरे और इस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई.

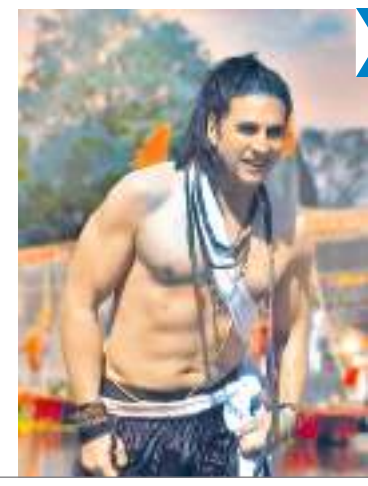

ओएमजी 2

फिल्म ओएमजी के सिक्वल का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था. लेकिन सेक्स एजुकेशन पर बनी ओएमजी 2 फिल्म का टॉपिक विवादों में रहा. फिल्म के कुछ सीन पर जमकर विवाद हुआ था और हाकाल मंदर के पुजारी ने फिल्म के निमार्ताओं को लीगल नोटिस भेजा था और इसके कुछ सीन काटने तक पड़े थे, हालांकि इन सबके बाद भी फिल्म ने 200 करोड़ तक पैसे कमा लिए थे.

दुनिया का सबसे गरीब शख्स शाहरुख !

इन दिनों हिंदू देवी-देवताओं के आशीष पाने के लिए मंदिरों में भटक रहे शाहरुख खान बुरी तरह से ट्रोल के शिकार हो रहे हैं. दरअसल एक वायरल वीडियो में साईं बाबा के मंदिर पर सजदा करते शाहरूख को देखकर मुस्लिम समुदाय भड़का हुआ है. कमेंट्स के जरिए एक्टर को जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं.

क्या है मामला

पहले वैष्णो देवी और फिर मुंबई के शिरडी मंदिर में गए शाहरूख खान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल है. वहीडियो में शाहरुख खान पहले हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं और फिर सिर को झुकाते हुए सीधे अपने माथे को मंदिर पर लगा देते हैं. उनका यह अंदाज देख कर एक ने लिखा- "मैं होता तो मंदिर में जाके नमाज पढ़ता." एक ने लिखा, "सजदा सिर्फ अल्लाह के लिए है." एक अन्य ने कमेंट किया, "हर एक धर्म को इज्जत देनी चाहिए....लेकिन अल्लाह के अलावा किसी के सामने ये सर झुकना नहीं चाहिए. मंदिर में सिर झुकाने के कारण एक यूजर्स ने उन्हें दुनिया का सबसे गरीब शख्स करार दिया, वहीं एक अन्य ने लिखा- "अगर आपको अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति नहीं है तो लालत है. क्या फ़ायदा इतना स्टेटस का. शर्म की बात है." एक का कहना है, "अस्तागफिरुल्लाह, दुनिया की इज्जत की खातिर शिर्क कर लिया छी."

नो कमेंट

शाहरुख खान के तरफ से किसी तरह का कोई रिएक्शन नहीं आ रहा है. वायरल वीडियो में उनके साथ सुहाना खान और उनकी मैनजर पूजा डडलानी भी नजर आ रही हैं. मंदिर दर्शन के लिए सुहाना ने हरे रंग का सूट और मैचिंग दुपट्टा पहना था. पूजा ने बेज रंग का आउटफिट चुना. शाहरुख उनके पीछे-पीछे मंदिर परिसर के अंदर चले गए. वह सफेद टी-शर्ट, डेनिम और जैकेट में नजर आए. एक्टर ने टोपी और चश्मा भी पहना था.

इन रिश्तों पर उठा सवाल

इस साल बॉलीवुड के दो कपल के रिश्तों पर भी खूब सवाल, खूब तांक-झांक हुए. इनमें एक ऐश्वर्या-अभिषेक का रिश्ता था तो दूसरा मलाइका-अर्जुन का रिश्ता

अभि की नहीं रही ऐश!

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी हो या नीता अंबानी के गणपति उत्सव, या अंबानी परिवार के एनएनएसीसी इवेंट, या एक नवंबर को ऐश्वर्या राय का जन्मदिन या फिर 16 नवंबर को आराध्या का बर्थडे...ऐश्वर्या हर जगह अपनी बेटी के साथ अकेली नजर आई. बिग बी फैमिली से अलग. इसी बीच बिग बी की तरफ से अपनी बेटी श्वेता नंदा को बतौर गिफ्ट एक बड़ी प्रॉपर्टी दे देना. ऐसे में इस खबर को खूब हवा लगी कि ऐश्वर्या और अभिषेक का तलाक हो रहा है. जब एक इवेंट में पहुंची ऐश्वर्या की उंगली से वेडिंग रिंग मिसिंग दिखी. तब लोगों ने मानों खबर की पुष्टि ही कर दी कि अब ये कपल जल्द ही तलाक ले लेगा. हालांकि बच्चन फैमिली को लेकर सामने आ रही ये अफवाहें तब खारिज हो गई, जब ऐश्वर्या राय पूरे बच्चन परिवार के साथ अगस्त्य नंदा की फिल्म 'द आर्चीज' के प्रीमियर में पहुंची. जहां सभी ने एकसाथ पैपराजी को कई सारे पोज भी दिए.

अर्जुन की लाइफ में नहीं मलाइका

अर्जुन और मलाइका के ब्रेकअप की खबर भी इस पूरे साल मीडिया में नजर आई. खबर यह भी आई कि अर्जुन अब एक्टर कुशा कपिला को डेट कर रहे हैं.

दरअसल लंबे समय से दोनों को साथ नहीं देखा गया था. साथ ही सोशल मीडिया पर मलाइका ने पूरे साल कई ऐसे स्टेटमेंट (जैसे बदलाव ही प्रकृति का नियम है) डाले जिससे इस खबर को हवा लगी. वहीं अर्जुन के परिवार के लोगों को सोशल मीडिया पर मलाइका का अनफॉलो करना भी इसकी वजह बना.

बता दें कि अर्जुन को डेट करने और उनके साथ लिव-इन रिश्ते में आने से पहले मलाइका की शादी 1998 में अभिनेता-निर्देशक अरबाज खान से हुई थी. मई 2017 में दोनों का तलाक हो गया.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

वाराणसी में सभा के स्थगन का मामला गरमाया, भाजपा-जदयू आमने-सामने

काशी की सभा में सीएम नीतीश खोलते प्रधानमंत्री की पोल

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वाराणसी में प्रस्तावित जनसभा के स्थगन ने सियासी रंग ले लिया है. आरोप-प्रत्यारोप के महाभारत को पब्लिक चटकारे लेकर देख-सुन रही है. सभा 24 दिसंबर को वाराणसी के रोहनिया में होने वाली थी. जदयू और भाजपा आमने-सामने है और इंडिया व एनडीए के घटक दल किनारे खड़ा हो तमाशा देख रहे हैं न कोई भाजपा के पक्ष में बोल रहा है और न कोई जदयू का पक्ष ले रहा है..

इस संबंध में प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि चूंकि नीतीश की सभा में दो हजार की भीड़ भी नहीं जुटती इसलिये जदयू ने सभा रद्द कर दिया. इधर, बिहार के मंत्री और जदयू के यूपी प्रभारी श्रवण कुमार ने शुक्रवार को आरोप किया कि यूपी की भाजपा सरकार ने जानबूझ कर रैली रद्द करने की साजिश रची. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अगर जनसभा करने के लिए कॉलेज परिसर में जगह दी गई तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी. कॉलेज भवन पर बुलडोजर चला दिया जाएगा. सीएम नीतीश की वाराणसी रैली को रद्द कराने के लिए यह पूरा षड्यंत्र उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा रचा गया. इसके लिए रोहनिया की इंटर कॉलेज के कॉलेज प्रशासन पर दबाव बनाया गया. उन्होंने कहा कि जब हमने जनसभा करने के लिए कॉलेज प्रशासन से अनुमति मांगी तो 5 दिनों तक प्रबंधन ने हम लोगों को कहा कि हम जनसभा कर सकते हैं. लेकिन छठे दिन हमारे प्रतिनिधियों को कहा गया कि हम पर दबाव है. हमारे कॉलेज की मान्यता रद्द करने की धमकी दी जा रही है. हमारे कॉलेज पर बुलडोजर चलाने की धमकी दी गई है. इस हालत में आपको जनसभा करने के लिए यहां अनुमति देना संभव नहीं है.

उन्होंने कहा कि इस बात की जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को देने के बाद इसके बाद कार्यक्रम स्थगित करने का निर्णय किया गया. प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए यूपी प्रभारी श्रवण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं. उन्हें डर है कि अगर सीएम नीतीश उनके संसदीय क्षेत्र में जनसभा करेंगे तो पीएम मोदी के झूठ का पोल खुल जाएगा. उन्होंने कहा कि इस देश में सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं. उन्होंने साल में लोगों को दो करोड़ नौकरी देने के वादा किया था लेकिन नौकरी नहीं मिली. नीतीश कुमार ने एक महीने में ही लाखों लोगों को शिक्षक की नौकरी दी. इसमें बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के लोग रहे. ऐसे में भाजपा और पीएम मोदी को डर है कि नीतीश कुमार वाराणसी जाएंगे तो उनकी सच्चाई उजागर होगी और लोकसभा चुनाव में भाजपा को नुकसान होगा. इसलिए कॉलेज प्रबंधन को धमकी दी गई कि आपके परिसर पर बुलडोजर चला दिया जाएगा.

आखिर वाराणसी में सीएम नीतीश कब रैली करेंगे के सवाल पर श्रवण ने कहा कि जदयू की ओर से वाराणसी में जनसंपर्क किया जा रहा है. लोगों से मिलकर उन्हें केंद्र सरकार की सच्चाई बताई जा रही है. अगले महीने सीएम नीतीश की रैली वाराणसी में हो सकती है. इसके लिए जगह की तलाश की जा रही है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- कांग्रेस के बांकीपुर अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे? – आरएन मुथोलकर
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किस राज्य में 4200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी ? – उत्तराखंड
- स्टेलनेस स्टील किसका मिश्रित धातु है? – क्रोमियम और आयरन
- ग्रीक राजदूत डेमोचेट्स किसके काल में रहा था ? – बिंदुसार
- भारत छोड़ो आंदोलन के समय बिहार के किस जिले को अपराधी जिला घोषित किया गया था ? – सारण
- इजराइल ने हमास के खिलाफ लड़ाई को क्या कोड का नाम दिया ? – ऑपरेशन आयरन स्वोर्ड
- सीसा पेन्सिल के निर्माण में किसका प्रयोग किया जाता है ? – ग्रेफाइट
- किन वंश के शासकों ने सीरिया के साथ राजनीतिक संबंध बनाए थे? – मौर्य

ब्रीफ खबरें

सिवान में थाना प्रभारी के खिलाफ वारंट जारी

सीवान। सिवान में कोर्ट ने थाना प्रभारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि जिले के सराय ओपी थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह के खिलाफ उस वक्त गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया, जब कोर्ट द्वारा पिछले कई माह से उनसे एक केस में बार-बार केस डायरी की डिमांड की जा रही थी, लेकिन वह न तो डायरी प्रस्तुत कर रहे थे और न ही न्यायालय में हाजिर हो रहे थे. कोर्ट की बात नहीं सुनने पर बाध्य होकर कोर्ट ने सिवान एसपी शैलेश कुमार सिन्हा को आदेश दिया है.

पटना के एक होटल में मिली लाश

पटना। राजधानी पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्टेशन के पास स्थित एक होटल में झारखंड के युवक ने आत्महत्या कर ली. बताया जा रहा है कि युवक देवघर से आया था और उसे दिल्ली जाना था. इसी क्रम में वह पटना जंक्शन के पास स्थित एक होटल में रुका था. मौके पर कोतवाली थाने की पुलिस पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है. वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया. मृतक युवक की पहचान झारखंड के देवघर निवासी 23 वर्षीय बासुकीनाथ शर्मा के रूप में हुई है. पुलिस ने युवक होटल के कमरे से एक बैग और एक मोबाइल बरामद किया है.

नालंदा के बेलधना गौढ़ापुर गांव के पास हुआ हादसा

ट्रैक्टर के पलटने से चालक समेत 3 मरे

संवाददाता। पटना

नालंदा जिले के चंडी थाना इलाके के बेलधना गौढ़ापर गांव के समीप शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई. जिससे दबकर चालक समेत की तीन मौके पर ही मौत हो गई. चंडी थाना इलाके के सलेहपुर मोड़ के पास ट्रैक्टर सड़क किनारे करीब 15 फीट गड्ढे में अनियंत्रित होकर पलट गयी. ट्रैक्टर पर ईंट लदा हुआ था. चालक तेज रफ्तार में जा रहा था. ट्रैक्टर के पलटने से इसमें दबकर तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई.

मृतकों में चालक मानपुर थाना क्षेत्र के पेढ़का निवासी रामाधीन यादव का 32 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार है. जबकि दो अन्य की पहचान नहीं हो सकी है. परिजनों ने बताया जाता है कि मानपुर से ईंट लोडकर पटना बेचने जा रहा था. इसी बीच सरमेरा बिहटा पथ गौढ़ापर गांव के समीप दूसरे वाहन के चकमा देने पर अनियंत्रित होकर 20 फीट गड्ढे में पलट गई. सुबह जब ग्रामीणों की नजर ट्रैक्टर पर पड़ी तो इसकी सूचना पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से ट्रैक्टर के नीचे दबे तीनों युवकों के शव को बाहर निकाला.

प्रभारी थानाध्यक्ष दिनेश कुमार साह ने बताया कि एक युवक की पहचान अभी हो पाई है. तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है.

बारात में फायरिंग, बैंक मैनेजर की मौत

पटना। बिहार में हर कार्यक्रम चाहे वो शादी हो या पार्टी लोग हर्ष फायरिंग करते हैं. इसको लेकर कड़े कानून का भी प्रावधान है. फिर भी लोग कानून का उल्लंघन करते हैं. ताजा मामला पटना का है, जहां मसौढ़ी थाना क्षेत्र के नौबतपुर से जहानाबाद के काको बारात गये लोगों ने हर्ष फायरिंग की. इस हर्ष फायरिंग दिल्ली से आये बैंक मैनेजर की मौत हो गयी. इसके बाद आरोपियों ने उसके शव को गाड़ी में रखा और मसौढ़ी तक ले गये. फिर ड्राइविंग सीट पर शव को रखकर भाग गये. युवक की पहचान अमित कुमार (26) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, अमित कुमार दिल्ली स्थित कनाट प्लेस के किसी निजी बैंक में मैनेजर के पद पर तैनात थे. लेकिन वो मूल रूप से मोकामा स्टेशन रोड निवासी प्रभु लाल भगत के बेटे थे. अमित अपने दोस्त शुभम की शादी में शामिल होने के लिए नौबतपुर आये थे.

त्रिपुरारी शरण होंगे राज्य के छठे मुख्य सूचना आयुक्त

पटना। पूर्व मुख्य सचिव त्रिपुरारी शरण छठे मुख्य सूचना आयुक्त होंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी और विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा के साथ बैठक कर यह फैसला लिया है. त्रिपुरारी शरण आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त बनने वाले पांचवें रिटायर आईएएस होंगे. ऐसे अभी त्रिपुरारी शरण बिहार के सूचना आयोग में आयुक्त हैं. त्रिपुरारी शरण के अलावा बिहार सूचना आयोग में अभी पीपी चौधरी भी सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं. बिहार में 2005 में सूचना आयोग का गठन किया गया था, इसमें एक मुख्य सूचना आयुक्त और तीन आयुक्त होते हैं. रिटायर न्यायमूर्ति शशांक कुमार सिंह बिहार के पहले मुख्य सूचना आयुक्त थे. न्यायमूर्ति शशांक को 2006 में मुख्य सूचना आयुक्त बनाया गया था. उसके बाद लगातार चार रिटायर आईएएस अधिकारियों को मुख्य सूचना आयुक्त बनाया गया, जिसमें अशोक कुमार चौधरी, आरजेएम पिल्लई, अशोक कुमार सिन्हा और एन के सिन्हा बिहार के मुख्य सूचना आयुक्त बने. अब त्रिपुरारी शरण मुख्य सूचना आयुक्त होंगे.

- त्रिपुरारी शरण के अलावा बिहार सूचना आयोग में अभी पीपी चौधरी भी सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं

धर्मगुरु दलाई लामा बोधगया पहुंचे

संवाददाता। पटना

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा शुक्रवार को स्पेशल फ्लाइट से बोधगया पहुंचे हैं. सड़क मार्ग से गुजरते समय बड़ी संख्या में लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया. बोधगया के तिब्बती मंदिर में दलाई लामा करीब एक माह का प्रवास करेंगे. इस दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे. धर्मगुरु दलाई लामा के बोधगया आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं. गया एयरपोर्ट से लेकर बोधगया तक चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है. बौद्ध गुरु दलाई लामा का प्रवचन सुनने के लिए दर्जनों देशों के लोग बोधगया पहुंचे हैं. दलाई लामा 20 दिसंबर को महाबोधि संस्कृति केंद्र में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसमें 30 देशों के हजारों श्रद्धालु हिस्सा लेंगे. दलाई लामा का टीचिंग कार्यक्रम भी होगा. बोधगया के कालचक्र मैदान में 29, 30 और 31 दिसंबर को यह कार्यक्रम होगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे. इसे लेकर कालचक्र मैदान की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

सीएम ने 'हर घर गंगाजल योजना' का किया लोकार्पण

13,965 घरों में पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

पटना। जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत सीएम नीतीश ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के दूसरे चरण की शुरूआत की. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा में हर घर गंगाजल आपूर्ति योजना का लोकार्पण किया, जिसको लेकर पूरी तैयारियां की गई थी. बता दें कि नवादा शहर के 17 वार्डों के 13,965 घरों में शुद्ध गंगाजल की पेयजल के रूप में आपूर्ति शुक्रवार से शुरू हो गई. इसको लेकर जल संसाधन मंत्री संजय झा ने कहा कि जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक, पहली और अतिमहत्वाकांक्षी गंगाजल आपूर्ति योजना के पहले चरण के कार्यों को पिछले वर्ष रिकार्ड समय में पूरा किया गया था. पहले चरण के लोकार्पण के दौरान उन्होंने वर्ष 2023 के अंत तक नवादा शहर में भी गंगा जल की आपूर्ति शुरू करने के निर्देश दिये थे.

सौ बोतल कफ सिरप के साथ दो गिरफ्तार

अररिया। फारबिसगंज थाना पुलिस ने कोडिनयुक्त प्रतिबंधित सौ बोतल कफ सिरप के साथ दो सौदागरों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर फारबिसगंज के अंसारी चौक पर यह कार्रवाई की. पुलिस को यह सूचना मिली थी कि अंसारी चौक पर प्रतिबंधित कोडिनयुक्त कफ सिरप का काम अवैध रूप से चलाया जाता है. सूचना के सत्यापन के तहत पुलिस ने छापेमारी की. पुलिस ने मामले में हरिपुर वार्ड संख्या आठ का रहने वाला 29 वर्षीय मो.नुरुल्ला और रामपुर दक्षिण वार्ड संख्या तीन का रहने वाला 21 वर्षीय मो समीर पिता मो. जमील को गिरफ्तार किया.

कारोबार

575 करोड़ में लुमेन जीआर का किया अधिग्रहण

नयी दिल्ली। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड ने करीब 575 करोड़ रुपये में ऑस्ट्रेलिया के लुमेन ग्रुप और स्विट्जरलैंड के डेल्टाकार्ब एसए का अधिग्रहण करने की घोषणा की. संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड (एसएएमआईएल) ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने उसके पूर्ण स्वामित्व वाली शाखा संवर्धन मदरसन ऑटोमोटिव सिस्टम ग्रुप बीवी को लुमेन ग्रुप और डेल्टाकार्ब एसए का अधिग्रहण करने की अनुमति दे दी.

व्यापार विवाद के फैसले के खिलाफ की अपील

नयी दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ की ओर से दायर एक मामले में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की व्यापार विवाद निपटान समिति के फैसले के खिलाफ अपील की है. यूरोपीय संघ ने कुछ सूचना एवं प्रौद्योगिकी उत्पादों पर भारत के आयात शुल्क के खिलाफ मामला दायर किया था. समिति ने अप्रैल में फैसला सुनाया था कि कुछ सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईसीटी) उत्पादों पर भारत द्वारा लगाया गया आयात शुल्क वैश्विक व्यापार मानदंडों का उल्लंघन है.

भारत का निर्यात घटकर 33.9 अरब डॉलर हुआ

नयी दिल्ली। भारत का निर्यात इस साल नवंबर में 2.83 प्रतिशत घटकर 33.90 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो एक साल इसी महीने 34.89 अरब अमेरिकी डॉलर था. शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई. आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में आयात भी घटकर 54.48 अरब डॉलर रह गया, जबकि नवंबर 2022 में यह 56.95 अरब डॉलर था. देश का व्यापार घाटा नवंबर में 20.58 अरब डॉलर रहा. चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-नवंबर अवधि में निर्यात 6.51 प्रतिशत घटकर 278.8 अरब डॉलर रहा. वहीं इस अवधि में आयात 8.67 प्रतिशत गिरकर 445.15 अरब डॉलर रहा.

एनसीएलटी ने आरसी की कुछ संपत्तियों की बिक्री की अनुमति दी

रिलायंस कम्युनिकेशन की ट्रेडिंग बंद

भाषा । नयी दिल्ली

कारोबार की दुनिया में यह जरुरी नहीं की विरासत में मिली इंडस्ट्री की तरक्की ही हो. समय और रणनीति अगर साथ न दे तो उद्योग का पतन होते देर नहीं लगती है. कुछ ऐसी ही स्थिति इन दिनों मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी के साथ हो रही है. दोनों ही भाई को कंपनी विरासत में मिली थी. दोनों ने ही कारोबार शुरू किया था. इसमें मुकेश की कंपनी दिन दूनी रात चौगुनी होती गई, वहीं अनिल की डूबती गई. दरअसल अनिल अंबानी को एक और झटका लगा है. उनकी एक और कंपनी की ट्रेडिंग बंद हो गई है. हाल ही में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने इसकी कुछ संपत्तियों की बिक्री की अनुमति दी है. यह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन (आरसी) है. रिलायंस कम्युनिकेशन एक समय शेयर बाजार की शान हुआ करती थी. कभी 700 रुपये के स्तर के ऊपर चल रहा रिलायंस कम्युनिकेशन के शेयर की अब ट्रेडिंग बंद है. साल 2007 में आरकॉम के शेयर 785 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे. अब पिछले कुछ समय से रिलायंस कम्युनिकेशन का शेयर की ट्रेडिंग 2.49 रुपये के भाव पर बंद हैं. ऐसे में देखा जाय तो रिलायंस कम्युनिकेशन के शेयर 99 फीसदी से ज्यादा गिर चुके हैं.

अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशन के दिन मुकेश अंबानी के रिलायंस जियो की लॉन्चिंग के बाद बदल गए. मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो साल 2016 में लॉन्च हुई थी. यहीं से कंपनी की हालत खराब होना शुरू हो गई. यह कंपनी प्राइस और डेटा वॉर की जंग में पिछड़ती चली गई. कंपनी पर अनिल अंबानी की आर्थिक कमजोरी का भी असर पड़ा. कंपनी बैंकों के कर्ज को डिफॉल्ट करने लगी और दिवालिया प्रक्रिया में चली गई. कंपनी के यूजर्स में तेज गिरावट आई. कंपनी पूरी तरह से डूब गई. कंपनी बैंकों के कर्ज को डिफॉल्ट करने लगी और दिवालिया प्रक्रिया में चली गई. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रिलायंस कम्युनिकेशन की बिक्री संपत्तियों में चेन्नई का ऑफिस शामिल है. इसके अलावा कंपनी का पुणे में 871 वर्ग मीटर में फैले भुवनेश्वर स्थित ऑफिस को भी बेचा जाएगा. कैंपियन प्रॉपर्टीज के शेयर में निवेश और रिलायंस रियलटी के शेयरों में निवेश को भी बेचा जाएगा. बताया जाता है कि आरकॉम के शेयर में निवेश करने वालों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है. आरकॉम का शेयर जून 2006 से चढ़ना शुरु हुआ था. उस समय यह 225 रुपये पर था. दिसंबर 2006 तक यह शेयर 471 रुपये पर पहुंच गया था. अक्टूबर 2007 में यह शेयर 786 रुपये पर पहुंचा था. इसके बाद इसमें गिरावट आनी शुरु हुई और फरवरी 2009 में यह 160 रुपये पर आ गया था. यहां से फिर शेयर में तेजी आई और मई 2009 में 306 रुपये पर पहुंच गया था. इसके बाद इस शेयर में उतार-चढ़ान चलता रहा.

कंपनी डूबी

- रिलायंस जियो साल 2016 में लॉन्च हुई थी
- आरसी का शेयर 700 रुपये के ऊपर गया था

2007 में अनिल के पास 45 अरब डॉलर की संपति थी

फोर्ब्स की सूची के मुताबिक 2007 में अनिल अंबानी के पास 45 अरब डॉलर की संपति थी. उनकी सबसे बड़ी संपति रिलायंस कम्युनिकेशंस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. बड़े भाई मुकेश का नेटवर्थ 49 अरब डॉलर था. लेकिन, 2018 आते-आते दोनों की संपत्ति में बड़ा अंतर आ चुका था. सबसे अमीर भारतीयों की सूची में मुकेश अंबानी 47 अरब डॉलर के साथ टॉप पर थे तो अनिल अंबानी 2.44 अरब डॉलर के साथ 66वें स्थान तक फिसल गए. वहीं समूह की कंपनियों में भी यही ट्रेंड दिखा।.ब्लूमबर्ग के मुताबिक, बंटवारे के बाद 10 साल में मुकेश की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का कंपाउंड ऐनुअल ग्रोथ रेट 11.2% (सेल्स), 9.4% (प्रॉफिट) और 17.8 फीसदी (रिटर्न) है, जबकि अनिल के समूह के लिए यही दरें क्रमशः 9.4%, -12.6% और -1.7% है.

आखिरी माह में शेयर बाजार बना रहा रिकॉर्ड

सेंसेक्स ने 458 अंक लगायी छलांग, निफ्टी 21000 के पार

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार साल के आखिरी महीने में लगातार इतिहास रच रहा है. हर दिन सेंसेक्स और निफ्टी अपने ऑल टाइम हाई के लेवल को पार कर रहा है. सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भी भारतीय शेयर बाजार में निवेशक लिवाल नजर आ रहे हैं. सुबह 10 बजकर 12 मिनट मे सेंसेक्स 433.69 अंकों की बढ़त के साथ 70947.8 के लेवल पर पहुंच गया है. जबकि निफ्टी 136.5 अंक उछलकर 21319.2 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. हालांकि थोड़े देर के बाद ही सेंसेक्स 457.28 अंकों की वृद्धि के साथ 70971.4 के लेवल पर पहुंच गया. सेंसेक्स में आज के टॉप गेनर की लिस्ट में इंफोसिस, एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल है. वहीं नेस्ले, एक्सिस बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा और एचयूएल टॉप लूजर की श्रेणी में नजर आ रहे हैं. निफ्टी की बात करें तो इंफोसिस, एलटी माइंड ट्री, एचसीएल टेक, टीसीएस और हिंडाल्को के शेयर टॉप गेनर की लिस्ट में शामिल हैं. वहीं, एचडीएफसी लाइफ, नेस्ले, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एक्सिस बैंक और ब्रिटानिया टॉप लूजर की श्रेणी में कारोबार कर रहे हैं.

एशियाई बाजारों में भी तेजी के साथ कारोबार

एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की फायदे में ट्रेड कर रहा है. अमेरिकी बाजार गुरुवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,570.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे.

इजाफा लगातार चौथे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा

2.84 बिलियन डॉलर बढ़ा, 606.85 बिलियन डॉलर रिजर्व

एजेंसी। नयी दिल्ली

लगातार चौथे हफ्ते देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा देखने को मिला है. आरबीआई के डेटा के मुताबिक 8 दिसंबर 2023 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.84 बिलियन डॉलर के इजाफे के साथ 606.85 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है. विदेशी मुद्रा 600 बिलियन डॉलर के ऊपर बना हुआ है. बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को विदेशी मुद्रा भंडार का डेटा जारी किया है. डेटा के अनुसार 8 दिसंबर तक विदेशी मुद्रा भंडार 606.85 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है जो इसके पहले हफ्ते में 604.04 बिलियन डॉलर रहा था. विदेशी करेंसी एसेट्स में भी बढ़ोतरी आई है और ये 3.08 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 536.69 बिलियन डॉलर रहा है. हालांकि आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में इस हफ्ते गिरावट आई है.

आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 199 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 47.13 बिलियन डॉलर रहा है. एसडीआर भी 63 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 18.18 बिलियन डॉलर रहा है. जबकि इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड में जमा रिजर्व 11 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 4.84 बिलियन डॉलर रहा है. हाल ही में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से बचाने में बड़ी भूमिका अदा कर रहा है.

अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 बिलियन डॉलर के लेवल तक जा पहुंचा था जिसके बाद इसमें बड़ी गिरावट आई और ये घटकर 525 बिलियन डॉलर तक आ गया था. पर अब विदेशी निवेशकों के निवेश में बढ़ोतरी के चलते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा आ सकता है. फेड रिजर्व के 2024 में ब्याज दरें घटाने के संकेत के बाद विदेशी निवेश और बढ़ने के आसार हैं.

नवंबर महीने में इंपोर्ट में कमी कम हुआ व्यापार घाटा

नयी दिल्ली। नवंबर 2023 में इंपोर्ट में कमी के चलते व्यापार घाटे में कमी आई है और घटकर 20.58 बिलियन डॉलर रहा है. नवंबर 2023 में भारत का मर्केंडाइज एक्सपोर्ट 33.90 बिलियन रहा है जो कि नवंबर 2022 के मुकाबले कम है जब मर्केंडाइज एक्सपोर्ट 34.89 बिलियन डॉलर का रहा था. नवंबर 2023 में भारत ने 54.48 बिसियन डॉलर का मर्केंडाइज इंपोर्ट किया है जबकि नवंबर 2022 में 56.96 बिलियन डॉलर का इंपोर्ट किया था. इंपोर्ट में बीते साल के मुकाबले 4.3 फीसदी की कमी आई है. वाणिज्य मंत्रालय ने नवंबर महीने के लिए ट्रेड डेटा जारी किया है. इस डेटा के मुताबिक मर्केंडाइज और सर्विसेज दोनों को मिलाकर एक्सपोर्ट्स 1.23 फीसदी के उछाल के साथ 62.58 बिलियन डॉलर का रहा है जबकि नवंबर 2022 में 61.82 बिलियन डॉलर का भारत ने एक्सपोर्ट किया था. नवंबर 2023 में मर्केंडाइज और सर्विसेज दोनों को मिलाकर इंपोर्ट 67.88 बिलियन डॉलर रहा है जो नवंबर 2022 में 72.34 बिलियन डॉलर रहा था. मर्केंडाइज और सर्विसेज को मिलाकर नवंबर 2023 में ट्रेड घाटा 5.30 बिलियन डॉलर रहा है जो 2022 के समान महीने में 10.52 बिलियन डॉलर रहा था.

दिल्ली हवाई अड्डे का मामला

मई 2024 तक 'फुल बॉडी स्कैनर' लगाए जाने की उम्मीद

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली हवाई अड्डे पर मई 2024 तक 'फुल बॉडी स्कैनर' लगाए जाने की उम्मीद है. वहीं कंप्यूटर टोमोग्राफी एक्स-रे को भी अगले साल मई तक स्थापित किया जा सकता है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक जुल्फिकार हसन ने कहा कि कुछ प्रावधान संबंधी मुद्दों के कारण, कुछ हवाई अड्डों पर 'फुल-बॉडी स्कैनर' और 'सीटीएक्स स्कैनर' स्थापित करने की समय सीमा बढ़ाई जा रही है. दोनों उपकरणों को 31 दिसंबर तक स्थापित किया जाना था. राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन में हसन ने कहा कि कुछ प्रावधान संबंधी मुद्दे हैं. बीसीएएस स्कैनर की स्थापना पर हवाई अड्डा संचालकों के साथ चर्चा कर रहा है. उन्होंने कहा, हमें फुल बॉडी स्कैनर और एक्स-रे मशीन के मई तक स्थापित किए जाने की उम्मीद है. हसन ने कहा कि दोनों के अगले साल मई तक दिल्ली हवाई अड्डे पर स्थापित होने की उम्मीद है. बीसीएएस ने हवाई अड्डों पर कंप्यूटर टोमोग्राफी प्रौद्योगिकी से लैस स्कैनर लगाने की पिछले साल सिफारिश की थी. सीटीएक्स (कंप्यूटर टोमोग्राफी एक्स-रे) स्कैनर लगाए जाने के बाद यात्रियों को हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को अपने सामान से अलग नहीं निकालना पड़ेगा.

ब्रीफ खबरें

बीआरसी में एफएलएन प्रशिक्षण का समापन

मनोहरपुर । शुक्रवार को चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के 6 वें बैच के कार्यशाला का समापन प्रखंड संसाधन केंद्र मनोहरपुर में संपन्न हुआ. प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रखंड के सभी कोटी के शिक्षक व शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया.अंतिम दिन में प्रशिक्षण की महत्ता और उपयोगिता पर चर्चा हुई. नई शिक्षा नीति 2020 , निपुण भारत मिशन और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा 2022 पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई.

मंदिर के गुंबद निर्माण के लिए की गयी पूजा

लातेहार। जिले के हेरहंज प्रखंड मुख्यालय के बस स्टैंड के पास हनुमान मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है. मंदिर के गुंबद र्माण के लिए श्री राम जानकी मंदिर के पुजारी अखिलेश पांडेय के सानिध्य में वैदिक मंत्रोंचारण के बीच पूजा अर्चना की गयी. मौके पर बतौर मुख्य यजमान रूपेंद्र जायसवाल समेत अन्य पांच यजमानों के द्वारा पातम नदी से कलशों मे जल भरकर मंदिर परिसर मे लाया गया. गुबंद निर्माण में अन्न रखा गया.

बंद मकान से लाखों की संपति की चोरी

धनबाद । धनबाद थाना क्षेत्र के न्यू कॉलोनी धैया आईएसएम के पास बंद मकान से लाखो की संपति पर चोरों ने अपना हाथ साफ किया.वहीं गृहस्वामी सुभोजित मंडल ने शुक्रवार को सदर थाने में चोरी की शिकायत दर्ज करवाई है. गृहस्वामी ने बताया की गुरुवार को सपरिवार बेनागाड़िया निरसा अपने ससुराल गए हुए थे.शुक्रवार की सुबह 9 बजे ससुराल से जब धैया अपने घर आया तो देखा की मुख्य द्वार पर लगा ताला खुला हुआ है. जब अंदर गया तो देखा कि दो और दरवाजे का ताला टूटा हुआ है.

सीएमडी के समक्ष रखी गयी समस्या

कतरास। सिजुआ इलाके में व्याप्त बिजली पानी ,पुर्णवास सहित अन्य समस्याओं को लेकर कोयला भवन में बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता से सिजुआ नागरिक समिति के प्रतिनिधि मंडल विधायक ढुलु महतो के नेतृत्व में मुलाकात कर वार्ता की. वार्ता में विधायक ने सिजुआ क्षेत्र की सभी समस्याओं को विस्तारपूर्वक सीएमडी के समक्षा रखा . उन्होंने कहा कि सिजुआ क्षेत्रीय तथा मोदीडीह प्रबंधन पुनर्वास से पूर्व ही इलाके की पानी को बंद कर दिया है .

ग्रामीणों ने हिस्सा लिया अधिकारियों को आवेदन

महुदा । सरकार द्वार कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पदुगोड़ा पंचायत सचिवालय में शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन जिप अध्यक्ष शारदा सिंह मुखिया महेश कुमार पटवारी सहित अधिकारियों ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया .शिविर में पंचायत सैकड़ों ग्रामीण अपनी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे एवं अधिकारियों के पास आवेदन जमा किया .ज्यादातर लोगों ने अबूआ आवास, रोजगार गारंटी कानून के तहत छात्रवृत्ति के लिए आवेदन दाखिल किया.

मनरेगा कार्य में बरती गयी अनियमित्ता

बांसजोर। बांसजोर प्रखंड अंतर्गत तरगा पंचायत में मनरेगा के तहत बनाये जा रहे मोरम पथ का निरीक्षण तरगा पंचायत समिति सदस्य निशा बड़ाईक ने किया. निरीक्षण के दौरान मोरम पथ कार्य में घोर अनियमिता पाया गया. सड़क के किनारे कम मिट्टी डाली जा रही है और इसके ऊपर मोरम मिट्टी भी कम मात्रा में डाली जा रहा है. मोरम मिट्टी का उठाव एवं फीलिंग मजदूरों से कराना छोड़ कर, जेसीबी मशीन से कराया गया है जो की मजदूर का मजदूरी छीन ले रहा है.

30 तक करें कमेटी का गठन : बंधु तिर्की

गुमला। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने संगठन विस्तार के तहत 30 दिसंबर तक प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कमेटी गठन करने और लोक सभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने का प्रखंड अध्यक्ष को निर्देश दिया है. गुमला परिसदन में शुक्रवार को आदिवासी कांग्रेस की बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने उक्त बातें कहीं. उन्होंने कहा कि लोक सभा चुनाव नजदीक है.

पीएलएफआई के खिलाफ एनआईए में झारखंड समेत चार राज्यों में की छापेमारी

एनआईए छापा : हथियार व गोला-बारूद संग दो गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड समेत चार राज्यों में छापेमारी की. इस दौरान एनआईए ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया , साथ ही हथियार और गोला-बारूद बरामद किए. एनआईए ने शुक्रवार को पीएलएफआई उग्रवादी संगठन से जुड़े झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश और नई दिल्ली में कुल 23 स्थानों की तलाशी ली गई. इनमें झारखंड में 19 स्थान (गुमला, रांची,

खूंटी, सिमडेगा, पलामू और पश्चिमी सिंहभूम जिले), बिहार (पटना जिला) और मध्य प्रदेश (सिद्धि जिले) में एक-एक स्थान और नई दिल्ली में दो स्थान शामिल हैं.

खास बातें

- शुक्रवार को चार राज्यों के 23 स्थानों पर की गई तलाशी
- झारखंड के 19 ठिकानों की तलाशी ली गई

रंगदारी और लेवी वसूली के मामले में हुई छापेमारी : एनआईए ने शुक्रवार को जिन आरोपियों और संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई की, वे सभी झारखंड में पीएलएफआइ के कैडर और समर्थक थे. वे हिंसक वारदातों और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में शामिल थे. छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान बिहार के रमन कुमार सोनू उर्फ सोनू पंडित और दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले के निवेश कुमार के रूप में हुई.

उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देने की थी साजिश

एनआईए की अब तक की जांच से पता चला है, कि पीएलएफआई के कैडर झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में विभिन्न कोयला व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, रेलवे ठेकेदारों और व्यापारियों से जबरन वसूली के माध्यम से धन जुटाने में शामिल थे. वे सुरक्षा बलों पर हमले, हत्या, आगजनी सहित विभिन्न उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश भी रच रहे थे. समाज में आतंक पैदा करने के लिए विस्फोटक का उपयोग कर रहे थे. मामले की जांच से यह भी पता चला है कि झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और अन्य पीएलएफआई प्रभावित राज्यों में संगठन को पुनर्जीवित और विस्तारित करने का प्रयास किया जा रहा था.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- झारखंड राज्य की पूर्व से पश्चिम की लंबाई कितनी हैं – **463 किमी.**
- झारखंड राज्य का उत्तर से दक्षिण विस्तार कितना हैं – **380 किमी.**
- झारखंड का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत हैं – **2.42%**
- झारखंड राज्य का सर्वाधिक ठंडा स्थान कहां हैं– **नेतरहाट में**
- झारखंड राज्य का सबसे ऊंचा क्षेत्र हैं– **नेतरहाट**
- झारखंड की कौन –सी नदी कीकट नाम से प्रसिद्ध हैं– **पुनपुन**
- झारखंड में न्यूनतम पुरुष साक्षरता वाला जिला हैं – **पाकुड़**
- झारखंड के किस जिले की सर्वाधिक महिला साक्षरता हैं – **रांची**

सरकार राज्य में विकास को मिली रफ्तार, पर विपक्ष कहता है हम काम नहीं करते

विपक्ष ने डर दिखाकर सरकार गिराने की साजिश रची : सीएम

- अलग झारखंड राज्य की लड़ाई लड़ने वाले शिबू सोरेन का विरोधियों ने उड़ाया था मजाक

प्रमुख संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खूंटी के कचहरी मैदान में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में भाजपा पर जमकर हमले किए. कहा कि हमारी सरकार ने सावित्रीबाई फुले योजना लागू कर बच्चियों की पढ़ाई का बीड़ा उठाया. 10वीं क्लास के बाद बच्चों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड का योजना का लाभ दिया जा रहा है, हायर एजुकेशन के लिए बच्चे विदेश भेजे जा रहे हैं. बुजुर्गों, विधवाओं को पेंशन दी जा रही है. साल में दो बार धोती-साड़ी दी जा रही. अबुआ आवास दिया जा रहा, लेकिन विपक्ष आरोप लगाता है कि हेमंत सरकार काम नहीं करती. विपक्ष ने हमारी सरकार बनने के दूसरे दिन से ही सरकार को अस्थिर करने की कोशिश शुरू कर दी. मुझे जेल और समन का डर दिखाकर सरकार गिराने की साजिश रची. ये लोग रोज षडयंत्र करते हैं, लेकिन मैं डिगा नहीं. सीएम ने कहा कि जब अलग झारखंड राज्य बनाने की बात आई, तो विपक्ष ने विरोध किया. जब शिबू सोरेन ने अलग राज्य की लड़ाई लड़ी, तो विरोधियों ने तंज कसे, लेकिन वे विचलित हुए बिना लक्ष्य पाने के लिए लड़ते रहे. अलग राज्य की लड़ाई लड़ते-लड़ते शिबू सोरेन बच्चे से बुजुर्ग हो गये तब जाकर यह राज्य मिला.

- अलग राज्य की लड़ाई लड़ते-लड़ते गुरुजी बच्चे से बुजुर्ग हो गये, तब जाकर मिला राज्य
- खूंटी के कचहरी मैदान में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम

केंद्र सिर्फ कहती रही, हमने हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज चढ़ाया

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही कोरोना महामारी आ गई थी. लोग मर रहे थे. हमारे सामने सबसे बड़ा चैलेंज लोगों की जान बचाना था. उपर से केंद्र सरकार ने लॉकडाउन लगा दिया था. बाजार, हाट, स्कूल, कॉलेज, वाहन सब बंद हो गये. राज्य के सैंकड़ो मजदूर दूसरे राज्यों में फंसे हुए थे. उस दौरान सरकार के सामने उन्हें वापस लाने की चुनौती आई. तब हमारी सरकार ने पहली बार उन मजदूरों को हवाई जहाज में बैठाया. जिन लोगों ने सपने में भी हवाई जहाज के बारे में नहीं सोचा होगा, उनको हमने हवाई जहाज से झारखंड वापस लाया. केंद्र सरकार सिर्फ कहती रह गई की हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में बैठाएंगे.

सिर्फ रांची से नहीं चल रही सरकार, गांव-गांव पहुंच रहे अधिकारी

सीएम ने कहा आपकी योजना-आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत राज्यभर में 24 नवंबर से शिविर लगाये जा रहे हैं. राज्य की सभी पंचायतों में त्योहार जैसा माहौल है. चुनाव के दौरान ही हमने कहा था कि सरकार रांची स्थित हेडक्वार्टर से नहीं चलेगी, बल्कि गांव-गांव जाकर काम करेगी. सीएम ने कहा कि राज्य गठन का 23वां चल रहा है. 2020 से हम मुख्यमंत्री हैं, लेकिन क्या इससे पहले आपने कभी देखा-सुना कि कोई पदाधिकारी या कर्मचारी गांव में जाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करता हो. कहा कि जब तक मेरे नेतृत्व में सरकार चल रही है, सरकार के पदाधिकारी और कर्मी आपके द्वार पर आपकी समस्याओं के समाधान के लिए दरवाजा खटखटाने के लिए खड़े रहेंगे.

103 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 437 करोड़ 48 लाख रुपये की 76 योजनाओं का शिलान्यास और 406 करोड़ 20 लाख रुपये की 27 योजनाओं का उद्घाटन किया, वहीं 11,841 लाभुकों के बीच 88 करोड़ 64 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया. किसान क्रेडिट कार्ड के 4737 और मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के 15 लाभुकों समेत अन्य योजनाओं के लाभुकों को भी लाभान्वित किया गया.

खास बातें

- 406.20 करोड़ की 27 योजनाओं का उद्घाटन किया
- सीएम ने 437.48 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास
- लाभुकों के बीच 88.64 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण

नामकुम-रांची स्टेशन के बीच बनेगा आरओबी, जाम से मिलेगी मुक्ति

- दो लड़कियों की बाध्यता हुई खत्म, अब सभी बेटियों को मिलेगा सावित्री फूले बाई किशोरी स्मृद्धि योजना का लाभ

बोकारो में बनेगा 500 बेड का नया मेडिकल कॉलेज-अस्पताल : राज्य सरकार ने शक्रवार को कैबिनेट में बोकारो में 500 बेड के अस्पताल का नया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल निर्माण की मंजूरी दी. इसमें 688 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

विशेष संवाददाता । रांची

कतारी बगान चुटिया के लोगों की वर्षों की मांग अब पूरी होने जा रही है. जाम से कराह रहे चुटिया के निवासियों को जल्द जाम से मुक्ति मिलने की संभावना है. राज्य सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में केतारीबागान नामकुम और रांची स्टेशन के बीच पथ ऊपरी पुल (आरओबी) के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है. पथ निर्माण विभाग ने नामकुम-रांची स्टेशन के बीच आरओबी निर्माण की योजना बनायी है. आरओबी निर्माण 44.80 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी. प्राधिकृत समिति योजना को पहले ही स्वीकृति मिल चुकी थी. अब कैबिनेट से मंजूरी प्रदान होने के बाद इसके निर्माण का रास्ता साफ हो गया है. इसके अतिरिक्त सरकार ने सावित्री फूले बाई किशोरी स्मृद्धि योजना में संसोधन किया है. अभी इसका लाभ केवल एक माता की दो बेटियों को मिल रहा है. अब सरकार ने इसकी बाध्यता समाप्त करते हुए सभी बेटियों को इसका लाभ देने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.

निवेश पर मिलेगा 5 प्रतिशत तक अनुदान : राज्य सरकार ने झारखंड ऑडिटिंग निवेश प्रोत्सान नीति में आंशिक संशोधन किया है. अब निवेशकों को 5 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा. इससे जुड़े प्रस्ताव को शुक्रवार को कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी.

कैबिनेट के अन्य निर्णय

- गुमला में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना के लिए 127 करोड़ की योजना स्वीकृत.
- बंशीधर नगर पंचायत के लिए 102 करोड़, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट योजना के लिए स्वीकृत किये गये
- दुमका नगर परिषद में भी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के लिए 172 करोड़ की योजना को मंजूरी
- झारखंड कंबाइंड सिविल सेवा रूल्स 2021 में संशोधन किया गया.
- मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के प्रस्ताव पर झारखंड विधानसभा में नियुक्ति एवं प्रमोशन में बरती गई गड़बड़ी की जांच के लिए एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता में गठित एक सदस्यीय न्यायालय के समर्पित रिपोर्ट को आवश्यक कार्रवाई के लिए सभा में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया.
- सेंट्रल रोड फंड के अंतर्गत एनएच 114 में जरमुंडी से बेलडहा तक 47.9 किलोमीटर रोड को फोरलेन बनाने के लिए 252 करोड़ की मंजूरी मिली.
- राज्य के नियोजन पदाधिकारी को ग्रेड पे में संशोधन की मंजूरी
- प्रज्ञान नेशनल विश्वविद्यालय 2023 को निरस्त करने के प्रस्ताव की मंजूरी
- शाइन को विश्वविद्यालय बनाने की मंजूरी.
- केबिनेट में बीपीओ पॉलिसी 2023 की मंजूरी दी गई.

सीएसआर फंड का बेजा इस्तेमाल बच्चों को नहीं मिल रही अच्छी शिक्षा

संवाददाता । धनबाद

बीसीसीएल में सीएसआर फंड का बेजा इस्तेमाल हो रहा है. गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिल रही है. इतना ही नहीं स्वच्छ पानी के साथ-साथ अस्पतालों में बेहतर इलाज भी नहीं हो रहा है. जबकि बीसीसीएल, सीसीएल से हर साल सरकार को 5500 करोड़ राजस्व प्राप्त हो रही है. उक्त बातें बीसीसीएल-सीसीएल के पूर्व सीएमडी गोपाल सिंह ने सरायढेला में आयोजित झारखंड कोयलांचल बचाओ अभियान के तहत सेवा जागरुकता मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही. उन्होंने कहा कि बीसीसीएल में सीसीएल की तरह कायाकल्प योजनाएं लागू होनी चाहिए. स्केल को डेवलप कर कटहारा में अच्छा स्कूल खोला गया. जहां बच्चियां पढ़कर रेलवे व माइक्रोशॉफ्ट में नौकरी कर रही है. लाडली योजनाएं लागू की गई. खेल के स्टेडियम में 100 करोड़ की लाइटें लगी है. इससे आम लोगों को क्या मतलब है. करोड़ों रुपये बेवजह बर्बाद हो रहे हैं. सही पैसे का सही इस्तेमाल होने से ही विकास होता है. विस्थापितों को नौकरी व रोजगार मिलनी चाहिए. भूमि अधिग्रहण कर कोयला निकाला गया, लेकिन मुआवजा नहीं मिला. भूमि को समतल भी नहीं किया गया. ओबी का पहाड़ बना दिया गया.

भारत से पांच गुणा कोयले का उत्पादन कर रहा है चाइना: बीसीसीएल के पूर्व सीएमडी गोपाल सिंह ने कहा कि भारत से पांच गुणा कोयले का उत्पादन चाइना कर रहा है. आमदनी भी पांच गुणा और वातावरण को काफी दूषित भी कर रहा है. यही वजह है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण में बदलाव आया है. कभी भी बारिश और तबाही हो रही है. केदारनाथ हादसा भी ग्लेशियर का कारण है. कोयले और गैस की आग के कारण वायुमंडल के तापमान में परिवर्तन आया है.

डीटीओ ने मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना को लेकर की बैठक

संवाददाता । बोकारो

बोकारो जिला परिवहन पदाधिकारी वंदन शेजवलकर ने जिले के सभी बस संचालकों के साथ शुक्रवार को बैठक की. बैठक में उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की मार्गों का चयन करने को लेकर एमवीआई व बस संचालकों संग विचार - विमर्श किया. मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण और सुदूर क्षेत्र में रह रहे लोगों को शहर से जोड़ने व आवागमन की बेहतर व्यवस्था करने के उद्देश्य से योजना की शुरुआत की जा रही है. रुट निर्धारण इस तरह से किया जा रहा है ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहर के स्कूल, कॉलेज, साप्ताहिक हाट, रेलवे स्टेशन व अस्पताल आने में कोई परेशानी नहीं हो. इस योजना के तहत सभी वरिष्ठ नागरिकों, झारखंड आंदोलनकारी, दिव्यांग और विधवा को बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी. इसके अलावा निर्धारित रूटों पर बस संचालित करने वाले बस संचालकों को वाहन खरीद पर सब्सिडी दी जाएगी. जिला परिवहन पदाधिकारी ने बस संचालकों को आगे आने का आह्वान किया. उन्हें योजना के तहत मिलने वाले रियायत की क्रमवार जानकारी दी. उन्होंने बताया कि परमिट और फिटनेस शुल्क पर भी रियायत मिलेगी. इस योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन के तहत मात्र 1 रुपये के शुल्क में मार्ग कर, परमिट शुल्क, वाहन निबंधन शुल्क देना होगा. बैठक में परिवहन विभाग के कर्मी, मोटरयान निरीक्षक समेत कई बसों के संचालक उपस्थित थे.

खास बातें

- बस संचालकों को आगे आने का किया आह्वान
- योजना के तहत मिलने वाली रियायतों की दी जानकारी

एनडीआरएफ ने विद्यालयों में दिए आपदा प्रबंधन के टिप्स

बोकारो । एनडीआरएफ टीम द्वारा बोकारो जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न विद्यालयों में छात्र छात्राओं के बीच शुक्रवार को परिचय अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न टिप्स दिए गए. टीम द्वारा डीपीएस बोकारो, चिन्मया विद्यालय एवं सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय पिंड्राजोड़ा में परिचय अभ्यास कराया गया. इस कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई.

पेज एक का शेष...

85000 से अधिक आवेदन रद्द

आवेदन रद्द होने पर अभ्यर्थियों ने उठाये सवाल : जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की नई तिथि जारी होने के बाद शुक्रवार को 85 हजार से अधिक आवेदन रद्द किये जाने पर अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए हैं. छात्रों का कहना है कि आयोग ने बताया था कि परीक्षा लेने वाली एजेंसी ने असमर्थता जता दी थी, जिस कारण परीक्षा स्थगित की गयी. लेकिन यदि परीक्षा समय (16-17 दिसंबर) को होती तो क्या जिन 85 हजार अभ्यर्थियों के आवेदन रद्द किए गए हैं, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती. छात्रों का कहना है कि अपनी नाकामियां छुपाने के लिए आयोग कभी कुछ बहाने बना रहा है, तो कभी कुछ.

छात्रों का आरोप- जेपीएससी व जेएसएससी पूरी तरह निष्क्रिय : आयोग कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर रहे छात्रों में मुख्य रूप से राजेश ओझा, विशाल पाल, प्रकाश पोद्दार, काजल मंडल, कुणाल प्रताप, सत्यनारायण शुक्ला, विनय मेहता, अरुण अग्रवाल, भारती खुशवाहा,अनुज शंकर, इमाम सफी,अनिल मिश्र, संजय तिवारी, पवन झा, स्मृति ऐश्वर्या, राजा दास,रामशरण सहित कई अन्य शामिल थे. छात्रों ने साफ-साफ कहा कि युवाओं को नौकरी देने के लिए सरकार ने जिन दो आयोग का गठन किया है, वह युवाओं को नौकरी देने में पूरी तरह से असफल है. अभ्यर्थियों का आरोप है कि जेपीएससी व जेएसएससी पूरी तरह निष्क्रिय है. न तो समय पर कोई परीक्षा ले पा रहा है और कोई परीक्षा आयोजित भी कराता है, तो विवादित हो जाता है. और अंततः परीक्षा रद्द कर दी जाती है.

पार हो रही उम्र सीमा, सरकार को चिंता नहीं : आयोग की परीक्षा के इंतजार में हजारों छात्रों की उम्र सीमा या तो समाप्त हो गयी या समाप्त होने की कगार पर है. जेएसएससी स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता (सीजीएल) परीक्षा जो वास्तव में 2016 की वेकेंसी है, कई बार रद्द हो चुकी है. 16-17 दिसंबर को होनेवाली परीक्षा भी कुछ दिन पहले ही स्थगित कर दी गयी. आयोग ने परीक्षा रद्द करने का जो कारण बताया है, वह छात्रों के गले नहीं उतर रहा.

जमशेदपुर बनेगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप....

राज्य सरकार की रिक्तियों में आंदोलनकारियों के एक आश्रित को पांच प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देने का फैसला किया गया है. राज्य सरकार की तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की सरकारी नियुक्तियों में हर आंदोलनकारी के एक आश्रित को पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देगी. . यह लाभ आंदोलनकारी परिवार को एक ही बार देय होगा. इसके लिए झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों व पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम, 2001 में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी है. इसके आलवे आंदोलनकारियों के आश्रितों के आश्रितों महिलाओं को भी रिक्तियों में पांच प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण दिया जायेगा. जबकि दिव्यांग अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत राज्य की सभी नियुक्तियों में आरक्षण प्रदान किया जायेगा, बतातें चलें कि राज्य सरकार की नियुक्तियों में एसटी को 26 प्रतिशत, एससी को 10 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग को आठ प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग को छह प्रतिशत व आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण पहले ही दे रही है. इसके अतिरिक्त कैबिनेट में विधानसभा में नियुक्ति एवं प्रमोशन में बरती गई गड़बड़ी की जांच के लिए एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता में गठित एक सदस्यीय न्यायालय के समर्पित रिपोर्ट को आवश्यक कार्रवाई के लिए सभा में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया.

परेशानी शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी

गंदगी का अंबार, आईसीयू की भी नहीं हुई सफाई

संवाददाता । धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) में सफाई कर्मियों की हड़ताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही. वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर निजी एजेंसी कमांडो सिक्योरिटी सर्विसेज के अधीन कार्यरत कुल करीब 150 सफाई कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं. इसके चलते अस्पताल के जनरल वार्ड से लेकर आईसीयू तक की साफ-सफाई ठप हो गई है. परिसर में गंदगी फैली है और जगह-जगह कचरे का अंबार लगा है. मेडिसिन वार्ड, सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, शिशु रोग विभाग व ओपीडी में साफ-सफाई नहीं होने से मरीजों व

अस्पताल स्टाफ को परेशानी का सामना करना पड़ा. हड़ताली कर्मचारियों ने इमरजेंसी के मुख्य द्वार के पास प्रबंधन और एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. साथ ही एजेंसी पर वादाखिलाफी का आरोप भी लगाया. सफाई कर्मचारियों का कहना है कि एजेंसी दो वर्षों से केवल आश्वाशन ही दे रही है. फिलहाल, 250 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से पारिश्रमिक मिलता है. एजेंसी से 50 रुपए और बढ़ाने को लेकर बातचीत हुई थी. एजेंसी के पदाधिकारी ने इसका वादा भी किया था, जो महज आश्वासन बन कर रह गया.

प्रबंधन ने भी किए हाथ खड़े : अस्पताल अधीक्षक डॉ अनिल कुमार ने कहा की यह एजेंसी और कर्मियों के बीच का मामला है. एजेंसी को कहा गया है कि आपस में बातचीत कर हड़ताल समाप्त कराएं. तत्काल हड़ताल समाप्त कराने निर्देश दिया गया है. अधीक्षक ने बताया कि सरकार की ओर से एजेंसी को पैसा समय पर मिल रहा है.

खास बातें

- गंदगी के बीच होता रहा मरीजों का इलाज
- एजेंसी से वार्ता के बाद भी कर्मी अपनी मांग पर हैं अडिग

जोकोविच व सबालेंका ने जीता अईटीएफ विश्व चैंपियन पुरस्कार

भाषा । लंदन

नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेंका को इस सत्र में चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के एकल वर्ग में कम से कम सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के 2023 के विश्व चैंपियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया. जोकोविच ने रिकॉर्ड आठवीं बार एटीपी रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज रहते हुए सत्र का अंत किया. उन्होंने इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीतकर अपने कुल ग्रैंडस्लैम खिताब की संख्या 24 पर पहुंचाई. वह विंबलडन में उपविजेता रहे थे. जोकोविच ने आठवीं बार आईटीएफ विश्व चैंपियन का पुरस्कार हासिल किया और यह भी रिकॉर्ड है. सबालेंका ने पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया. उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था.

वह अमेरिकी ओपन में उपविजेता रही जबकि फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंची थी. वह सितंबर में पहली बार अपने करियर में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी. उन्होंने सत्र का अंत इगा स्वियातेक के बाद दूसरे नंबर पर रहते हुए किया.

नोवाक जोकोविच

1 8वीं बार जोकोविच एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे

2 24 ग्रैंडस्लैम अब तक जीत चुके हैं जोकोविच

3 8वीं बार जोकोविच ने विश्व चैंपियन पुरस्कार जीता

सबालेंका

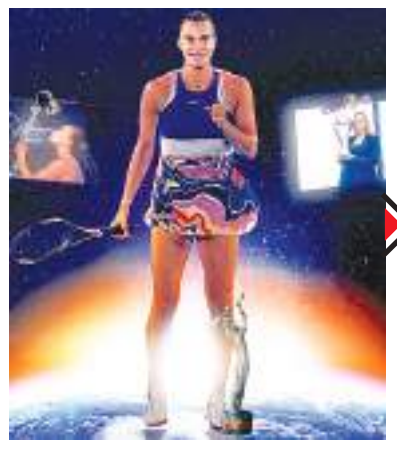

1 सबालेंका ने पहली बार जीता विश्व चैंपियन पुरस्कार

2 रैंकिंग में सबालेंका सत्र का अंत दूसरे स्थान पर किया

3 इस साल सबालेंका ने जीत था ऑस्ट्रेलिय ओपन

आओ जानें
सबसे महंगी खेल वस्तुएं

वस्तु	साल	राशि (मि. डॉलर)
1952 टॉप्स मिकी मेंटल कार्ड	2022	12.6
माइकल जॉर्डन का शिकागो बुल्स जर्सी	2022	10.1
माराडोना का "हैंड ऑफ गॉड" जर्सी	2022	8.9
पियरे डी कूबर्टिन द्वारा "द ओलंपिक मेनिफेस्टो"	2019	8.8
मुहम्मद अली की डब्ल्यूबीसी बेल्ट	2022	6.18
बेब रूथ की न्यूयॉर्क यांकीज जर्सी	2019	5.64
बेब रूथ की वर्ल्ड सीरीज रिंग	2017	4.4
जेम्स नाइस्मिथ की "बास्केटबॉल के संस्थापक नियम"	2010	4.3
डेनियल लुसियस एडम्स का बेस बॉल नियम	2016	3.2
मार्क मैकगवायर की 70वीं होम रन बॉल	1999	3

ब्रीफ खबरें

फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा स्पेन

ज्यूरिख । महिला विश्व कप विजेता स्पेन यूएफा नेशंस लीग के अंतिम चार में पहुंचने के बाद शुक्रवार को जारी फीफा रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ शीर्ष पर पहुंच गया. स्वीडन महिला विश्व कप के बाद अगस्त में जारी पिछली फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर था लेकिन अब पांचवें स्थान पर खिसक गया है. स्पेन इस महीने नेशंस लीग में अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा. चार टीमों के इसी ग्रुप में स्वीडन तीसरे स्थान पर था. स्पेन पहली बार महिला फुटबॉल में शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचा है. उसने अमेरिका, फ्रांस और विश्व कप के उपविजेता इंग्लैंड को पछाड़ कर यह स्थान हासिल किया. फीफा ने बताया कि 211 सदस्यों में से इस रैंकिंग में 192 को जगह मिली है.

आईडब्ल्यूएफ ग्रां प्री में 12वें स्थान पर रहे गुरदीप

दोहा । राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता भारतीय भारोत्तोलक गुरदीप सिंह ने यहां आईडब्ल्यूएफ (अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ) ग्रां प्री दो में पुरुषों के 109 किग्रा भार से अधिक के वर्ग में 12वें स्थान पर रहकर निराशाजनक प्रदर्शन किया. पंजाब के इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल मिलाकर 340 किग्रा भार उठाया जो पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में उठाए गए वजन से 50 किग्रा कम था. गुरदीप ने राष्ट्रमंडल खेलों में 390 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता था. कलाई की चोट के कारण इस साल अधिकतर प्रतियोगिताओं में नहीं खेल पाने वाले गुरदीप ने स्नैच वर्ग में 145 किग्रा और इसके बाद क्लीन एवं जर्क में 195 किग्रा वजन उठाया.

पाकिस्तान को भारत से सीखने की जरूरत: बट

कराची । पूर्व टेस्ट कप्तान सलमान बट का मानना है ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर शिकस्त देने के लिए पाकिस्तान को पड़ोसी भारत से सीख लेनी चाहिए. पाकिस्तान मौजूदा समय में तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहा है. भारत लगातार चार बार दोनों देशों के बीच खेली जाने वाली टेस्ट मैचों की श्रृंखला बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का विजेता रहा है. टीम ने इस दौरान दो बार भारत में जबकि दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर 2-1 से हराया. बट ने पाकिस्तान को भारत के नक्शेकदम पर चलने की सलाह देते हुए कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय गेंदबाजों ने चुनौतीपूर्ण लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की.

महिला क्रिकेट: दीप्ति के ऑलराउंड प्रदर्शन से बैकफुट पर इंग्लैंड

भारतीय टीम जीत के करीब

भाषा । मुंबई

दीप्ति शर्मा के हरफनमौला खेल से भारतीय महिला टीम इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली और जीत के करीब पहुंच गयी है. अभी दो दिन का खेल बचा है और दूसरी पारी में अब तक 478 रन की बढ़त बनाने के बाद भारत के पास घरेलू सरजमीं पर पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट जीतने का मौका है. दीप्ति ने भारतीय टीम की पहली पारी में 113 गेंद में 67 रन बनाकर टीम के स्कोर को 428 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने के बाद अपनी शानदार फिरकी से इंग्लैंड की बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया. उन्होंने 5.3 ओवर में चार मेडन और सात रन देकर पांच विकेट चटकाये जिससे इंग्लैंड की पहली पारी महज 136 रन पर सिमट गयी.

इंग्लैंड की टीम एक समय तीन विकेट पर 108 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थी लेकिन इसके बाद दीप्ति के कहर से उसकी पारी सस्ते में निपट गयी. टीम ने 10 रन के अंदर आखिरी छह विकेट गंवा दिये. स्नेह राणा ने 25 रन देकर दो जबकि रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर ने एक-एक विकेट चटकाये. भारत ने पहली पारी में 292 रन की बड़ी बढ़त लेने के बाद इंग्लैंड को फालोऑन करने की जगह दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने का फैसला किया. टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 186 रन बना लिये.

05 विकेट चटकाए दीप्ति शर्मा ने

67 रन बनाए थे दीप्ति ने पहली पारी में

44 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं हरमप्रीत

हरमनप्रीत ने संभाली भारत की दूसरी पारी

स्टंप्स के समय कप्तान हरमनप्रीत कौर 44 और हरफनमौला पूजा वस्त्राकर 17 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं. हरमनप्रीत ने भारत की दूसरी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभाला.हरमनप्रीत ने पूजा के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए अब तक 53 रन की साझेदारी कर ली है. दिन का खेल आगे बढ़ने के साथ पिच से स्पिनरों को अधिक मदद मिल रही थी. असामान्य उछाल के कारण बल्लेबाजों को परेशानी कर सामना करना पड़ रहा था.

दूसरे दिन 19 विकेट गिरे, 15 स्पिनरों ने लिए

मैच के दूसरे दिन कुल 19 विकेट गिरे जिसमें भारत की पहली पारी के तीन विकेट शामिल है. इसमें से 15 विकेट स्पिनरों के नाम रहे. भारत ने दिन की शुरुआत पहली पारी में सात विकेट पर 410 रन से आगे की लेकिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने 10.3 ओवर में 18 रन के अंदर बाकी बचे तीनों विकेट चटका लिये. तेज गेंदबाज रेणुका ने इंग्लैंड को पारी के तीसरे ओवर में ही पहला झटका दिया. उन्होंने सोफी डंकली को बोल्ड किया. नेट स्किवेर ब्रंट ने इसके बाद सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट के साथ 51 रन की साझेदारी करके मैच में इंग्लैंड को वापसी कराने की कोशिश की.

मेस्सी की जर्सी 78 लाख डॉलर में बिकी

भाषा । न्यूयॉर्क

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की पिछले साल विश्व कप के दौरान पहनी गई छह जर्सी नीलामी में 78 लाख डॉलर में बिकी. नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने यह घोषणा की. सोथबी ने बताया कि मेस्सी ने इन जर्सी को कतर में 2022 में खेले गए फीफा विश्व कप के पहले चरण के मैचों में पहना था. इस साल खेल से जुड़ी वस्तुओं की नीलामी में यह सर्वाधिक कीमत पर बिकने वाली वस्तु रही. अर्जेंटीना ने विश्व कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर अपना तीसरा खिताब जीता था. निर्धारित समय तक दोनों टीम 3-3 से बराबरी पर थी जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया था. इन जर्सी के लिए विजेता बोली लगाने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है.

- इस साल खेल से जुड़ी वस्तुओं की नीलामी में सर्वाधिक कीमत में बिकी जर्सी
- विश्व कप के दौरान मेस्सी ने पहनी थी जर्सी

सऊदी ओपन में संयुक्त 22वें स्थान पर अहलावत

रियाद । वीर अहलावत ने पहले दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेला, जिससे वह 10 लाख डॉलर इनामी सऊदी ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर के बाद संयुक्त 22वें स्थान पर हैं, जो भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ है. भारत के ही एस चिक्कारंगप्पा और युवराज संधू ने इवन पार 71 का कार्ड खेला और यह दोनों संयुक्त 32वें स्थान पर हैं. थाईलैंड के चैपचाई नीरत सात अंडर 64 का स्कोर बनाकर पहले दौर के बाद बढ़त पर हैं. भारत के अन्य खिलाड़ियों में अजितेश संधू दो ओवर 73 का कार्ड खेलकर हनी बैसोया और करणदीप कोचर के साथ संयुक्त 60वें स्थान पर हैं. राशिद खान और गगनजीत भुल्लर ने निराशाजनक शुरुआत की.

वर्तमान दौरे में दक्षिण अफ्रीका की पिचें स्पिनरों के अनुकूल : कुलदीप

भाषा । जोहानिसबर्ग

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा कि अपनी तेजी और उछाल के लिए मशहूर रहे दक्षिण अफ्रीका के विकेट वर्तमान दौरे में स्पिनरों के भी अनुकूल हैं. कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 17 रन देकर 5 विकेट लिए. वह भुवनेश्वर कुमार के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं जिन्होंने टी-20 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में दूसरी बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया. अपना 29वां जन्मदिन मना रहे कुलदीप की शानदार गेंदबाजी से भारत ने यह मैच 106 रन से जीत

कर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की. कुलदीप ने मैच के बाद कहा कि यह मेरे लिए विशेष दिन बन गया. मैंने पांच विकेट लेने के बारे में कभी नहीं सोचा था. मैं केवल इतना चाहता था की टीम जीते जो कि अधिक महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि मैं अपनी गेंदबाजी को लेकर थोड़ा चिंतित था.

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 10 रनों से हराया, श्रृंखला में 2-0 की बढ़त

भाषा । सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)

ब्रैंडन किंग के नाबाद अर्धशतक और अलजारी जोसेफ की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को 10 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त बनाई.इंग्लैंड ने टॉस जीत कर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और जल्द ही उसका स्कोर 4 विकेट पर 54 रन कर दिया.

सलामी बल्लेबाज किंग ने ऐसे में 52 गेंद पर नाबाद 82 रन बनाए जबकि कप्तान रोवमैन पावेल ने 28 गेंद पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 50 रन बनाए जिससे वेस्टइंडीज ने 7 विकेट पर 176 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया. पावेल ने सैम कुरेन के एक ओवर में चार छक्के और एक चौका जड़ा.

प्रियंका को ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास करने की अनुमति मिली

नयी दिल्ली । खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल ने पैदल चाल की एथलीट प्रियंका गोस्वामी के ऑस्ट्रेलिया में कोच ब्रेंट वालेस की निगरानी में अभ्यास करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रियंका ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा में अभ्यास करेगी. उनको मिलने वाली वित्तीय सहायता में हवाई किराया, भोजन-आवास की लागत, खेल विज्ञान सहायता के लिए व्यय सहित अन्य खर्च शामिल होंगे. एमओसी ने इसके अलावा लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम के विकास ग्रुप में शामिल ग्रीको रोमन पहलवान आशु (67 किग्रा), सूरज (55 किग्रा) और रोनित शर्मा (48 किग्रा) के कजाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी.

पाकिस्तान की पहली पारी में सतर्क शुरुआत

आमिर जमाल ने किया कमाल, अपने पदार्पण मैच में चटकाए 6 विकेट

भाषा । पर्थ

तेज गेंदबाज आमिर जमाल ने अपने पदार्पण टेस्ट मैच में ही पारी में छह विकेट लेने का कारनामा करके ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां 500 रन तक पहुंचने से रोका, जिसके बाद पाकिस्तान ने सतर्क शुरूआत करते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 53 ओवर में दो विकेट पर 132 रन बनाए. ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने 90 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन जमाल ने 111 रन देकर छह विकेट लिए, जिससे पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 487 रन ही बनाने दिए. उसकी पहली पारी का आकर्षण सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का शतक रहा. उन्होंने पहले दिन 211 गेंद पर 164 रन की

पारी खेली थी. पाकिस्तान की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 355 रन पीछे है. उसके बल्लेबाजों ने किसी तरह का जोखिम नहीं लिया. अब्दुल्ला शफीक (42) और इमाम उल हक (136 गेंद पर नाबाद 38) ने पहले टिकट के लिए 36.2 ओवर में 74 रन जोड़कर पाकिस्तान को सधी शुरुआत दिलाई. ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने शफीक को वॉर्नर के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई.

खास बातें

- शतक से चुके मिचेल मार्श, 90 रन बनाए
- पाकिस्तान ने पहली पारी में दो विकेट पर 132 रन बनाए

पाकिस्तान के आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज कप्तान शान मसूद (30) थे जिन्हें तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने विकेट के पीछे कैच कराया. स्टंप उखड़ने के समय इमाम 38 और नाइट वॉचमैन खुर्रम शहजाद सात रन पर खेल रहे थे. ऑस्ट्रेलिया ने सुबह 5 विकेट पर 346 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई थी. पाकिस्तान ने सुबह के सत्र में दो विकेट हासिल किए थे और यह दोनों सफलताएं उसे जमाल ने दिलाई. इस तेज गेंदबाज ने एलेक्स केरी (34) और मिशेल स्टार्क (12) दोनों को बोल्ड किया. ऑस्ट्रेलिया ने लंच तक सात विकेट पर 476 रन बनाए थे लेकिन दूसरे सत्र में उसने 20 गेंद और 11 रन के अंदर अपने बाकी बचे तीनों विकेट गंवा दिए. इनमें मार्श का विकेट भी शामिल था जिन्हें अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे खुर्रम शहजाद (83 रन देकर दो विकेट) ने दूसरे सत्र की पहली गेंद पर बोल्ड किया. मार्श ने अपनी 107 गेंद की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया. जमाल ने इसके बाद बाकी बचे दो विकेट लेने में देर नहीं लगाई.

हॉकी जूनियर विश्व कप में भारत के पास पदक के साथ घर लौटने का आखिरी मौका

कांस्य पदक के लिए स्पेन से भिड़ेगी भारतीय टीम

भाषा । कुआलालंपुर

अब तक मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रही भारतीय टीम को अगर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के शनिवार को होने वाले कांस्य पदक के मैच में मजबूत स्पेन को हराना है, तो उसे जल्द से जल्द अपने खेल में सुधार करना होगा. भारत ने गुरुवार को जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में 12 पेनल्टी कॉर्नर गंवाए, जिससे इस मैच में भारत को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा. इस पराजय से भारतीय टीम का मनोबल गिरा होगा, लेकिन अगर उसे पोडियम (शीर्ष तीन में शामिल) पर पहुंचना है तो स्पेन के खिलाफ अवसरों को भुनाना होगा. पूल चरण के मैच में स्पेन ने भारत को 4-1 से हराया था. स्पेन की टीम भी दूसरे

खास बातें

- फाइनल मुकाबले में जर्मनी से भिड़ेगा फ्रांस
- सेमीफाइनल में भारत ने गवांए थे 12 पेनल्टी कॉर्नर

सेमीफाइनल में फ्रांस के हाथों 3-1 से हार के कारण आहत होगी, लेकिन वह कांस्य पदक जीतने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी. भारतीय कप्तान उत्तम ने स्वीकार किया कि उन्होंने कई मौके गंवाए लेकिन साथ ही कहा कि उनके पास अब भी पोडियम पर पहुंचने का मौका है और वह इसके लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. उत्तम ने कहा कि हमें काफी मौके मिले लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा पाए.

विश्व कप में चौथा पदक हासिल करना चाहेगा भारत

भारतीय टीम भी इस प्रतियोगिता में चौथी बार पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करेगी. उसने इस टूर्नामेंट में दो बार (होबार्ट में 2001 और लखनऊ में 2016) स्वर्ण पदक और 1997 में इंग्लैंड के मिल्टन केंस में रजत पदक जीता था. लेकिन उत्तम सिंह की अगुवाई वाली टीम को अगर इस सूची में शामिल होना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा. भारत के लिए यह प्रतियोगिता मिश्रित सफलता वाली रही है. उसने क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर चार टीम नीदरलैंड को 4-3 से हराया था.

विश्व कप में भारत के खिलाफ स्पेन का पलड़ा भारी

स्पेन की बात है तो उसकी टीम अभी तक इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह नहीं बना पाई है. उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था जब उसकी टीम ने कांस्य पदक जीता था. भारत और स्पेन ने पुरुष जूनियर विश्व कप में अभी तक एक दूसरे के खिलाफ आठ मैच खेले हैं. इनमें से स्पेन ने पांच मैच में जीत दर्ज की है. इस बीच 2021 में भुवनेश्वर में उप विजेता रही जर्मनी की टीम फाइनल में फ्रांस का सामना करेगी.

मानवजीत और अंजुम ओलंपिक क्वालीफायर से करेंगे वापसी

नयी दिल्ली । अनुभवी निशानेबाज मानवजीत सिंह संधू और अंजुम मौदगिल अगले महीने क्रमशः जकार्ता और कुवैत सिटी में होने वाले एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे. राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं के लिए क्वालीफायर पांच से 18 जनवरी तक जकार्ता (इंडोनेशिया) तो वही शॉटगन क्वालीफायर 12 से 23 जनवरी तक कुवैत सिटी में होंगे. भारत ने 20 सदस्यीय राइफल और पिस्टल टीम को मैदान में उतारा है. इसके अलावा 12 निशानेबाज शॉटगन क्वालीफायर में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे. अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक के लिए जकार्ता में राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं के लिए कुल 16 कोटा उपलब्ध हैं, जबकि शॉटगन प्रतियोगिता में आठ स्थान उपलब्ध हैं.

क्रिकेट

वेंचर स्किल टूर्नामेंट

- अंडर-14 जेके क्रिकेट अकादमी बनाम डेस्टिनी सीए

- तरूण संगम किड्स बनाम आरसीए (जूनियर)

- **जेके क्रिकेट अकादमी** : 296/10 ओवर - 31.5
- **दीपक** : 63, **आशुतोष** : 62
- **प्रिंस** : 5/51, **ऋषभ** : 2/28
- **डेस्टिनी सीए** : 143/10 ओवर : 29.2
- **प्रिंस** : 38, **आयुष** : 20
- **तरनजोत** : 3/20

153 रनों से जीती जेके क्रिकेट अकादमी की टीम

- **तरूण संगम किड्स** - 229/3, ओवर 30
- **तेजस** : 105*, **उस्तत** : 59*
- **अभिराज** : 2/40, **सक्षम** : 1/55
- **आरसीए (जूनियर)**- 105/10 ओवर-13.3
- **आदित्य** - 22, **अयान** - 21, अभिराज - 10
- **हर्ष** : 3/14, **जयेश** : 2/30, **तेजस** : 1/9, जीत - 2/6

तरूण संगम की टीम 124 रनों से जीती

राजस्थान में भजनलाल शर्मा ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, मनोनीत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा.

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पहली बार के विधायक भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को यहां राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. राज्यपाल कलराज मिश्र ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई. यहां ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल के सामने आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल मिश्र ने दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को मंत्री पद की शपथ दिलाई. कुमारी और बैरवा को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े शर्मा को 12 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक में विधायक दल का नेता चुना गया था. शर्मा (57) का आज जन्मदिन है. मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने हिन्दी में शपथ ली. कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद थे. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा वसुंधरा राजे भी समारोह में शामिल हुए. समारोह के लिए राजधानी के मुख्य मार्गों और प्रवेश मार्गों को सजाया गया.

आओ जानें

दुनिया में बेरोजगारी की दर

नाइजीरिया	33.3%	फिनलैंड	7.2%
दक्षिण अफ्रीका	32.6%	फ्रांस	7.2%
इराक	15.55%	मिस्र	7.1%
बोस्निया-हर्जेगोविना	13.3%	अर्जेंटीना	6.9%
अफगानिस्तान	13.3%	पराग्वे	6.5%
स्पेन	11.6%	यूरो क्षेत्र	6.4%
ग्रीस	11.1%	वेनेजुएला	6.4%
यूक्रेन	10.5%	पाकिस्तान	6.3%
ईरान	9.7%	पुर्तगाल	6.1%
तुर्की	9.6%	ऑस्ट्रिया	5.9%
कोलंबिया	9.34%	बेल्जियम	5.7%
स्वीडन	9.2%	जर्मनी	5.6%
चिली	8.53%	कनाडा	5.5%
उरुग्वे	8.2%	इंडोनेशिया	5.45%
ब्राज़ील	8%	चीन	5.3%
भारत	8%	सऊदी अरब	5.1%
इटली	7.4%	पोलैंड	5%

ब्रीफ खबरें

उल्फा(आई) ने असम में विस्फोट की जिम्मेदारी ली

गुवाहाटी। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) ने असम के जोरहाट जिले में बृहस्पतिवार रात सैन्य स्टेशन के पास हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है. रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि शहर के लिचुबारी इलाके में सैन्य स्टेशन के गेट के पास एक कूड़ेदान में बृहस्पतिवार रात कम तीव्रता का एक विस्फोट हुआ. प्रवक्ता ने बताया कि बम विशेषज्ञ मौके पर पहुंच गए हैं और इस बात का पता लगा रहे हैं कि विस्फोट के लिए किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया है. विस्फोट में जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है.

बच्चों की हत्या करने के बाद की आत्महत्या

हैदराबाद। तेलंगाना में सिद्दिपेट के जिलाधिकारी के एक निजी सुरक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को अपनी रिवॉल्वर से पत्नी और दो बच्चों की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली. पुलिस ने यह जानकारी दी. सिद्दिपेट की पुलिस आयुक्त एन श्वेता के अनुसार, निजी सुरक्षा अधिकारी ए नरेश, चिन्नाकोडूर मंडल में अपने गांव रामुनी पाटला गये थे, क्योंकि जिलाधिकारी शहर में नहीं थे. श्वेता के मुताबिक, नरेश ने करीब साढ़े 11 बजे यह कदम उठाया. उनकी उम्र 30 साल से अधिक थी.

ईरान में एक थाने पर हमले में 11 की मौत

दुबई। ईरान के सरकारी टीवी ने शुक्रवार को बताया कि एक अलगाववादी समूह के संदिग्ध सदस्यों ने दक्षिण-पूर्वी ईरान के एक थाने पर रात में हमला कर दिया जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के उप गवर्नर अली रजा मरहेमती ने कहा कि तेहरान से करीब 1400 किलोमीटर दूर रस्क कस्बे में देर रात दो बजे हुए इस हमले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मी मारे गए. उन्होंने कहा कि पुलिस ने मुठभेड़ में कई हमलावरों को मार गिराया.

विधानपरिषद सदस्य शेख सब्जी की मौत

चेरुकुवाडा। आंध्र प्रदेश में पश्चिम गोदावरी जिले के चेरुकुवाडा गांव में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में विधानपरिषद सदस्य शेख सब्जी की मृत्यु हो गयी. एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पूर्वाह्न करीब साढ़े 12 बजे सब्जी (57) की कार एक अन्य कार से टकरा गयी. वह इलुरु से भीमावरम जा रहे थे. पश्चिम गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक यू रवि प्रकाश ने कहा कि विपरीत दिशा से आ रही कार असंतुलित थी. सब्जी की मौके पर ही मृत्यु हो गयी. उन्होंने बताया कि यह हादसा उंडी थानाक्षेत्र में हुआ.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता के पी विश्वनाथन का निधन

त्रिशूर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केरल के पूर्व मंत्री के पी विश्वनाथन का शुक्रवार को त्रिशूर के एक निजी अस्पताल में 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया. वह उम्र संबंधित बीमारियों से जूझ रहे थे. पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी. छह दशक तक राजनीति में सक्रिय रहने वाले विश्वनाथन ने कांग्रेस सदस्य के रूप में राज्य विधानसभा में कुन्नम्कुलम और कोडकारा सीट का प्रतिनिधित्व किया. उन्होंने युवा कांग्रेस के जरिये राजनीति में कदम रखा और 1967 से 1970 तक त्रिशूर जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया.

विपक्ष के निलंबित सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

अमित शाह सदन में आने से डर रहे हैं, बयान दें : टैगोर

भाषा। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किये गये विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया. इन सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष और संसद भवन के मकर द्वार के निकट धरना दिया. मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित लोकसभा सदस्य और कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा कि हमारी मांग रही है कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में बयान देना चाहिए. वह सदन में नहीं आ रहे हैं. उन्हें वक्तव्य देना चाहिए. वह ऐसा नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह संसद में आने से डरे हुए हैं. उन्होंने कहा, हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया और न्याय के लिए प्रदर्शन जारी रखेंगे. संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर हंगामे के दौरान अशोभनीय आचरण तथा आसन की अवमानना करने' को लेकर विपक्षी दलों के कुल 14 सदस्यों को मौजूदा संसद सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया. निलंबित सांसदों में लोकसभा के 13 सदस्य शामिल हैं.

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन को निलंबित किया गया है. लोकसभा में कांग्रेस के वीके श्रीकंदन, बेनी बेहनन, मोहम्मद जावेद, मणिकम टैगोर, टी एन प्रतापन, हिबी इडेन, जोतिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस, द्रमुक की कनिमोई, माकपा के एस वेंकटेशन और पी आर नटराजन तथा भाकपा के के सुब्बारायन का निलंबन हुआ है.

खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, संसद और सांसदों की सुरक्षा पर भारी चूक हुई है

आईएनडीआईए ने बैठक में की निलंबन के मुद्दे पर चर्चा

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के घटक दलों ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में बैठक की. बैठक में एक बार फिर दुहराया गया कि संसद की सुरक्षा में चूक के विषय पर गृह मंत्री अमित शाह को सदन में वक्तव्य देना चाहिए. इस मामले पर चर्चा कराई जानी चाहिए. बैठक में संसद की सुरक्षा में चूक और दोनों सदनों से 14 विपक्षी सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर चर्चा की गयी. विपक्षी दलों की बैठक में कांग्रेस के खड़गे और जयराम रमेश, द्रमुक केटीआर बालू, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय और डेरेक ओब्रायन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा और कई अन्य विपक्षी सांसद शामिल हुए. बैठक के बाद खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, संसद और सांसदों की सुरक्षा पर भारी चूक हुई है. उस पर विपक्ष के सांसदों को गैरकानूनी ढंग से निलंबित करना किस तरह का न्याय है?.

14 सदस्य शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आईएनडीआईए के घटक दलों की मांग है कि अमित शाह संसद में वक्तव्य दें और फिर दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा हो. उनका कहना था, राष्ट्रीय सुरक्षा के इस गंभीर विषय पर आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है, संसदीय धर्म है. बता दें कि संसद की सुरक्षा में चूक के विषय पर गुरुवार को दोनों सदनों में विपक्षी दलों के सदस्यों ने भारी हंगामा किया था. इसके बाद अशोभनीय आचारण तथा आसन की अवमानना को लेकर दोनों सदनों के 14 सदस्यों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया. इनमें लोकसभा के 13 और राज्यसभा के एक सदस्य शामिल हैं.

'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी' के गायक अनूप नहीं रहे

कोलकाता। हिंदी फिल्म 'मासूम' के लोकप्रिय गाने 'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी' के गायक अनूप घोषाल का शुक्रवार को यहां निधन हो गया. उनके परिवार ने यह जानकारी दी. बंगाली गायक अनूप घोषाल ने अपनी आवाज से सत्यजीत रे की कई फिल्मों के गीतों को अमर बना दिया. घोषाल 77 वर्ष के थे. वह पिछले कई दिनों से वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण दक्षिण कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे और अपराह्न एक बजकर 40 मिनट पर उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद दिया, जिस कारण उनका निधन हो गया. घोषाल के परिवार में दो बेटियां हैं. उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर उत्तरपाड़ा सीट से 2011 का विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक लड़ा था.

चीन में हिमपात के बीच रेल दुर्घटना में 515 यात्री घायल

भाषा। बीजिंग

चीन की राजधानी बीजिंग में भारी हिमपात के बीच दो सबवे ट्रेन में भिड़ंत होने से 515 लोग घायल हो गए. प्राधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि घायलों में से 102 लोगों की हड्डियां टूट गयी हैं. यह हादसा बीजिंग के पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम को चांगपिंग लाइन पर हुआ.

शहर के परिवहन प्राधिकरण ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बयान में कहा कि पटरियों पर फिसलन के कारण आगे चल रही ट्रेन खुद रुक गयी. पीछे से आ रही ट्रेन समय रहते ब्रेक नहीं लगा पायी और वह फिसल गयी. बयान के अनुसार, आपात चिकित्सा कर्मी, पुलिस और परिवहन प्राधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और रात करीब 11 बजे तक सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया. 25 यात्री निगरानी में हैं और 67 यात्री शुक्रवार को सुबह तक अस्पताल में भर्ती थे.

बीजिंग में बुधवार को असामान्य रूप से भारी हिमपात शुरू हो गया जिससे कुछ ट्रेनों का संचालन रोकना पड़ा और स्कूल बंद करने पड़े. शहर में और हिमपात की चेतावनी दी गयी है. रात भर पारा शून्य से 11 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा. उत्तरी चीन में आए बर्फीले तूफान से अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

दुष्कर्म के आरोपी भाजपा विधायक रामदुलार को 25 साल की सजा

भाषा। लखनऊ

नाबालिग से रेप के दोषी दुद्धी से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड़ को एमपी/एमएलए कोर्ट ने 25 साल की सजा सुनाई है. कोर्ट ने 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. विधायक से जुर्माना वसूल कर पीड़िता को दिये जाने का आदेश दिया या है. सजा की घोषणा होते ही विधायक की सदस्यता चली गयी है.

12 दिसंबर को सोनभद्र की एमपी/एमएलए कोर्ट ने विधायक को नाबालिग से रेप मामले में दोषी करार दिया था. पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. एमपी/एमएलए कोर्ट के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश एहशानुल्ला खान की अदालत में विधायक को सजा के मुद्दे पर 15 दिसंबर की तारीख तय की थी. मामले की तह में जायें तो नौ साल पूर्व म्योरपुर थाने में रामदुलार गोंड़ के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था. उस समय वह प्रधानपति था. आरोप है कि चार नवंबर (2014) को रामदुलार गोंड़ ने एक गांव की किशोरी के साथ दुष्कर्म किया. इस मामले में पीड़िता के भाई ने म्योरपुर कोतवाली में एफआईआर दर्ज करवाई. पुलिस ने पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया. अदालत में लंबी सुनवाई के बाद पिछले शुक्रवार को अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता सत्यप्रकाश तिवारी व विकास शाक्य ने दुद्धी विधायक रामदुलार गोंड़ के खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किये.

विधायक की ओर से अधिवक्ता रामवृक्ष तिवारी ने दलील दी. बता दें कि कोर्ट ने दोनों पक्षोंको सुनने के बाद फैसले की तिथि 12 दिसंबर तय की थी. 12 दिसंबर , मंगलवार को लंच बाद अपर सत्र न्यायाधीश एहसानुल्लाह खान ने मामले की सुनवाई करते हुए विधायक राम दुलार गोंड़ को दोषी करार दिया था.

19 व्यक्तियों को मृत्यु के आठ महीने बाद दफनाया गया

भाषा। इंफाल

मणिपुर में जातीय हिंसा में मारे गए कुकी जो समुदाय के 19 व्यक्तियों को मृत्यु के आठ महीने बाद राज्य के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार को दफना दिया गया. फाईजांग गांव में कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) द्वारा आयोजित सामूहिक अंतिम संस्कार में पीड़ितों के मित्र एवं रिश्तेदार शामिल हुए. ज्वाइंट फिलेन्थ्रापिक ऑर्गेनाइजेशंस (जेपीओ) के संयोजक लालदॉनलियान वर्ते ने कहा कि जनजातीय समुदाय के 87 अन्य सदस्यों के शव 20 दिसंबर को चूराचांदपुर जिले में दफनाए जाएंगे. आयोजकों ने कहा कि 19 पीड़ितों के शव इंफाल में करीब आठ महीने से शवगृह में थे. आखिरकार सम्मानजनक तरीके से उनका अंतिम संस्कार किया गया. सीओटीयू द्वारा इस दिन को शोक दिवस के रूप में मनाए जाने के मद्देनजर 12 घंटे के बंद के आह्वान के बाद कुकी बहुल जिले में कई मकानों पर काले झंडे फहराए गए और बाजार एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे तथा सार्वजनिक परिवहन सड़कों से नदारद थे.

बृहस्पतिवार को इंफाल घाटी में जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के शवगृह से 60 शवों को हवाई मार्ग से चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में लाया गया. उन 60 में से 19 शवों को दिन के दौरान कांगपोकपी जिले में दफनाया गया जबकि 41 अन्य को चुराचांदपुर भेजा गया.

हमास के खिलाफ लड़ाई में और वक्त लगेगा : इजराइली रक्षा मंत्री

भाषा। तेलअवीव

इजराइल के रक्षा मंत्री याओव गैलेंट ने लंबे समय तक युद्ध चलने का अनुमान जताते हुए कहा कि हमास को तबाह करने में कई महीने लगेंगे. उनका यह बयान तब आया है जब इजराइल और उसके शीर्ष सहयोगी अमेरिका पर गाजा में तबाही को लेकर अंतरराष्ट्रीय रूप से अलग-थलग पड़ने का दबाव बढ़ गया है. अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने गाजा में बड़ी लड़ाई खत्म करने की समयसीमा पर चर्चा करने के लिए हाल में इजराइली नेताओं से मुलाकात की.

इजराइली नेताओं ने सात अक्टूबर को किए गए हमले के लिए आतंकवादी संगठन को खत्म करने तक सैन्य हमला जारी रखने का संकल्प दोहराया. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने हताहतों की संख्या कम करने में इजराइल की नाकामियों और गाजा के भविष्य के लिए उसकी योजनाओं को लेकर असहजता दिखायी है लेकिन साथ ही व्हाइट हाउस हथियार भेजकर इजराइल की पूरी मदद कर रहा है.

खास बातें

- हमास को तबाह करने में कई महीने लगेंगे : याओव गैलेंट
- आतंकवादी संगठन को खत्म करने का संकल्प दोहराया

अमेरिका इजराइल से सख्ती से निपटे : शतयेह

फलस्तीन प्राधिकरण के प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि अमेरिका इजराइल से अधिक सख्ती से निपटे, खासतौर से इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के द्वि-राष्ट्र के समाधान के लिए युद्ध के बाद वार्ता करने की वाशिंगटन की मांग के संबंध में. एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि अमेरिका इस विकल्प की तलाश कर रहा है कि अगर इजराइल गाजा से हमास को उखाड़ फेंकने में कामयाब हो जाता है तो फलस्तीनी प्राधिकरण से जुड़े सुरक्षा कर्मी जन सुरक्षा बहाल करने में मदद करें.

बीकानेर में एक ही परिवार के पांच लोगों ने की आत्महत्या

भाषा। जयपुर

राजस्थान के बीकानेर में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या कर ली. इनमें से चार लोगों के शव फंदे पर लटके हुए पाये गये. एक की मौत जहर खाने के कारण हुई है. आत्महत्या करने वालों में पति-पत्नी और तीन बच्चे हैं. इस घटना से शहर में सनसनी फैल गयी है.

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में तथ्य सामने आये हैं कि सुसाइड का कारण परिवार पर भारी कर्ज था. पुलिस ने शवों को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. घर को चारों तरफ से सील कर जांच शुरू कर दी गयी है. पुलिस को अंदेशा है कि कि जिसने जहर खाकर जान दी. उसने पहले चारों को फांसी के फंदे पर लटका दिया होगा. घटना की सूचना मिलते ही एसपी तेजस्विनी गौतम मौके पर पहुंची. जानकारी के अनुसार परिवार के मुखिया अंत्योदय नगर निवासी हनुमान सोनी ने पत्नी विमला सोनी और तीनों बच्चों बेटा मोहित सोनी और तीनों बच्चों बेटा मोहित सोनी और ऋषि सोनी एवं बेटी गुड़िया सोनी के साथ आत्महत्या कर ली. इसकी खबर फैलते घर के बाहर भारी संख्या में लोग जुट गये.

खास बातें

- आत्महत्या करने वालों में पति-पत्नी और तीन बच्चे
- सुसाइड का कारण परिवार पर भारी कर्ज था

मथुरा | सुप्रीम कोर्ट का इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक से इनकार

श्री कृष्ण जन्मभूमि मामले में 9 जनवरी को अगली सुनवाई

भाषा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह परिसर का सर्वेक्षण किये जाने की मंजूरी दिये जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया. बता दें कि गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण कराये जाने का आदेश दिया है.

सर्वेक्षण किस तरह होगा, कोर्ट यह 18 दिसंबर को निर्धारित करेगा. सर्वेक्षण का संचालन अदालत की निगरानी में अधिवक्ता आयुक्तों की तीन सदस्यीय टीम करेगी. सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता सर्वे को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को कायम रखा. सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले में 9 जनवरी को अगली सुनवाई होगी. मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में इस पर शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई. शुक्रवार को इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की. मुस्लिम पक्ष के वकील हुजैफा अहमदी ने सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ के समक्ष जानकारी दी कि अचानक गुरुवार को हाई कोर्ट ने कोर्ट कमिश्नर सर्वे का आदेश दे दिया. सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल राहत देने से इनकार करते हुए 9 जनवरी को सुनवाई की तिथि तय कर दी.

खास बातें

- सर्वेक्षण का संचालन करेगी अधिवक्ता आयुक्तों की टीम
- मस्जिद इंतजामिया ने हाईकोर्ट के फैसले को दी है चुनौती

दावा - संपत्ति श्री कृष्णजन्मभूमि का हिस्सा थी

बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट का निर्णय हिंदू पक्ष द्वारा मस्जिद के सर्वेक्षण कराने के अनुरोध पर आया. हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि यह संपत्ति हिंदुओं का अभिन्न अंग थी, श्री कृष्णजन्मभूमि का हिस्सा थी. यह एक हिंदू पूजा स्थल थी. मामला यह है कि लखनऊ निवासी और वकील रंजना अग्निहोत्री और छह अन्य ने 24 सितंबर 2020 को, निचली अदालत में 17 वीं शताब्दी की शाही ईदगाह मस्जिद को उस परिसर से हटाने की गुहार लगाते हुए याचिका दायर की थी, जो कटरा केशव देव मंदिर के साथ साझा की जाती रही है.

याचिकाकर्ताओं ने मस्जिद को हटाने का अनुरोध किया था

दावा किया गया था कि शाही ईदगाह मस्जिद श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के स्वामित्व वाली 13.37 एकड़ भूमि के एक हिस्से पर निर्मित की गयी थी. याचिकाकर्ताओं ने मस्जिद को हटाने का अनुरोध किया था. बाद में मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट में पहुंचा. हाईकोर्ट के सर्वे के फैसले पर याचिकाकर्ता पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की दलीलों को खारिज करते हुए कोर्ट सर्वे की मांग मंजूर कर ली है. मैंने मांग की थी कि शाही ईदगाह मस्जिद में हिंदू मंदिर के चिन्ह और प्रतीक मौजूद हैं.

खालिस्तानी गतिविधियों का कोई समर्थन नहीं : सिख नेता

भाषा। वाशिंगटन

एक प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सिख नेता ने कहा है कि अमेरिका में खालिस्तानी गतिविधियों का न तो सरकार और न ही समुदाय के लोग समर्थन करते हैं. 'सिख ऑफ अमेरिका' संगठन के जस्सी सिंह ने नरेन्द्र मोदी सरकार से युवाओं के बीच मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या सहित पंजाब की कई प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए एक पैकेज देने का आग्रह भी किया. सिंह ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी सरकार ने सिख समुदाय के लिए जो काम किए हैं, वे पिछली सरकारों की तुलना में अभूतपूर्व हैं. सिंह ने कहा कि इसके साथ ही, कई सिख मुद्दे हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है. इसमें 1984 के दंगों में सिखों के खिलाफ अत्याचार भी शामिल है. कोई भी सिख इसे नहीं भूलेगा. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सिखों की चिंताओं को दूर करने की पूरी कोशिश की है, लेकिन ऐसे कई मुद्दे हैं जिन पर अभी भी ध्यान देने की जरूरत है.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को भारत और दुनिया में सिख समुदाय से सीधे तौर पर जुड़ना चाहिए, न कि बिचौलियों के माध्यम से. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नहीं, अधिकतर सिख खालिस्तानी गतिविधियों का समर्थन नहीं करते हैं.' उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका में एक छोटा सा अल्पसंख्यक वर्ग है जो इस तरह की गतिविधियों का समर्थन करता है. सिंह और उनका प्रतिनिधिमंडल 2014 से प्रधानमंत्री मोदी से उनकी हर अमेरिकी यात्रा के दौरान मुलाकात करता रहा है.

आज रात से खरमास शुरू, सभी मांगलिक कार्य होंगे बंद

संवाददाता । धनबाद

खरमास शनिवार की आधी रात से शुरू हो रहा है, जिसके चलते रात 1:26 बजे से सभी मांगलिक कार्य रुक जाएंगे. यह अवधि कुल 29 दिनों की होगी. हिंदू पंचांग के अनुसार जब सूर्य वृश्चिक लग्न से धनु राशि में प्रवेश करता है तो, खरमास शुरू हो जाता है. इस दौरान बृहस्पति और शुक्र का अस्त हो जाता है, इसलिए सभी मांगलिक कार्य बंद हो जाते है. यह जानकारी पंडित जितेंद्र शास्त्री ने दी. उन्होंने बताया कि इस स्थिति में शादी-विवाह, भूमि पूजन, गृह पूजा, जमीन की खरीदारी, मुंडन तथा नया व्यवसाय आदि का कार्य वर्जित रहेगा. हालांकि खरमास के दौरान पूजा-पाठ व दान-पुण्य का विशेष महत्व . लौह सामग्री दान करने से शनि दोष से छुटकारा मिलता है.

खास बातें

- आज रात 1: 26 बजे से शुरू हो जाएगा खरमास
- 16 जनवरी से शुरू हो जाएंगे सभी शुभ कार्य

2024 में जनवरी से मार्च तक 36 शुभ मुहूर्त

खरमास की समाप्ति 15 जनवरी 2024 को दिन के 9 बजकर 13 मिनट पर होगी. इसके बाद सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा. इसी दिन मकर संक्रांति का त्योहार भी मनाया जायेगा. इसके बाद 16 जनवरी से सभी शुभ कार्य शुरू हो जाएंगे. जनवरी में 16, 17, 20, 21, 22, 27, 28, 29, 30, 31, फरवरी में 1, 2, 3, 4, 5, 6, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 24, 25, 26, 27, 28, 29 तथा मार्च में 1, 2, 3, 5, 6, 7, 11, 12 तारीख विवाह के शुभ मूहर्त है. फरवरी में सबसे ज्यादा शादी होगी.

पिछले दो माह में हुई हजारों शादियां

इस साल नवंबर और दिसंबर माह में भी लगातार शादियां हुई. हजारों जोड़े विवाह के बंधन में बंधे. शुक्रवार को भी अच्छा लग्न था. वहीं शनिवा रात 1:26 बजे तक ही लग्न है. हालाकि इस दिन कम शादियां हैं. जिला डेकोरेटर एसोशिएशन संघ के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि इस सीजन में शादी विवाह में अच्छी बुकिंग हुई है. अधिकांश डेकोरेटर्स के पास 10-15 शादियों की एडवांस बुकिंग हुई है. अगले सीजन की बुकिंग भी अब होने लगी है.

आओ जानें

16 दिसंबर का इतिहास

- 1945 – दो बार जापान के प्रधानमंत्री रहे फूमिमारो कनोए ने युद्ध अपराधों का सामना करने की जगह आत्महत्या कर ली.
- 1951 – हैदराबाद में सालारजंग संग्रहालय की स्थापना की गयी.
- 1960– अमेरिका के न्यूयार्क शहर में दो विमानों के टकराने से 136 लोगों की मौत.
- 1971 – भारत और पाकिस्तान की सेना के बीच युद्धविराम पर सहमति के बाद पाकिस्तान से पृथक होकर बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र बना.
- 1985 – कलपक्कम में देश के पहले फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टर ने काम करना शुरू किया.

तीन रेल कर्मियों को मिला अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

संवाददाता । चक्रधरपुर

नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुक्रवार को आयोजित 68वें रेलवे सप्ताह केन्द्रीय समारोह में दक्षिण पूर्व रेलवे के दस रेल कर्मियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2023 से नवाजा गया. सम्मानित होने वालों में चक्रधरपुर रेल मंडल के भी तीन पदाधिकारी डिविजनल ऑपरेशंस मैनेजर अरविंद प्रदीप एस, आरपीएफ टाटानगर पोस्ट में तैनात सब इंसपेक्टर अनूप लाल रजक और राउरकेला के लोको पायलट नरहरि दास शामिल है. वैसे दक्षिण रेलवे के दस रेलकर्मियों को यह पुरस्कार दिया गया है. सभी रेलकर्मियों को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी को सम्मानित किया. दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि और पुरस्कार के लिए बधाई दी.

इसलिए किया गया सम्मानित

चक्रधरपुर डिवीजन में कार्यरत डिविजनल ऑपरेशंस मैनेजर अरविंद प्रदीप एस के कार्यकाल के दौरान, एक वित्तीय वर्ष में बोकारो स्टील प्लांट से सर्वश्रेष्ठ आरआर डिस्पैच हासिल किया था. आरपीएफ सब इंसपेक्टर अनूप लाल रजक ने 23 मार्च 2022 को टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर चलती ट्रेन से गिरे एक यात्री की जान बचाई थी. वहीं 21 जुलाई 2022 को एक व्यक्ति ट्रेन के सामने ट्रैक पर लेट कर आत्महत्या की कोशिश कर रहा था उसे वहां से जबरन खींच कर हटा लिया था जिससे उसकी जान बच गई थी. जबकि चक्रधरपुर मंडल के राउरकेला के लोको पायलट नरहरि दास ने 23 अक्टूबर 2022 को एक एक्सप्रेस ट्रेन में आपातकालीन ब्रेक लगाकर बड़ी संभावित दुर्घटना को टाल दिया था. उनकी त्वरित कार्रवाई से यात्रियों की जान बच गयी थी.

सिमडेगा में 110 वर्षों से लगातार हो रहा है मेले का आयोजन

सिमडेगा में तामड़ा जतरा मेले की शुरुआत आज से

संवाददाता । सिमडेगा

सिमडेगा की राजधानी कही जाने वाली तामड़ा की सबसे प्राचीन और ऐतिहासिक जतरा मेले की शुरुआत आज से होगी. दो दिवसीय ऐतिहासिक मेले के लिए सभी तरह की तैयारी की जा चुकी है. जहां पर दूर-दूर से खेल तमाशा, बच्चों के लिए मनोरंजन के साधन एवं मिठाई सहित अलग-अलग प्रकार की सामानों की दुकानें सज चुकी है.

पहान धर्मनाथ खड़िया द्वारा शनिवार को विधिवत ग्राम देवी की पूजा करने के पश्चात विधि विधान के साथ मेले की शुरुआत होगी. प्राचीन मेले को संरक्षण देने के लिए आयोजन समिति द्वारा जिला प्रशासन सिमडेगा से मदद की मांग की गई है. उन्होंने कहा है कि मेले का आयोजन निजी भूमि पर किया जाता है और अब उस जमीन पर धीरे-धीरे मकान बनने लगे हैं, ऐसे में मेला का अस्तित्व खतरे में आ रहा है. जिसे ध्यान में रखते हुए बगल में ही सरकारी भूमि है उक्त स्थल पर मेले के लिए स्थान दिया जाए ताकि मेला का अस्तित्व बचे. आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के प्रधान सरंक्षक -शखी ग्वाला,हीरा राम,अध्यक्षः लाल महतो, उपाध्यक्ष संतोष साहू, राहुल मिश्रा,सचिव कुबेर कैथवार, राहुल कैथवार, सुभाष कैथवार, कोषाध्यक्ष अरविंद कैथवार छोटा साहू , अजय बैठा, उप कोषाध्यक्ष मनीष केसरी, जुग्गी ग्वाला, राजकुमार गोप, उप सचिवः ब्रजनाथ कैथवार, रिजवान खलीफा, विक्की बैठा, मुरली केशरी, आयोजन सयोंजक विकास साहु संरक्षक मनोज सिंह, शत्रुघन श्रीवास्तव, फूलचंद ठाकुर, जितेंद्र पुरी मुकेश मिश्रा, अशोक गुप्ता, पूणा सिंह, किशोर तुरी, मीडिया प्रभारी अमन मिश्रा शामिल हैं.

मेले के एक सप्ताह पहले झाली मांगने की है परंपरा

तामड़ा जतरा मेले को लेकर शुरुआती दौर से ही झाली मांगने की परंपरा है, जहां पर छोटे-छोटे बच्चे घर-घर जाकर पारंपरिक गीत गाकर धान चावल आदि चीजों का संग्रहण करते हैं और यह प्रथा 110 वर्षों से लगातार गांव में चली आ रही है. यहां आज भी गांव के छोटे-छोटे बच्चे घर-घर जाकर गीत गाकर शाम के समय धान चावल मांगते हैं. जिसे बच्चे मेले में ले जाकर मुरही एवं चूड़ा से बदलकर मेले का आनंद लेते हैं. गांव के लोग भी उत्साह के साथ घर में आई नई फसल को दान करते हैं. मेले में कठपुतली नाच का आयोजन किया जाता था, जो लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहता था. कठपुतली नाच को देखने के लिए लिए दूर-दूर से लोग यहां पहुंचते थे. यह कार्यक्रम बीरू के नायक समुदाय के लोगों के द्वारा किया जाता था और इसे देखने के लिए लोग उत्साहित रहते थे. लेकिन धीरे-धीरे यह संस्कृति और परंपरा विलुप्त हो गई और आज नायक समुदाय के वंशजों द्वारा यह खेल बंद कर दिया गया.

मेले के पीछे की कहानी है रोचक

तामड़ा में जतरा मेला का आयोजन बीते 110 वर्षों से किया जा रहा है. मेले के पीछे की कहानी बड़ी रोचक है. 1913 में आसपास के गांव के ही कुछ उत्साहित लोग, जिसमें जागेश्वर सिंह महावीर साव, रामलाल साव, शिवलाल साव, बबन श्रीवास्तव, दुर्गा साव, फिरू लोहरा सहित अन्य लोगों के द्वारा क्षेत्र में अच्छी फसल होने और लोगों को संगठित और एक सूत्र में बांधने के लिए एक छोटे मेले का आयोजन किया गया था. परंतु दिन प्रतिदिन आसपास के गांव का सहयोग मिलने लगा और मेले ने बृहद रूप ले लिया.

खास बातें

- ग्राम देवी की पूजा के साथ ही मेले का शुभारंभ हो जाएगा
- मिठाई , मनोरंजन व अन्य सामानों की दुकानें सज चुकी है

जलियांवाला बाग एक्सप्रेस शुरू, सीजीपीसी ने मनाई खुशी

संवाददाता । जमशेदपुर

जलियांवाला बाग एक्सप्रेस का परिचालन शुरू होने की घोषणा के बाद सिख समुदाय के लोगों में खुशी का माहौल है. शुक्रवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन के प्रबंधक रघुवंश कुमार ने सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह और चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह को ट्रेन शुरू होने की सूचना दी. यह खबर सुनते ही सभी के चेहरे खिल उठे. जिस समय जानकारी मिली उस समय कमेटी के सभी सदस्य सीजीपीसी कार्यालय में मीटिंग में बैठे थे. ट्रेन चालू होने की खुशी में तत्काल लड्डू मंगवाए गए. सभी ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी का इजहार किया. इसके बाद केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी टाटानगर स्टेशन पहुंचे और रघुवंश कुमार को शॉल ओढ़ाकर व पुष्पगुच्छ देकर आभार प्रकट किया. प्रधान भगवान सिंह व चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह ने कहा कि यह खुशी अभी अधूरी है. जब तक जलियांवाला बाग और जम्मू तवी एक्सप्रेस को रोजाना नहीं कर दी जाती, तबतक आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद विद्युत वरण महतो, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक अरुण जे राठौर, क्षेत्रीय प्रबंधक एवं स्टेशन निदेशक रघुवंश कुमार के प्रति आभार जताया.

बता दें कि रेलवे ने कोहरे के कारण चार दिसंबर से एक मार्च तक जालियांवाला बाग एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया था. बाद में सिख समुदाय द्वारा आंदोलन की घोषणा और रेल मंत्री से आग्रह करने के बाद रेल प्रशासन ने ट्रेन शुरू करने की घोषणा की.

मौके पर सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह, वरीय उपाध्यक्ष चंचल सिंह, नरेंद्र पाल सिंह भाटिया, महासचिव अमरजीत सिंह, गुरचरण सिंह बिल्ला, प्रधान महेंद्र पाल सिंह भाटिया, बिल्डिंग निर्माण प्रमुख सुरेंद्र पाल सिंह टीटू, कोषाध्यक्ष गुरनाम सिंह भाटिया, सुखदेव सिंह बिट्टू, करनैल सिंह ज्ञानी समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- चार दिसंबर से एक मार्च तक के लिए रद्द कर दी गई थी ट्रेन
- सीजीपीएस कार्यालय में लड्डू खिलाकर जाहिर की गई खुशी

कॅरियर-काउंसिलिंग

टॉप लॉ स्कूलों में एडमिशन के लिए लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट महत्वपूर्ण

रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 10 जनवरी

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट लॉ स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए आवश्यक है. यह परीक्षा लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल द्वारा आयोजित की जाती है और पूरी दुनिया में मान्य है. 12 वीं कक्षा की परीक्षा में प्राप्त अंकों के अलावा एलएलबी की डिग्री हासिल करने के लिए एलएसएटी स्कोर एक शर्त है. परीक्षा में 99-102 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं, जो 120-180 अंकों के पैमाने पर बनाए जाते हैं. इसके अलावा परीक्षा अवधि साढे.तीन घंटे की होती है.

एलएसएटी स्कोरिंग : 120 से 180 के पैमाने पर मापा जाता

टॉप लॉ स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए टेस्ट स्कोर बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है. चूंकि विभिन्न देशों में अलग-अलग स्कोरिंग सिस्टम के कारण मूल्यांकनकर्ताओं के लिए या पर्सेंटाइल के आधार पर आपके एडमिशन को संसाधित करना कठिन होता है. इसलिए एडमिशन काफी हद तक आपके एलएसएटी स्कोर पर निर्भर करता है. स्कोर को 120 से 180 के पैमाने पर मापा जाता है, जहां 120 न्यूनतम और 180 अंक उच्चतम स्कोर है. 152 अंक को औसत स्कोर माना जाता है, लेकिन एडमिशन पूरी तरह से संबंधित लॉ स्कूल द्वारा निर्धारित न्यूनतम स्कोर पर निर्भर करता है, जिसमें आप आवेदन कर रहे हैं. परीक्षण के बाद, स्कोर आपके ईमेल पर भेजा जाता है और आपके लॉ स्कूल के अलावा किसी और को नहीं बताया जाता है.

लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट के लिए सुझाव

- समझबूझ कर पढ़ना
- गति बढ़ाने के लिए किताबें, उपन्यास, ब्लॉग पढ़ें
- वाक्यों के सही अर्थ जानिए
- पॉडकास्ट, वीडियो, वर्ड गेम्स जैसे विभिन्न माध्यमों से अपनी शब्दावली बढ़ाएं
- पैसेज-आधारित प्रश्नों में समय का प्रबंधन करें
- तार्किक विचार
- निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए प्रश्नों को समझें
- शब्दावली में सुधार करें
- पैटर्न, व्यवस्था और अनुक्रमण के आधार पर प्रश्नों को हल करने की तरकीबें सीखें
- विश्लेषणात्मक तर्क
- डेटा विश्लेषण में मानसिक गणना त्वरित होनी चाहिए
- प्रश्न की पहचान होनी चाहिए
- अधिक से अधिक मॉक टेस्ट का अभ्यास करें

जानिए पियरसन व्यू के बारे में

पियरसन व्यू दशकों से कंप्यूटर आधारित परीक्षण उद्योग में अग्रणी रहा है, जो शिक्षा, आईटी और स्वास्थ्य सेवा में प्रवेश से लेकर हर उद्योग में सालाना 19 मिलियन से अधिक प्रमाणन और लाइसेंस परीक्षा आयोजित करने की सुविधा प्रदान करता है. पियरसन व्यू लगभग 20,000 अत्यधिक सुरक्षित परीक्षण केंद्रों के साथ-साथ 180 से अधिक देशों में ऑनलाइन परीक्षण के दुनिया के सबसे व्यापक नेटवर्क के माध्यम से उच्च-स्तरीय परीक्षाओं को विकसित करने और वितरित करने में वैश्विक लीडर हैं. मूल्यांकन क्षेत्र में संस्था अग्रणी प्रौद्योगिकी फर्मों से लेकर सरकार और नियामक एजेंसियों तक ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ परीक्षाएं आयोजित कर सेवाएं प्रदान कर रही है. संस्था के बारे में अधिक जानकारी पियरसन वीयूइ .कॉम पर हासिल की जा सकती है.

मुख्य परीक्षा तिथियों और समय सीमा सहित अतिरिक्त जानकारी के लिए बवेबसाइट https://www.lsatindia.in/exam-basics/ पर जा सकते हैं.

वर्ष 2024 में एलएसएटी जनवरी और मई माब में

लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एलएसएटी) इंडिया की पेशकश वर्ष 2024 में दो बार, यानि जनवरी और मई माह में की जाएगी. इसे लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल (एलएसएसी) द्वारा डिजाइन किया गया है, जो कि पियरसन व्यू द्वारा आयोजित है. पबला टेस्ट 20 जनवरी को कई स्लॉट्स में होगा, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन कराने की अंतिम तिथि 10 जनवरी निर्धारित है. इस परीक्षा के लिए उम्मीदवार https://www.lsatindia.in/ पर खुद ही रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं.

- **एलएसएटी**- इंडियाटीएम के बारे में बात करते हुए, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल (जेजीएलएस) के एसोसिएट अध्यक्ष ओपी जिंदल और ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) में लॉ एडमिशन के निदेशक प्रो आनंद प्रकाश मिश्रा ने कहा- "2009 में हमारे लॉ स्कूल के पहले वर्ष से हमने विशेष रूप से एलएसएटी- इंडियाटीएम के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिया है. एलएसएटी-इंडिया टीएम स्कोर में हम इसकी विश्व स्तर की मान्यता और स्वीकृति पर विश्वास करते हैं. इस परीक्षा के माध्यम से प्रत्येक उम्मीदवार को मिले अद्वितीय प्रतिशत, प्रवेश प्रक्रिया को आसान और सुचारू बनाना सुनिश्चित करते हैं. यह परीक्षा वैज्ञानिक है और तर्क पर आधारित है, रटने पर आधारित नहीं."

  प्रो मिश्रा ने आगे कहा कि चूँकि, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में सभी छात्रवृत्ति निर्णय एलएसएटी- इंडियाटीएम स्कोर पर आधारित होते हैं, इसलिए मैं सभी लॉ उम्मीदवारों और उनके पालकों से अनुरोध करता हूँ कि आप एलएसएटी- इंडिया टीएम जनवरी 2024 टेस्ट में जरूर शामिल हों. उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में बीकॉम एलएलबी, बीबीए एलएलबी और बीए एलएलबी ऑनर्स पाठ्यक्रमों के साथ ही तीन वर्षीय एलएलबी और पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ डिग्री दोनों में प्रवेश के लिए एलएसएटी-इंडियाटीएम अनिवार्य होगा. हम सीएलएटी या किसी अन्य टेस्ट स्कोर को स्वीकार नहीं करेंगे."

- **अब अपने 15वें वर्ष में एलएसएटी**-इंडिया टीएम खुद को भारत के विभिन्न लॉ कॉलेजों द्वारा अंडर-ग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट दोनों पाठ्यक्रमों के लिए उपयोग की जाने वाली प्रमुख कानून प्रवेश परीक्षाओं में से एक के रूप में स्थापित कर चुका है. एनॉलिटिकल रीजनिंग, लॉजिकल रीजनिंग और रीडिंग कॉम्प्रेहेंशन पर अनुभागों के साथ एलएसएटी-इंडिया टीएम उन्नत पढ़ने के कौशल, महत्वपूर्ण सोच और अनौपचारिक और निगमनात्मक तर्क कौशल के आधार पर कानून के उम्मीदवारों के कौशल का आकलन करने के लिए एक मानक टेस्ट है. एलएसएटी-इंडिया टीएम में कुल 92 प्रश्न होते हैं, जिनके उत्तर देने की समय सीमा 2 घंटे 20 मिनट की होती है. परीक्षा का स्कोर कार्ड स्केल किए गए स्कोर और प्रतिशत रैंक, दोनों की रिपोर्ट प्रदान करता है.

- **घर से परीक्षा देने के लिए सिस्टम फॉलो करना होगा**

  परीक्षा का आयोजन पूरे भारत में रिमोट प्रॉक्टरिंग के साथ ऑनलाइन मोड के माध्यम से होगा, ताकि परीक्षार्थियों को अधिकतम पहुंच और सुविधा प्रदान की जा सके. घर से परीक्षा देने के लिए उम्मीदवारों को सिस्टम आदि का पालन करना होगा. परीक्षार्थियों से आग्रह किया जाता है कि वे सिस्टम आवश्यकताओं और टेस्ट की तैयारी के लिए प्रासंगिक जानकारी हेतु परीक्षा वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का अभ्यास करें.

एलएसएटी- इंडिया के बारे में

एलएसएटी- इंडिया यह एक मानकीकृत परीक्षा है, जिसे भारत भर के कई लॉ कॉलेजों द्वारा प्रवेश मानदंड के रूप में अपनाया जाता है. यह उन कौशल को मापता है, जिन्हें लॉ स्कूल में सफलता के लिए आवश्यक माना जाता है. एलएसएटी- इंडिया विशेष रूप से लॉ स्कूल एडमिशन काउंसिल, यूएसए (एलएसएसी) द्वारा भारत में लॉ स्कूलों में प्रवेश के लिए बनाया गया है. एलएसएसी 70 से अधिक वर्षों से विभिन्न देशों के लॉ स्कूलों को अपने आवेदकों के महत्वपूर्ण सोच कौशल का मूल्यांकन करने में मदद कर रहा है.

अमेरिकी में एलएसएटी पास करना अनिवार्य

अमेरिकी बार एसोसिएशन (एबीए) से संबद्ध अमेरिका में लॉ स्कूलों ने छात्रों के लिए प्रवेश लेने के लिए एलएसएटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है. यूके एलएसएटी को मान्यता नहीं देता है और उसकी अपनी राष्ट्रीय परीक्षाएं होती हैं. इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया भर के शीर्ष लॉ स्कूलों को भी प्रवेश परीक्षा स्कोर की आवश्यकता होती है. कनाडा ने भी हाल ही में इस परीक्षा के अंकों के आधार पर छात्रों को प्रवेश देना शुरू किया है.

जानिए कनाडा के लॉ कॉलेजों के बारे में, जहां लॉ स्कूल एडमिशन टेस्ट (एलएसएटी) स्वीकार्य है

- अल्बर्टा विश्वविद्यालय
- एलार्ड स्कूल ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया
- बोरा लास्किन विधि संकाय, लेक हेड विश्वविद्यालय
- कैलगरी विश्वविद्यालय
- शुलिच स्कूल ऑफ लॉ, डलहौजी विश्वविद्यालय
- मैनिटोबा विश्वविद्यालय
- मैकगिल विश्वविद्यालय
- न्यू ब्रंसविक विश्वविद्यालय
- ऑस्गोड हॉल लॉ स्कूल, यॉर्क यूनिवर्सिटी
- ओटावा विश्वविद्यालय
- क्विंस यूनिवर्सिटी
- रायर्सन विश्वविद्यालय
- सस्केचेवान विश्वविद्यालय
- टोरंटो विश्वविद्यालय
- पश्चिमी विश्वविद्यालय
- विंडसर विश्वविद्यालय

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)